A Daily News Magazine
भोपाल
सोमवार, 29 जुलाई, 2024

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 21 अंक 322 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्याः म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

सुबह सवेरे

पहली बात

नीति आयोग : विपक्ष के खिलाफ आर्थिक नाकेबंदी का औजार?

उमेश त्रिवेदी
संपादक

9893032101

बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बैनर्जी के बॉयकॉट ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ब्रेन-चाइल्ड नीति आयोग एक मर्तबा फिर् कटघरे में है। ममता बेनर्जी ने शनिवार 27 जुलाई को आयोजित नीति आयोग की सालाना बैठक का बॉयकॉट करते हुए आरोप लगाया है कि उन्हें अपने राज्य का पक्ष रखने के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया गया। उनके भाषण के दरम्यान जानबूझकर उनका माइक बंद करना अपमानजनक है। नीति आयोग का दुरूपयोग विपक्षी राज्य-सरकारों के खिलाफ आर्थिक नाकेबंदी के रूप में किया जा रहा है। यह प्रधानमंत्री की कठपुतली है, जिसे कोई अधिकार नहीं है। इसे बर्खास्त करके योजना आयोग जैसी ताकतवर संस्था को फिर से खड़ा किया जाना चाहिए।

योजना आयोग को फिर से खड़ा करने की मांग का राजनीतिक आकार बढ़ने लगा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 1 जनवरी 2015 को देश मे सक्रिय पैंसठ साल पुराने योजना आयोग को भंग करके नीति आयोग का गठन किया था। इसे सरकार का थिंक-टैंक माना जाता है। गौरतलब है कि देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने 1950 में केन्द्र सरकार की विकासशील नीतियों के दूरगामी और दीघ्रकालीन क्रियान्वयन के लिए योजना आयोग का गठन किया था।

नीति आयोग और योजना आयोग के बीच बुनियादी फर्क यह है कि नीति आयोग एक सलाहकार निकाय है, जिसके पास नीतियां और निधियों को लागू करने से संबंधित कोई ताकत नहीं है, जबकि पूर्ववर्ती योजना आयोग के पास नीतियों को लागू करने और राज्यों को निधि आवंटित करने का अधिकार थे। योजना आयोग देश की सभी विकास योजनाओं को बनाने के लिए जिम्मेदार था। राज्यों के मुख्यमंत्री इसके सदस्य होते थे। गंभीर मसला यह है कि नीति आयोग का राजनीतिकरण नीतिगत अवधारणाओं में सबसे बड़ा प्रतिरोधक बनकर उभर रहा है।

गौरतलब है कि इंडिया-गठबंधन शासित राज्यों द्वारा नीति आयोग की बैठक के बहिष्कार के आव्हान के बावजूद ममता बैनर्जी ने शनिवार,27 जुलाई को आयोजित आयोग की बैठक में शरीक होने का फैसला किया था। मोदी-सरकार व्दारा बजट आवंटन में विपक्षी राज्य-सरकारों के साथ सौतेले व्यवहार के आरोपों की वजह से इंडिया गठबंधन ने नीति आयोग की बैठक के बहिष्कार का आव्हान किया था। बैठक में 10 राज्य और केन्द्र शासित राज्यों के मुख्यमंत्री शरीक नहीं हुए थे।

इंडिया गठबंधन का कहना है कि आय़ोग की बैठक में ममता बैनर्जी के साथ यह सलूक इस केन्द्र सरकार के सौतेलेपन की पुष्टि करता है। बैठक को अधूरा छोड़ कर बाहर निकलने के बाद ममता बैनर्जी के आरोपों ने मोदी-सरकार और विपक्ष के बीच दरार को गहरा कर दिया है। केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन सहित केन्द्र सरकार के प्रवक्ताओं ने ममता बैनर्जी के आरोपों को राजनीतिक दुराग्रह और निराधार निरूपित किया है। बहरहाल ममता बैनर्जी के आरोपों की पुष्टि का सुसंगत जरिया उपलब्ध नहीं है। फिर भी यह सवाल मौजूं है कि विपक्ष के बहिष्कार के आव्हान के बावजूद आयोग की बैठक में शरीक होने वाली ममता बैनर्जी अकारण ही अकस्मात ही बैठक का बहिष्कार क्यों करना चाहेंगी?

ममता बैनर्जी का मत था कि नीति आयोग प्रधानमंत्री के सम्मुख अपने राज्य की मांगों को रखने का सबसे उपयुक्त और सीधा मंच है। इसीलिए विपक्षी दलों के मुख्यमंत्रियों के आव्हान को दरकिनार करके बैठक में बंगाल के हितों का ध्यान रखते हुए वो आयोग की बैठक मे शरीक होने पहुंच थी, लेकिन दुर्भाग्य से उन्हे बोलने का पर्याप्त मौका ही नहीं दिया गया। जबकि, एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों को बोलने कि लिए ज्यादा समय दिया गया। ममता बैनर्जी का कहना था कि विपक्षी राज्यों की ओर से बोलने वाली वो एकमात्र मुख्यमंत्री थीं।

उनका कहना था कि आंध्र के मुख्यमंत्री चंद्राबाबू नायडू को बोलने के लिए 20 मिनट का समय दिया गया था। असम,गोवा और छत्तीसगढ़ जैसे छोटे राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भी दस-बारह मिनट तक अपनी बात रखी,लेकिन जब मैं बोल रही थी तो मेरा माइक पांच मिनट में ही बंद कर दिया गया। यह अपमानजनक है। यह सिर्फ बंगाल का ही नहीं, बल्कि सभी क्षेत्रीय दलों का अपमान है। केन्द्र-सरकार द्वारा राज्य-सरकारों के साथ पक्षपातपूर्ण व्यवहार नहीं किया जाना चाहिए।

ममता बैनर्जी के आरोपों के प्रति उत्तर में वित्तमंत्री निर्मला सीतारमन का कहना है कि यह पूरी तरह झूठ है कि ममता बैनर्जी का माइक बंद कर दिया गया। हरेक मुख्यमंत्री को बोलने के लिए पर्याप्त समय दिया गया था। अगर वह और बोलना चाहती थीं तो अन्य मुख्यमंत्रियों की तरह अतरिक्त समय मांग सकती थीं। हर टेबल के सामने एक स्क्रीन थी। बैठक का संचालन रक्षामंत्री राजनाथ सिंह कर रहे थे। सभी वक्ताओं का वक्त पूरा होने पर राजनाथ सिंह टैप करते थे, जिसे सभी वक्ता सुनते थे। सभी मुख्यमंत्रियों के लिए यह इशारा किया जा रहा था। उन्हें भी इशारा किया गया था,लेकिन उन्होने वक्त मांगने के बजाय बैठक का बॉयकॉट करना उचित समझा। इसे बहाने की तरह इस्तेमाल करना मुनासिब नहीं है।

ममता बैनर्जी के बॉयकॉट ने नीति आयोग के खिलाफ प्रतिक्रियों में आग में घी जैसा काम किया है। कांग्रेस शासित कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने पहले ही घोषित कर दिया था कि केन्द्र-सरकार के भेदभावपूर्ण बजट आवंटन के विरोध में वो नीति आयोग की बैठक में शरीक नही होगें। तमिलनाडू के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन, केरल के पिनाराई विजयन और आम आदमी पार्टी के दिल्ली और पंजाब सरकारें भी इसी मुद्दे पर बहिष्कार की पक्षधर थीं। बैठक का एजेण्डा 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने पर केन्द्रित था। कांग्रेस ने कहा है कि नीति आयोग नॉन-बॉयोलॉजिकल प्रधानमंत्री के लिए ढोल पीटने वाला एक तंत्र के रूप में काम करने वाला संगठन है। इस संगठन में असहमति के लिए कोई जगह नही है। यह ठेठ अन-प्रोफेशनल बॉडी है।

subhasaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

मैं कहने और चुप्पियों के बीच
खाली जगहों से भी
संवाद करना चाहता हूँ
जब भी मूसलाधार बारिश होती है
और झोपड़ी की छत
गलने लगती है
तब सिर पर बोरा ओढ़कर
पानी की गिरती धार को
देखता रहता हूँ एकटक
चूल्हे में बचा के रखी गर्म राख भी
जब ठण्डा जाती है तब,
सोचता हूँ मैं
पानी की वो धार कहाँ से लाऊँ
जो ठंडा कर दे
पेट की आग भी
अनजान चेहरों के बीच बैठी स्त्री
बिलखते बच्चे को सीने से सटाये
आँचल ऊघाड़ कर
दुग्धपान कराने लगती है
आँखें मूँदकर
लोगों की घूरती आँखों को देखकर
मैं सोचता हूं
भूख से रोते बच्चे और
अश्लीलता के बीच अंतर्संबंध
जिंदगी के फिसलन भरे रास्तों पर
चलते ही फिसल जाता हूँ
सोचता हूँ,पाँव कैसे रखूँ
कि मेरे पाँव भी जमें रहें,
अंगद जैसे
चुप्पियों के साथ
बस! सोचते रहता हूँ
इन खाली जगहों से
कैसे किया जाए संवाद।

- अरुण सातले

उत्तर प्रदेश में बाढ़, 350 गांव डूबे

देश के कई राज्यों में तेज बारिश, बाढ़ जैसे हालात

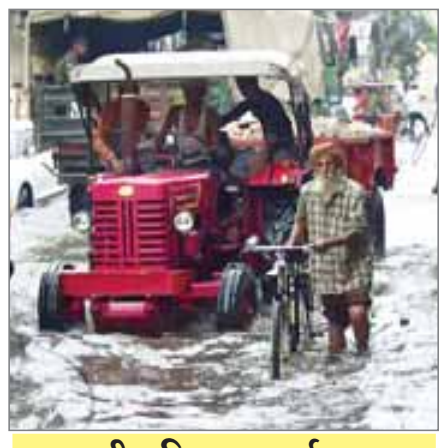

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के कई राज्यों में में तेज बारिश के चलते कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं। उ.प्र. में बाढ़ से सबसे ज्यादा प्रभावित लखीमपुर खीरी है। यहां 5 तहसीलों के 350 गांवों में पानी घुस गया है। वहीं, ललितपुर में बारिश से गोविंद सागर बांध

- उ.प्र.,उत्तराखंड में बारिश से 24 घंटे में 4 मौतें
- आज 22 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

के 4 और गेट खोलने पड़े। पहले से ही 16 गेट खुले हैं। इससे आस-पास के इलाकों में पानी भर गया। उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में भारी बारिश के चलते चार लोगों की मौत हो गई। उत्तराखंड के नई टिहरी में भूस्खलन से एक मां-बेटी की मौत हो गई, जबकि उत्तर प्रदेश के जालौन जिले में अपने गांव में बिजली गिरने से दो लोगों की मौत हो गई। वहीं नवी मुंबई में एक इमारत ढहने से तीन लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। मौसम विभाग ने आज 22 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

बहुत भारी बारिश का अलर्ट

राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, केरल,उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, तमिलनाडु, पुडुचेरी, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, असम, मेघालय, नगालैंड, त्रिपुरा, मिजोरम, मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश।

म.प्र. इंदौर-जबलपुर समेत 15 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट

मध्यप्रदेश में अब तक मानसून सीजन की 103 प्रतिशत बारिश हो चुकी है। प्रदेश की छोटी नदियां उफान पर हैं। आज 15 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है।

राजस्थान में 16 जिलों में अलर्ट, भारी बारिश से 2 डैम के 7 गेट खोले गए

मौसम विज्ञान केन्द्र जयपुर ने अगले चार-पांच दिन राजस्थान में मानसून के सक्रिय रहने और उदयपुर, कोटा, अजमेर संभाग के जिलों में कहीं-कहीं भारी से अतिभारी बारिश होने की संभावना जताई है।

ओलंपिक में मनु ने रचा इतिहास, जीता कांस्य

शूटिंग में भारत को पदक दिलाने वाली पहली महिला

खुशी से झूमा देश, पीएम मोदी बोले- ये सफलता बेहद खास

पेरिस (एजेंसी)। पेरिस ओलिंपिक्स में भारतीय शूटर मनु भाकर ने इतिहास रच दिया है। उन्होंने विमेंस 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीता। ओलिंपिक के इतिहास में शूटिंग में मेडल दिलाने वाली मनु पहली भारतीय महिला हैं। उन्होंने फाइनल में 221.7 पॉइंट्स के साथ कांस्य जीता। मनु भाकर की इस उपलब्धि पर पीएम मोदी ने उन्हें बधाई दी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह एक एक अविश्वसनीय उपलब्धि है। 2021 के टोक्यो ओलिंपिक में मनु की पिस्टल खराब हो गई थी। 20 मिनट तक वे निशाना नहीं लगा पाईं। पिस्टल ठीक हुई, तब भी मनु सिर्फ 14 शॉट लगा पाईं और फाइनल की रेस से बाहर हो गई थीं। मनु निराश थीं लेकिन उन्होंने वापसी की और पेरिस ओलिंपिक्स में भारत को मेडल दिलाया।

शूटिंग में 12 साल बाद मेडल दिलाया-मनु भाकर ने भारत को ओलिंपिक में 12 साल बाद शूटिंग का मेडल दिलाया है। भारत को इस खेल में आखिरी ओलिंपिक मेडल 2012 में मिला था। यह शूटिंग में भारत का अब तक का 5वां मेडल है।

नेताजी के पोते ने पीएम को चिट्ठी लिखी-बोले

सुभाष चंद्र बोस के अवशेष 18 अगस्त तक जापान से लाएं, मौत पर झूठे बयान बंद हों

कोलकाता (एजेंसी)। नेताजी सुभाष चंद्र बोस के पोते चंद्र कुमार बोस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखी है। जिसमें उन्होंने पीएम से 18 अगस्त तक जापान के रेंकोजी से नेताजी के पार्थिव अवशेषों को वापस लाने की अपील की। मीडिया को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि वे चाहते हैं कि सरकार नेताजी की मौत से जुड़ी रिपोर्ट्स के आधार पर अंतिम बयान भी जारी करे, ताकि उनके बारे में झूठी बातों पर विराम लग सके।

राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 10 बार हो चुकी नेताजी की मौत की जांच- चंद्र कुमार बोस ने मोदी सरकार से नेताजी की मौत की जांच से जुड़ी फाइलों को सार्वजनिक करने की पहल की। बोस ने कहा कि 10 बार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जांच होने के बाद, यह स्पष्ट हो चुका है कि नेताजी 18 अगस्त 1945 को ताइवान में एक हवाई दुर्घटना में मारे गए थे।

इसलिए यह जरूरी है कि भारत सरकार अंतिम बयान जारी करे, ताकि झूठी बातों और कहानियों पर विराम लग सके।

राहुल ने उत्तरप्रदेश के मोची को सिलाई मशीन गिफ्ट की

- एक दिन पहले मिले थे; राम चैत ने भी जूते भिजवाए, कहा- उन्होंने वादा पूरा किया

सुलतानपुर (एजेंसी)। राहुल गांधी ने उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर के मोची राम चैत के लिए शनिवार, 27 जुलाई को एक सिलाई मशीन और आर्थिक मदद भेजी। लखनऊ से कांग्रेस पार्टी की टीम उनकी दुकान पर पहुंची। उन्हें सिलाई मशीन गिफ्ट की। राम चैत ने टीम का आभार जताया और राहुल को अपने बनाए 2 जोड़ी जूते भेजे। राहुल 26 जुलाई को गृहमंत्री अमित शाह मानहानि केस में सुल्तानपुर कोर्ट पहुंचे थे। लौटते वक्त राहुल ने अचानक काफिला मोची राम चैत की दुकान पर रुकवा लिया। गाड़ी से उतरकर राहुल राम चैत की दुकान पर पहुंचे। चप्पल की सिलाई की। उनसे पूछा कि जूते कैसे बनाते हो। करीब 5 मिनट तक राम चैत से बातचीत के बाद राहुल वहां से निकल गए थे। राम चैत ने राहुल से कहा था- 'मैं गरीब हूं। थोड़ी मदद कीजिए।'

पीएम मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम में

इन्दौर में 'एक पेड़ माँ के नाम' हुए वृहद पौध-रोपण की प्रशंसा की

प्रत्येक नागरिक से अपनी 'माँ' और 'धरती माँ' के नाम पौधा लगाने का किया आहवान

भोपाल (नप्र)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज आकाशवाणी के मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' के अंतर्गत मध्यप्रदेश में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान में हुए विशेष कार्य का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि इन्दौर में एक ही समय लाखों पौधों का रोपण किया गया है, जो अपने आप में अनूठा है।

अभियान के लिए विशेष प्रयास और प्रोत्साहन- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के विशेष प्रयास और प्रोत्साहन से मध्यप्रदेश में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान में निरंतर पौधे लगाए जा रहे हैं, जिसमें मंत्रीगण, सांसद, विधायक, सभी जनप्रतिनिधि सहित आम नागरिक भी पौध-रोपण कार्यक्रमों में शामिल हुए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के सभी जिलों में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान को सफल बनाने के निर्देश भी दिए हैं। उन्होंने अधिकारी-कर्मचारी, सामाजिक संस्थाओं और नागरिकों को भी इस अभियान में व्यापक भागीदारी का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री के आहवान पर सभी जिलों में पौध-रोपण जारी है। पौध-रोपण के साथ लोग अनके संरक्षण का संकल्प भी ले रहें हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि पिछले मन की बात कार्यक्रम के अंतर्गत 'एक पेड़ माँ के नाम' कार्यक्रम की चर्चा की थी। देश के अलग-अलग हिस्सों में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत अच्छे कार्य हुए हैं। स्वच्छता के लिए अपनी पहचान बनाने वाले इन्दौर शहर में एक शानदार कार्यक्रम हुआ जिसमें 'एक पेड़ माँ के नाम' कार्यक्रम के दौरान एक ही दिन में एक वक्त में लाखों पौधे लगाए गए। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने नागरिकों से आहवान किया कि अपनी माँ के नाम पेड़ लगाने के इस अभियान से प्रत्येक नागरिक जुड़ें। साथ ही पौधा लगाने की सेल्फी लेकर सोशल मीडिया पर अवश्य शेयर करें, जिससे अन्य लोग भी इससे प्रेरित होकर अभियान से जुड़ें। इस अभियान से जुड़कर नागरिकों को अपनी 'माँ' और 'धरती माँ' दोनों के लिए कुछ विशेष कर पाने का अहसास होगा। प्रदेश में अधिकारी-कर्मचारी, वरिष्ठ नागरिक और युवा भी 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान में बढ़-चढ़कर भागीदारी कर रहे हैं।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 38.5 °c
न्यूनतम 33°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ सोमवार,29 जुलाई 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

भारत की कोई भी समस्या लाइलाज नहीं : उपाध्याय

भोपाल। सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता और संविधान विशेषज्ञ अश्विनी उपाध्याय ने कहा कि भारत की समस्याएं विश्वव्यापी और लाइलाज नहीं हैं। इनका समाधान हो सकता है। इसके लिए कड़े कानूनों की आवश्यकता है। जमाखोरी, रिश्वतखोरी, घुसपैठ, अतिक्रमण जैसी समस्याएं केवल भारत में ही हैं।

उन्होंने चीन और दुबई का उदाहरण देते हुए कहा कि इन देशों में इस तरह की समस्याएं नहीं हैं, क्योंकि वहां के कानून कड़े हैं। भारत की समस्याएं अंग्रेजों के बनाए कानूनों से नहीं खत्म होगी। भारत में एक देश एक विधान जरूरी है। सबसे पहले हमें धर्म और पंथ के अंतर को समझना होगा। हमारे पढ़े-लिखे लोग भी यह नहीं जानते कि धर्म क्या है और पंथ क्या है। धर्म जोड़ता है और पंथ तोड़ता है। हिन्दू धर्म है और बाकी सब पंथ है।

अश्विनी उपाध्याय शनिवार को हिन्दुस्तान समाचार न्यूज एजेंसी और धर्म संस्कृति समिति द्वारा भू अतिक्रमण और समान नागरिक संहिता को लेकर राजधानी भोपाल में आयोजित एक दिवसीय परिसंवाद कार्यक्रम को बतौर मुख्य वक्ता संबोधित कर रहे थे।

कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद रघुनंदन शर्मा ने कहा कि जब अंत:वृक्ष से बात प्रस्फुटित होती है तो मैं अपने को रोक नहीं सकता। मैं कहना चाहता हूं कि वक्फ बोर्ड के अधिकार सीमित किए जाएं। विधानसभा में विधेयक लाकर इसे सीमित अधिकार वाला बनाना चाहिए। धर्म संस्कृति समिति द्वारा भू अतिक्रमण और समान नागरिक संहिता पर आयोजित परिसंवाद में मुख्य अतिथि विधायक भगवान दास सबनानी ने कहा कि 1 जुलाई को जब नए कानून की घोषणा हुई और इसे लागू किया गया तब इसको लेकर लोकसभा के अंदर जिस तरीके का वातावरण बनाने का प्रयास किया गया। 160 पुराना कानून जिसे दंड संहिता कहा जाता था लेकिन केवल शब्द से ज्यादा ऐसे कानून जिनकी आवश्यकता नहीं है, उसको समाप्त करने का काम केंद्र सरकार ने किया।

राज्य बाल संरक्षण आयोग की सदस्य डॉ. निवेदिता शर्मा ने कहा कि भारत सरकार द्वारा तीन नए कानून लागू किए हैं। तीनों पुराने कानून हैं, जिनका कुछ हिस्सा हटाया गया है और इनका नाम बदला गया है। इनमें कुछ नया जोड़ा भी गया है। उन्होंने 2012 में आए माता-पिता भरण पोषण कानून का जिक्र करते हुए कहा कि इसकी जरूरत क्यों पड़ी, यह सोचने की जरूरत है, लेकिन समाज कानूनों से नहीं, नैतिकता और संस्कारों से चलता है। कानूनों की शिक्षा देने की आवश्यकता है।

पूर्व मंत्री आरिफ अकील की तबियत नाजुक

हार्ट में प्रॉब्लम के चलते हॉस्पिटल में कराया गया एडमिट, वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा

भोपाल (नप्र)। एमपी कांग्रेस के सीनियर लीडर और पूर्व मंत्री आरिफ अकील की तबियत नाजुक है। 72 साल के अकील को हार्ट में परेशानी के चलते रविवार को भोपाल के अपोलो सेज हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया है। अकील के परिजनों ने बताया कि उनकी तबियत नाजुक है। डॉक्टरों ने उन्हें वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा है।

पिछले साल हुई थी हार्ट की सर्जरी- आरिफ अकील को पिछले साल हार्ट में दिक्कत हुई थी। पिछले साल की शुरुआत में ही उनकी तबियत बिगड़ी थी। डॉक्टरों की

जांच में उनके हार्ट में ब्लॉकेज पाए गए थे। गुरुग्राम के मेदांता हॉस्पिटल में उनके हार्ट की सर्जरी हुई थी। सर्जरी के बाद उन्होंने खुद चुनाव नहीं लड़ा। बेटे आतिफ को पार्टी ने भोपाल उत्तर से उम्मीदवार बनाया तो वे पूरे समय जीप और व्हीलचेयर से वोट मांगने निकले थे।

1990 में पहली बार विधायक चुने गए थे आरिफ- भोपाल उत्तर विधानसभा में पहली बार साल 1977 में चुने हुए थे, जब हामिद कुरैशी जनता पार्टी से विधायक चुने गए थे। इसके बाद साल 1980 में रसूल अहमद सिद्दीकी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आई) से विधायक बने। 1990 में आरिफ अकील पहली बार उत्तर विधानसभा से निर्दलीय विधायक चुने गए। साल 1993 में बीजेपी के रमेश शर्मा ने अकील को हरा दिया।

संक्षिप्त समाचार

श्रीलंका विमेंस ने 20 साल में पहला एशिया कप जीता

- भारत को 8 विकेट से फाइनल में हराया

दाम्बुला (एजेंसी)। श्रीलंका ने इतिहास रचते हुए विमेंस एशिया कप 2024 का खिताब जीत लिया है। टीम ने फाइनल में भारत को 8 विकेट से हरा दिया। श्रीलंका से कप्तान चमारी अटापट्टू ने 61 और हर्षिता समरविक्रमा ने 69 रन बनाए। दोनों ने 87 रन की पार्टनरशिप भी की थी। 2004 में शुरू हुए विमेंस एशिया में श्रीलंका पहली बार चैंपियन बना, टीम इससे पहले 5 बार रनर-अप रही थी। वहीं, भारत ने दूसरी बार ही विमेंस एशिया कप का फाइनल गंवाया।

कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने महामहिम को लिखी चिट्ठी

- पश्चिम बंगाल में हालात अराजक, राष्ट्रपति दें दखल

कोलकाता (एजेंसी)। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में

अराजक स्थिति है। चौधरी ने साथ ही राज्य में कानून व्यवस्था बहाल करने के लिए राष्ट्रपति मुर्मू से हस्तक्षेप करने की मांग की। पश्चिम बंगाल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौधरी ने इस साल के आम चुनावों के दौरान चुनाव संबंधी हिंसा और पार्टी कार्यकर्ताओं पर कथित हमलों का भी जिक्र किया। दो पन्नों के पत्र में चौधरी ने लिखा कि मैं पश्चिम बंगाल में सार्वजनिक जीवन में शिष्टाचार और कानून-व्यवस्था बहाल करने के लिए आपके हस्तक्षेप की मांग करता हूं।

अखिलेश ने माता प्रसाद पांडेय को बनाया नेता प्रतिपक्ष

लखनऊ (एजेंसी)। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने माता प्रसाद पांडेय को

नेता प्रतिपक्ष बनाया है। यूपी में विधानसभा सत्र शुरू होने के ठीक 19 घंटे पहले अखिलेश ने सबको चौंका दिया। अखिलेश ने पीडीए यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक के बाद अब ब्राह्मण कार्ड चला है। माता प्रसाद पांडेय 81 साल के हैं। वह विधानसभा में सीएम योगी एंड टीम का मुकाबला करेंगे। माता प्रसाद सिद्धार्थनगर की इटवा सीट से विधायक हैं। वह 7 बार विधायक रह चुके हैं। दो बार विधानसभा अध्यक्ष रहे हैं।

उज्जैन में शिप्रा उफान पर, निचले इलाके पानी में डूबे

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में रविवार सुबह से कई जिलों में कभी धीमी तो कभी तेज बारिश हो रही है। भोपाल में कोलार डैम का जलस्तर बढ़कर 458.70 मीटर हो गया है। इसे देखते हुए डैम के 8 में से 2 गेट 40-40 सेंटीमीटर खोले गए हैं। वहीं, बैतूल के सारणी स्थित सतपुड़ा बांध के 14 में से 7 गेट 4-4 फीट तक खोले गए हैं। राजगढ़ के मोहनपुरा डैम के भी 4 गेट खोलकर पानी छोड़ा जा रहा है।उज्जैन में लगातार बारिश की वजह से शिप्रा नदी उफान पर है। एटलस चौराहा, केडी गेट, बहादुर गंज जैसे इलाकों में मकान और सड़कें पानी में डूबे हैं।

मौसम विभाग ने इंदौर, जबलपुर समेत प्रदेश के 15 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है। सीनियर मौसम वैज्ञानिक वेद प्रकाश ने बताया कि 29-30 जुलाई को तेज बारिश का दौर थम जाएगा, लेकिन 31 जुलाई से फिर स्ट्रॉन्ग सिस्टम की एक्टिविटी शुरू होगी। एक्जीक्यूटिव इंजीनियर हर्षा जैनवाल ने बताया कि कोलार डैम के दो गेट 40-40 सेंटीमीटर खोले गए हैं।

एमपी में अब तक 16.5 इंच बारिश- प्रदेश में अब तक मानसून सीजन की 103 प्रतिशत बारिश हो चुकी है। 16 इंच के मुकाबले 16.5 इंच यानी 0.5 इंच ज्यादा पानी गिर चुका है। यह औसत बारिश से 3 प्रतिशत ज्यादा है। प्रदेश की छोटी नदियां उफान पर हैं, बड़ी नदियों

भोपाल कोलार के 2, सतपुड़ा डैम के 7 गेट खुले

और बांधों में लगातार पानी बढ़ रहा है।

31 जुलाई से बारिश का एक और सिस्टम- मौसम विभाग, भोपाल की सीनियर वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया, मानसून ट्रफ लाइन ग्वालियर से सीधी होकर जा रही है, जो आगे लो प्रेशर एरिया में मर्ज हो रही है। बंगाल के ऊपर एक लो प्रेशर भी एक्टिव है। आने वाले दिनों में यह आगे बढ़ेगा। मध्य भारत से जैसे ही यह गुजरेगा, मध्यप्रदेश में बारिश का दौर बनेगा।

एक अन्य ट्रफ लाइन भी है, जिसकी एक्टिविटी 31 जुलाई से देखने को मिल सकती है। स्ट्रॉन्ग सिस्टम की वजह से प्रदेश में फिर भारी बारिश होगी। 29-30 जुलाई को तेज बारिश का अलर्ट नहीं है।

जबलपुर संभाग में सबसे ज्यादा पानी गिरा- मध्यप्रदेश में अब तक सामान्य 16.5 इंच बारिश हो चुकी है, जो 3त्न अधिक है। पश्चिमी हिस्से- भोपाल, इंदौर, उज्जैन, नर्मदापुरम, ग्वालियर-चंबल संभाग में एवरेज से 6 प्रतिशत ज्यादा पानी गिर चुका है, जबकि पूर्वी हिस्से- रीवा, सागर, जबलपुर और शहडोल संभाग में 1त्न कम बारिश हुई है।हालांकि, जबलपुर संभाग के जिले- सिवनी, डिंडौरी, छिंदवाड़ा, मंडला और बालाघाट में सबसे ज्यादा बारिश हुई है। बारिश के मामले में भोपाल संभाग भी आगे है

राजगढ़ में मोहनपुरा डैम के 4 गेट खुले- राजगढ़ जिले में लगातार बारिश की वजह से मोहनपुरा डैम का जल स्तर बढ़ गया। ऐसे में डैम के 4 गेट खोलकर पानी निकाला जा रहा है।

रविवार सुबह से जिले के राजगढ़, खिलचीपुर, जीरापुर, ब्यावरा, छापीहेड़ा, नरसिंहगढ, पचोर और सारंगपुर सहित आसपास के इलाकों में कहीं रिमझिम तो कहीं तेज बारिश हुई।

10 लाख रुपए रिश्वत लेते पकड़ाया पीडब्ल्यूडी का इंजीनियर; ठेकेदार से मांगे थे 20 लाख रुपए

नर्मदापुरम (नप्र)। नर्मदापुरम में लोक निर्माण विभाग के अधीक्षण यंत्री आरसी तिरोले को लोकायुक्त ने 10 लाख रुपए की रिश्वत लेते पकड़ा है। बैतूल जिले के मुलताई और भैंसदेही में 8 सड़कों के निर्माण के लिए इंजीनियर तिरोले ने 20 लाख रुपए की रिश्वत मांगी थी। ठेकेदार ने इसकी शिकायत पुलिस अधीक्षक लोकायुक्त कार्यालय भोपाल में की। इंजीनियर को ट्रैप करने का प्लान बनाया गया। रविवार को पैसे देने की बात तय हुई। ठेकेदार के 10 लाख रुपए देते ही लोकायुक्त डीएसपी अनिल बाजपेई ने टीम के साथ इंजीनियर तिरोले के बंगले पर छापा डाल दिया। उन्हें रंगे हाथ पकड़ा गया है।

भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की दिल्ली में बैठक हुई

गरीबों को राज्य-केंद्र की योजनाओं का फायदा मिले : पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली भाजपा हेडक्वार्टर में रविवार (28 जुलाई) को लगातार दूसरे दिन पार्टी शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों और उप-मुख्यमंत्रियों की बैठक हुई। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा और संगठन के प्रमुख नेता मौजूद रहे।

मीटिंग में बीजेपी शासित राज्यों के सीएम ने अपने राज्यों में चल रहे डेवलपमेंट प्रोजेक्ट पर प्रेजेंटेशन दीं। पीएम मोदी ने सभी नेताओं के साथ सरकार के मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। मोदी ने सभी मुख्यमंत्रियों को उनके राज्यों में चल रही योजनाओं के पूरा करने और समाज के सभी वर्गों जिनमें विशेषकर गरीबों को योजनाओं के लाभ मिलने पर जोर दिया।

बैठक में सीएम योगी आदित्यनाथ, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक (उत्तर प्रदेश), मोहन यादव (मध्य प्रदेश), भजनलाल शर्मा (राजस्थान), विष्णु देव साय (छत्तीसगढ़), नायब सिंह सैनी (हरियाणा), भूपेंद्र पटेल (गुजरात), डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस (महाराष्ट्र), पुष्कर सिंह धामी (उत्तराखंड), हिमंता बिस्व सरमा (असम), पेमा खांडू (अरुणाचल प्रदेश), बिरेन सिंह (मणिपुर), मोहन चरण माझी (ओडिशा), माणिक साहा (त्रिपुरा) मौजूद रहे।

किसानों को ट्रेन से उतारा, रेलवे स्टेशन पर हंगामा

नर्मदापुरम में 70 मिनट खड़ी रही जीटी एक्सप्रेस; पुलिस ने की सर्चिंग

नर्मदापुरम (नप्र)। नर्मदापुरम रेलवे स्टेशन पर पुलिस ने दिल्ली जा रहे किसानों को ट्रेन से उतार दिया। सभी जीटी एक्सप्रेस से जा रहे थे। किसानों ने रोके जाने का विरोध किया। हंगामा भी किया। पुलिस ने किसानों को हिरासत में ले लिया है। तीन बसों से 65 से ज्यादा किसानों को रेलवे स्टेशन से कहीं ले जाया गया है। ऐसी सूचना थी कि जीटी एक्सप्रेस ट्रेन में किसान संगठन के कुछ पदाधिकारी छिपे हुए हैं, इस वजह से ट्रेन को 70 मिनट तक रोकर सर्च किया गया। सिटी मैजिस्ट्रेट असमराम चिरामन के मुताबिक, यात्रियों को ट्रेन से उतारकर श्रीकुंज गार्डन में ठहराना का मैसेज मिला था। बाकी जानकारी नहीं है।

दिल्ली से मिला था इनपुट- नेशनल साउथ इंडियन रिवर इंटरलिंकिंग एसोसिएशन तमिलनाडु के अध्यक्ष अय्याकन्नू अपने 114 कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के साथ दिल्ली जा रहे थे। दल में 15 महिलाएं भी हैं। तमिलनाडु को कावेरी नदी का पानी दिए जाने की मांग को लेकर किसान नेता दिल्ली में आंदोलन कर सकते हैं, ऐसा इनपुट मिलने पर दिल्ली पुलिस चेन्नई से इनका पीछा कर रही थी। रविवार को नर्मदापुरम में दिल्ली से मिले इनपुट के आधार पर सभी को उतारा गया। किसान नेता और कार्यकर्ता 27 जुलाई को 12615 जीटी एक्सप्रेस से दिल्ली के लिए रवाना हुए थे।

हम थाने जाकर शिकायत दर्ज कराना चाहते हैं- ट्रेन से उतारने को लेकर किसान नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पुलिस की इस कार्रवाई का विरोध किया। अध्यक्ष अय्याकन्नू ने कहा कि पुलिस लॉ एंड ऑर्डर का हवाला दे रही है, लेकिन पुलिस ये तो बताए कि हमारे लोगों ने किया क्या है? पुलिस हिरासत में लेना चाहती है, जबकि एसोसिएशन के सदस्य थाने जाकर अपनी शिकायत दर्ज कराना चाहते हैं।

मोदी सरकार में पहली बार 10 राज्य और 1 केंद्र शासित प्रदेश के राज्यपाल और प्रशासक बदले

हरिभाऊ बागड़े राजस्थान, रामेन डेका छत्तीसगढ़, संतोष गंगवार को झारखंड का जिम्मा; ओम माथुर सिक्किम गवर्नर

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोदी 3.0 में पहली बार 10 राज्य और 1 केंद्र शासित प्रदेश के राज्यपाल और प्रशासक बदले गए हैं। राष्ट्रपति भवन ने शनिवार देर रात 6 नए राज्यपाल और 3 के ट्रांसफर का आदेश जारी किया। भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ओम प्रकाश माथुर को सिक्किम का गवर्नर बनाया गया है। असम के गवर्नर गुलाब चंद कटारिया पंजाब के राज्यपाल के अलावा चंडीगढ़ के प्रशासक का जिम्मा संभालेंगे। महाराष्ट्र विधानसभा के स्पीकर रहे हरिभाऊ बागड़े राजस्थान, पूर्व केंद्रीय मंत्री और 8 बार के सांसद रहे संतोष गंगवार झारखंड, असम से पूर्व सांसद रमन डेका छत्तीसगढ़ के गवर्नर बनाए गए हैं। कलराज मिश्र (राजस्थान), बिस्वभूषण हरिचंदन (छत्तीसगढ़), रमेश बैस (महाराष्ट्र), बनवारीलाल पुरोहित (पंजाब-चंडीगढ़), अनुसुइया उइके (मणिपुर) और फागू चौहान (मेघालय) को हटाया गया है।

तीन राज्यपाल- सीपी राधाकृष्णन (झारखंड से महाराष्ट्र), गुलाब चंद कटारिया (असम से पंजाब-चंडीगढ़), लक्ष्मण आचार्य (सिक्किम से असम,मणिपुर) को दूसरे राज्य भेजकर रिपीट किया गया है।

दिल्ली की आईएएस कोचिंग में 3 स्टूडेंट की मौत

पावर कट से बेसमेंट में लाइब्रेरी का बायोमेट्रिक गेट जाम; 3 मिनट में 12 फीट पानी भरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में शनिवार शाम को हुई बारिश के चलते ओल्ड राजेंद्र नगर के राउ आईएएस कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भर गया। जलभराव के कारण 3 स्टूडेंट की डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि शाम 7 बजे सूचना मिलने के बाद एनडीआरएफ को बुलाया गया। देर रात को 3 स्टूडेंट के शव और 14 छात्रों को सुरक्षित निकाला गया।

शनिवार रात को बिल्डिंग में पावर कट के कारण बेसमेंट में बनी लाइब्रेरी का बायोमेट्रिक गेट जाम हो गया। स्टूडेंट अंधेरे में लाइब्रेरी के अंदर फंस गए। गेट बंद होने के कारण पानी शुरुआत में बेसमेंट में नहीं घुसा था, लेकिन कुछ मिनट बाद ही पानी का प्रेशर तेज हुआ और गेट टूट गया। गेट टूटने के बाद पानी तेजी से बेसमेंट में भरने लगा।

देर रात से स्टूडेंट प्रदर्शन कर रहे

हादसे के बाद स्टूडेंट ने एमसीडी के खिलाफ प्रदर्शन किया। सुबह एक प्रदर्शनकारी छात्र ने दावा किया कि 8-10 लोगों की जानें गई हैं।

खराब शहरी नियोजन की कीमत चुका रहे लोग:, राहुल गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर स्थित एक कोचिंग संस्थान में हादसे को लेकर लोकसभा में विपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कोचिंग संस्थान के बेसमेंट में जलभराव में मृत तीन विद्यार्थियों की मौत पर शोक जताया। राहुल ने कहा कि लोग असुरक्षित निर्माण, खराब शहरी नियोजन (टाउन प्लानिंग) और संस्थानों की गैर जिम्मेदारी की कीमत चुका रहे हैं।

विश्व हेपेटाइटिस दिवस पर जागरूकता शिविर

हेपेटाइटिस बीमारी की जागरूकता है, बचाव का पहला कदम

भोपाल (नप्र)। विश्व हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर एक जागरुकता कार्यक्रम रविवार को आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में राज्य मंत्री लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग मध्यप्रदेश शासन नरेंद्र शिवाजी पटेल एवं विधायक भगवान दास सबनानी मौजूद रहे। इस दौरान शहर के प्रतिष्ठित गेस्ट्रोएन्ट्रोलॉजिस्ट डॉ. सी सी चौबल एवं गैस्ट्रोसर्जन डॉ. अजीत सेवकानी द्वारा हेपेटाइटिस एवं लीवर की अन्य बीमारियों के बारे में जानकारी दी गई।

इसलिए मनाया जाता है यह दिवस

यह दिवस हेपेटाईटिस बी वायरस की खोज करने वाले डॉ. बरूच ब्लुमबर्ग की जन्मतिथि पर मनाया जाता है। इस वर्ष यह दिवस ईस्ट्स टाइम फॉर एक्शन की थीम पर मनाया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. प्रभाकर तिवारी ने बताया कि केन्द्र सरकार ने 2018 में राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल कार्यक्रम प्रारंभ किया गया है। जिसका उददेश्य 2030 तक हेपेटाईटिस सी का उन्मूलन करना है।कार्यक्रम के तहत हेपेटाईटिस बी और सी से संक्रमित लोगों की स्वास्थ्य जटिलताओं और मृत्यु दर को कम करना है। इस अवसर पर लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा

राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने कहा कि हेपेटाइटिस से बचाव इसका सबसे बेहतर इलाज है। हेपेटाइटिस बी से बचाव के लिए शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में टीकाकरण निःशुल्क किया जाता है। शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में हेपेटाइटिस की जांच एवं उपचार निशुल्क उपलब्ध करवाया जा रहा है। हेपेटाइटिस बी संक्रमित मां से, गर्भस्थ शिशु में संक्रमण पहुंचने की संभावना भी होती है। इसीलिए गर्भवती महिलाओं में हेपेटाइटिस बी की जांच अनिवार्य रूप से की जा रही है,मां के संक्रमित होने पर बच्चे को एच. बी. इम्युनोग्लोबिन लगाई जाती है। स्वास्थ्य संस्थाओं में ट्रिपल टेस्टिंग शुरू की गई है,जिसमें एच.आई.वी., हेपेटाईटिस बी और सिफलिस संक्रमण की जांच की जाती है । वहीं विधायक भगवान दास सबनानी ने कहा कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा जांच, परामर्श एवं उपचार की सेवाएं निःशुल्क उपलब्ध करवाई जा रही है। लोगों को अपने स्वास्थ्य के लिए जागरूक होना जरूरी है। बीमारी के लक्षणों को पहचान कर और जल्द से जल्द उपचार लेकर हम कई गंभीर स्थितियों से बच सकते हैं।

मंत्री से ठगी की कोशिश करने वाला 'डायल-100' का ड्राइवर निकला

- पुलिस से बोला- गंभीर बीमारियों से ग्रस्त हूं, रकम मिलती तो इलाज कराता

भोपाल (नप्र)। कैबिनेट मंत्री रामनिवास रावत से एक शख्स 5 लाख रुपए की डिमांड कर दी। उसने खुद को भाजपा का राष्ट्रीय संगठन महामंत्री डी. संतोष का पीएस बताया। कहा- विजयपुर विधानसभा उपचुनाव में आपके लिए काम करने वाले लोगों की व्यवस्था करना है। फ्रॉड का शक होने पर रावत ने 19 जुलाई को भोपाल पुलिस कमिश्नर हरिनारायणचारी मिश्र से शिकायत की कर दी। क्राइम ब्रांच पुलिस ने आरोपी राजेंद्र वर्मा (60) पिता श्याम लाल वर्मा को उत्तरप्रदेश के जालौन से गिरफ्तार किया। वह उत्तर प्रदेश पुलिस के डायल 100 वाहन का चालक रहा है। आरोपी को शनिवार को ही थाने से जमानत पर छोड़ दिया गया। उसने स्वयं को कई बीमारियों से ग्रस्त बताया। वह साथ में इलाज के पर्चे और जांच रिपोर्ट लेकर क्राइम ब्रांच पहुंचा था। पुलिस की पूछताछ में उसने बताया कि बीमारियों के इलाज में रकम की जरूरत रहती है। उसे लगा था कि बीजेपी में रामनिवास रावत नए हैं। उन्हें आसानी से ठगा जा सकता है। उन्हें बीजेपी की कार्यप्रणाली की अधिक जानकारी नहीं होगी। ठगी लिए आरोपी ने ग्वालिर के एक एड्रेस पर रजिस्टर्ड सिम का इस्तेमाल किया था।

उत्तर प्रदेश डायल 100 सेवा में ड्राइवर रहा है आरोपी: आरोपी राजेंद्र वर्मा उत्तर प्रदेश की डायल 100 वाहन का चालक रहा है। लंबे समय तक उसने पुलिस के वाहन को चलाया है। सेहत कारणों के चलते उसे यह जॉब छोड़नी पड़ी थी। आर्थिक तंगी के चलते उसने ठगी की प्लानिंग की।

कॉल पर कहा- राजेंद्र की मदद करते रहना: आरोपी ने मंत्री को कॉल पर स्वयं को पीएस बताते हुए कहा कि राजेंद्र वर्मा हमारा खास आदमी है। फिलहाल परेशानी में है, उसकी मदद करते रहना। वह आपसे आकर मिलेगा। इसके बाद आरोपी अलग-अलग बहानों से मंत्री को कॉल कर रकम मांगता रहा।

मांडू में दिखा मानसून का अद्भुत सौंदर्य

जमीं पर उतरे बादल... जन्नत से नजारे देख मंत्र मुग्ध सैलानी

मांडू। मानसून की सक्रियता से इन दिनों मांडू में प्रकृति ने अपना अद्भुत सौंदर्य बिखेर दिया है। यहां जमीन पर उतरे बादलों को देख सैलानी अभिभूत है। सैलानियों का कहना है कि वह मांडू नहीं, जन्नत की सैर कर रहे हैं। यहां के ऐतिहासिक महलों के साथ अद्भुत प्राकृतिक सौंदर्य, ऊंचे पहाड़ों व गहरी खाइयों से उठती धुंध और बहते झरने पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर रहे हैं। रविवार को हजारों सैलानियों ने मांडू का भ्रमण किया।

मांडू और मानसून का गहरा नाता

दरअसल मांडू और मानसून का आपस में गहरा नाता है। वर्षा की बूंदें जैसे ही मांडू से टकराती है। यहां पर्यटकों का आना शुरू हो जाता है। शनिवार को यहां मौसम का मिजाज देख पहले से ही हजारों सैलानी मौजूद थे। रविवार सुबह से लेकर शाम तक सैलानियों का आना-जाना लगा रहा।

खंडवा में एसएच निर्माण कंपनी के कैंप में चले लट्ठ

- वेतन मांगने पर ड्राइवर को पीटा, 5 वर्कर पर केस; तहसीलदार ने जमानत दी

खंडवा (नप्र)। खंडवा में नेशनल हाईवे का निर्माण कर रही केसीसी कंपनी के कैंप में मारपीट का मामला सामने आया है। दो दिन पहले हुई घटना वीडियो सामने आया है। दो युवकों पर कंपनी के वर्कर लट्ठ बरसाते नजर आ रहे है। दोनों युवक घायल अवस्था में जिला अस्पताल में भर्ती है। एक कंपनी में ड्राइवर का काम करता है, दूसरा उसी का साथी है। बताते है कि ड्राइवर अपने वेतन को लेकर कंपनी के ऑफिस पहुंचा था। किसी बात को लेकर उपजे विवाद के बीच लट्ठ चलने लग गए। मामले में राजू पिता राधेश्याम सूर्यवंशी निवासी ग्राम रोशनहार ने देशगांव पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने केसीसी कंपनी के कर्मचारी अमित जाट, दीपक जाट, हरीश, दीपक और नसीम खान को आरोपी बनाया। वीडियो में कर्मचारियों की गुंडागर्दी देखकर पुलिस ने आरोपियों को जेल भेजने के लिए धारा 157 लगाई। उन्हें छैगांवमाखन तहसीलदार की कोर्ट में पेश किया। पुलिस को उम्मीद थी कि आरोपियों का जेल वारंट मिलेगा। लेकिन तहसीलदार ने आरोपियों को जमानत दे दी। इधर, वीडियों में कर्मचारी दो युवकों को बेरहमी से पीट रहे हैं। फरियादी युवक कंपनी में ड्राइवर है, जो अपने साथ के ड्राइवरों को लेकर कैंप में कंपनी के कार्यालय पर वेतन मांगने गए थे। यहां कर्मचारियों ने उन्हें कहा कि कंपनी के बैंक खाते में रुपए आते ही उन्हें पेमेंट कर दिया जाएगा। इस पर ड्राइवरों ने कहा कि उन्हें कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों से बात करना है। इस बात पर से कर्मचारियों ने दोनों को घसीटा और लट्ठ बरसाए।

भोपाल में ट्रक लूटने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

अय्याशी के लिए पार्ट्स बेचकर पैसा जुटाना चाहते थे आरोपी

भोपाल (नप्र)। सूखी सेवनिया थाना पुलिस ने ट्रक लूट के मामले के तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। उनकी गिरफ्तारी पर दस हजार का इनाम घोषित था। बदमाशों ने 24 जुलाई को फिल्मी स्टाइल में ट्रक के आगे बाइक लगाकर उसे रोका। इसके बाद चालक के साथ मारपीट की और उसे ट्रक से नीचे उतार दिया। बाद में आरोपी जान से मारने की धमकी दी। फरियादी चालक का मोबाइल फोन छीना और ट्रक लेकर फरार हो गए। घटना की शिकायत मिलने पर पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की थी। मुखबिर की सूचना पर तीनों आरोपियों को झागरिया घांटी से गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि अय्याशी के लिए ट्रक के पार्ट्स बेचकर रकम जुटाने की प्लानिंग थी। इस पैसे से तीनों गोवा घूमनपा चाहते थे। पुलिस थाना के मुताबिक फरियादी बलवंत सिंह 24 जुलाई की शाम करीब 7.30 बजे बंगरसिया स्थित कंपनी से एक ट्रक लेकर पीथमपुर जिला धार के लिए रवाना हुए थे। बाइपास कान्हासैया के पास मोटरसाइकिल पर सवार दो व्यक्तियों ने उनका ट्रक रोकने का प्रयास किया। इसके बाद एक और व्यक्ति ने मोटरसाइकिल से आगे आकर ट्रक के सामने मोटरसाइकिल खड़ी कर दी, जिससे बलवंत सिंह ने ट्रक रोक दिया।

ट्रक की चाबी छीनी और लेकर फरार हो गए

तीनों व्यक्तियों ने ट्रक का दरवाजा खोलकर बलवंत सिंह को मारपीट कर नीचे उतार लिया और उनका मोबाइल फोन छीन लिया। इसके बाद, एक व्यक्ति ने ट्रक की चाबी छीनी और वह ट्रक लेकर फरार हो गया। ट्रक की कीमत 13.23 लाख रुपये और मोबाइल की कीमत 10 हजार रुपये है।

एसपी ने किया था इनाम घोषित

एसपी प्रमोद कुमार सिन्हा ने आरोपियों की गिरफ्तारी पर 10 हजार रुपए का इनाम घोषित कर कार्रवाई के निर्देश दिए। इकसे बाद टीम गठित की गई जिसमें साइबर क्राइम भोपाल देहात और थाना सूखीसेवनिया शामिल थी। टीम ने घटना के रूट पर लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले। इसी के साथ मुखबिर तंत्र को भी सक्रिय किया था।

झाड़ियों के बीच खड़ा था ट्रक

25 जुलाई को टीम को सूचना मिली कि एक बिना नंबर का ट्रक झागरिया और बाबड़िया खुर्द के बीच खड़ा है। सूचना मिलने के बाद टीम मौके पर पहुंची और ट्रक को जप्त कर लिया गया। ठीक दो दिन बाद 27 जुलाई को सूचना मिली कि दो मोटरसाइकिल पर तीन व्यक्ति झागरिया घाटी के पास टायर और ड्रम बेचने की फिराक में खड़े हैं। घेराबंदी कर तीनों आरोपियों को पकड़ा। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने अपना नाम मोहम्मद रफीक उर्फ बबलू उर्फ रफीक काला (50), गोलू उर्फ मनोज उर्फ दौलतराम यादव (38) और देवकरण गुर्जर (31) बताया। इन तीनों आरोपियों पर पूर्व में भी कई अपराध दर्ज हैं। आरोपियों से पूछताछ के बाद लूट की घटना का खुलासा हुआ और उनकी निशानदेही पर लूटे गए ट्रक से निकाले गए दो टायर और ड्रम को जप्त कर लिया गया।

ईओडब्ल्यू ने की एफआईआर

बिल्डर ने नहीं चुकाया लोन गारंटर की प्रॉपर्टी नीलाम

भोपाल (नप्र)। ईओडब्ल्यू ने एक मार्क कंस्ट्रक्शन एंड कंसल्टेंसी के प्रोपराइटर और पंजाब नेशनल बैंक के तत्कालीन सीनियर मैनेजर एवं ब्रांच मैनेजर के खिलाफ षड्यंत्र पूर्वक कूटरचित दस्तावेज तैयार कर धोखाधड़ी करने समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। ईओडब्ल्यू के मुताबिक किशन बिसारिया मार्क कंस्ट्रक्शन एंड कंसल्टेंसी के प्रोपराइटर हैं। उन्होंने सुरेंद्र तिवारी और वंदना तिवारी के साथ पार्टनरशिप में कोलार रोड के बंजारी स्थित सूर्या कॉलोनी में मल्टी बनाने के प्रोजेक्ट के लिए पंजाब नेशनल बैंक की मलिक मार्केट ब्रांच में 23 जुलाई 2013 को 2 करोड़ के केश क्रेडिट लिमिट के लिए आवेदन किया था। बिल्डिंग मटेरियल को बंधक रखकर सूर्या कॉलोनी में मल्टी निर्माण के लिए 2 करोड़ रुपए केश क्रेडिट लिमिट स्वीकृत की गई थी। जिसमें सुरेंद्र व वंदना का सूर्या कॉलोनी का 6465 वर्गफीट का प्लॉट और कृष्ण कुमार ठाकुर और रंजना ठाकुर का एमपी नगर जोन-2 स्थित संयुक्त प्रॉपर्टी को बतौर गारंटर बंधक बनाया गया था। बाद में किशन ने पीएनबी के अफसरों एवं कर्मचारियों से सांठगांठ करके क्रेडिट लिमिट को अगस्त 2015 में वर्किंग कैपिटल टर्म लोन में कन्वर्ट करा लिया। टर्म लोन स्वीकृत करने का अनुमोदन सीनियर मैनेजर एससी अग्रवाल द्वारा किया गया था। लोन की स्वीकृति मुख्य प्रबंधक राकेश शर्मा ने किया। जिस प्रोजेक्ट लिए लोन मंजूर किया गया था, बैंक के अफसरों द्वारा उस प्रॉपर्टी का सत्यापन भी नहीं किया था। जब ऑडिटर ने सत्यापन किया तो वहां बिल्डिंग मटेरियल शून्य था। बिल्डर ने बैंक की राशि हड़प ली। बैंक ने कृष्णकुमार ठाकुर और रंजना ठाकुर की करोड़ों रुपए कीमत की प्रॉपर्टी सीज कर उसे नीलाम कर दी। बैंक मैनेजर की शिकायत पर जांच के बाद ईओडब्ल्यू ने बिल्डर किशन बिसारिया, सुरेंद्र तिवारी, वंदना तिवारी, एससी अग्रवाल, राकेश शर्मा एवं अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

फ्लाइट शुरू करने की उम्मीद

बेंगलुरु के लिए सुबह 2 फ्लाइट होंगी, जम्मू के लिए भी मिलने की उम्मीद

भोपाल (नप्र)। अब सुबह के समय भोपाल से बेंगलुरु के लिए दो फ्लाइट हो जाएंगी। इस तरह सुबह व रात मिलाकर बेंगलुरु के लिए फ्लाइट की संख्या तीन हो जाएगी। वहीं, विंटर सीजन के दौरान भोपाल से जम्मू व अयोध्या के लिए भी फ्लाइट शुरू होने की उम्मीद है। बजट एयरलाइंस के रूप में जानी जाने

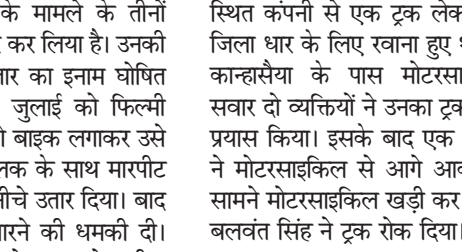

वाली एअर इंडिया एक्सप्रेस ने राजा भोज एयरपोर्ट प्रबंधन से मॉर्निंग बेंगलुरु फ्लाइट के लिए स्लॉट मांगा है, जिसे एप्रूवल दे दिया गया है।बजट एयरलाइंस इंडिगो को जम्मू, अयोध्या के लिए फ्लाइट शुरू करने की डिमांड यात्रियों से मिल रही है। कंपनी द्वारा विंटर सीजन में जम्मू की फ्लाइट शुरू करने की उम्मीद है।

एअर इंडिया एक्सप्रेस ने बेंगलुरु के लिए अगस्त से स्लॉट मांगा, जो दे दिया गया है। कंपनी फ्लाइट कब शुरू करेगी, यह उसे तय कर तारीख की घोषणा करना बचा है।

-रामजी अवस्थी, डायरेक्टर, राजा भोज एयरपोर्ट

चोर ने किया मैसेज- 20 दिन में सब लौटा दूंगा

भोपाल में अमेरिका गए अफसर के घर चोरी; आरोपी घर की बुजुर्ग को अस्पलात भी ले गया

भोपाल (नप्र)। भोपाल में एक सरकारी अधिकारी के घर उनके ही ड्राइवर ने चोरी कर ली। फिर उसे मैसेज भेजा कि मैंने आपके घर में चोरी की है। परेशान मत होना, 20 दिन बाद मैं सब कुछ लौटा दूंगा। आरोपी नकदी रुपए और कीमती सामान लेकर फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। चोरी के ये वारदात शनिवार रात को शाहपुरा क्षेत्र के बंगला नंबर बी-165 की है। यहां पब्लिक वर्क डिपार्टमेंट के सब डिवीजन ऑफिसर (एसडीओ) कपिल त्यागी रहते हैं। वे पत्नी के साथ बेटी के यहां अमेरिका गए हुए हैं। उनका कॉन्ट्रेक्टर बेटा चिरायु त्यागी इंदौर गया हुआ है। घर में अधिकारी की बुजुर्ग मां अकेली थीं। ड्राइवर को उनकी देखरेख की जिम्मेदारी दी थी।

दो महीने पहले ही ड्राइवर को काम पर रखा: शाहपुरा थाना टीआई भूपेंद्र कौल ने बताया कि अधिकारी के बेटे चिरायु ने दो महीने पहले ही दीपक यादव (ड्राइवर) नाम के युवक को काम पर रखा है। दीपक शनिवार को चिरायु की दादी को फीजियोथैरेपी के लिए कार से लेकर गया। क्लिनिक पर उन्हें छोड़ने के बाद घर लौट आया। उसने पहले ही मौका पाकर दादी के बैग से घर की चाबी निकाल ली थी। घर का दूसरा नौकर इस समय किसी काम से घर से बाहर गया था। इसी का फायदा उठाकर

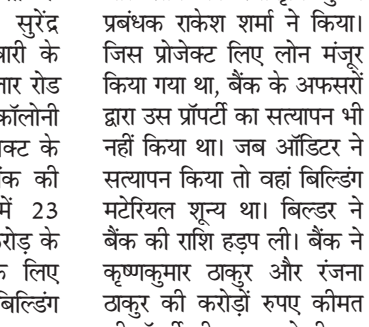

आरोपी ने पूरे घर की तलाशी ली और कैश समेत अन्य सामान चुरा लिए। चोरी करने के बाद फिर दादी को लेने गया। उन्हें घर छोड़ने के बाद फरार हो गया। एसडीओ कपिल त्यागी का ड्राइवर दीपक यादव। वह वीडियो रील बनाकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर डालता रहता है।

मैसेज में बोला- 50-60 हजार रुपए कैश लिए: वारदात के बाद आरोपी ने शनिवार की रात को चिरायु को वॉट्सऐप पर मैसेज किया। इसमें उसने लिखा कि मैंने घर से 50-60 हजार रुपए कैश निकाल लिए हैं। परेशान मत होना, 20 दिन बाद स्वयं यह रकम को लौटा दूंगा।

रात ढाई बजे मामला हुआ दर्ज

चिरायु ने कॉल पर दोस्त अमित थरानी को सूचना दी। अमित ने पुलिस को मामले की सूचना दी और चिरायु रात पौने दो बजे घर पहुंचे।

इंजन में फंसकर 60 किमी दूर पहुंचा मासूम का सिर

- खंडवा में ट्रेन से कटा 2 साल का बच्चा; ट्रैक पर मिला धड़ और हाथ-पैर

खंडवा (नप्र)। खंडवा में 2 साल के बच्चे की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। उसका सिर धड़ से अलग हो गया। धड़ घटना स्थल पर ही पड़ा मिला। जबकि सिर करीब 60 किलोमीटर दूर महाराष्ट्र में मिला। बच्चे का एक हाथ भी कट गया। हादसा खंडवा जिले के पंधाना के डोंगरगांव में शनिवार सुबह करीब

11 बजे हुआ। बच्चा खेलते-खेलते रेलवे ट्रैक पर आ गया था, तभी वहां से गुजर रही ट्रेन की चपेट में आ गया। उसका सिर इंजन में फंस गया, जिसे घटना के करीब 6 घंटे बाद पुलिस ने महाराष्ट्र के बाघोड़ा रेलवे स्टेशन के पास से बरामद किया। मृतक बच्चे का नाम राम बारेला पिता कालूराम बारेला है। जब काफी देर तक बच्चा दिखाई नहीं दिया तो परिजनों ने उसे तलाशा, तभी ट्रैक पर ही उसका धड़ नजर आया। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और बच्चे के सिर की तलाश शुरू की। बोरगांव चौकी पुलिस ने आरपीएफ की मदद लेकर रेलवे ट्रैक पर सिर की सर्चिंग कराई। शाम 5 बजे सिर मिला।

खेलते खेलते ट्रैक पर चला गया बच्चा: घटना के समय परिवार वाले खेत पर गए थे, मां घर के अंदर थी। दो साल का बालक रोज की तरह खेल रहा था। ट्रैक पर झाड़ियां हैं, इसलिए किसी को अंदाजा नहीं हुआ कि बच्चा वहां तक पहुंच जाएगा। मृतक बच्चे का घर डोंगरगांव में जिस जगह है, वहां 20 से 25 परिवार रहते हैं। सभी आदिवासी बारेला समाज से आते हैं। घर के सामने 25-30 फीट की दूरी पर रेलवे ट्रैक है। ट्रैक से सटकर 10 फीट का आम रास्ता है।

संपादकीय

यह सिस्टम द्वारा की गई हत्या है!

देश की राजधानी दिल्ली में जाने माने कोचिंग सेंटर राउ स्टडी सर्कल की इमारत के बेसमेंट में पानी भर जाने से तीन कोचिंग छात्रों की मौत केवल हादसा नहीं बल्कि यह लापरवाह सिस्टम द्वारा की गई हत्या है। इन बच्चों का दोष केवल इतना था कि वो बेसमेंट में बनी लाइब्रेरी में पढ़ाई कर रहे थे। उन्हें शायद पता नहीं था कि दिल्ली नगर निगम और कोचिंग सेंटर की लापरवाही उनके आईएएस बनने के सपने को यूं ही बीच में मौत की नींद सुला देगी। इस घटना के बाद नाराज छात्रों ने प्रदर्शन किया जबकि राजनीतिक दल इस संवेदनशील मुद्दे पर सिर्फ राजनीति कर रहे हैं। बीजेपी इस हादसे के लिए दिल्ली सरकार और नगर निगम को दोषी ठहरा रही है तो आम आदमी पार्टी भाजपा को जिम्मेदार बता रही है। क्योंकि अभी नगर निगम पर आप का कब्जा है तो पहले 15 सालों तक बीजेपी ही एमसीडी पर काबिज रही है। इस दुर्भाग्यपूर्ण और हिला देने वाली घटना ने कई सवाल खड़े किए हैं। अब तक मिली जानकारी के मुताबिक दिल्ली में शनिवार शाम को हुई बारिश के चलते ओल्ड राजेंद्र नगर के राउ आईएएस कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भरने से 3 स्टूडेंट की डूबने से मौत हो गई। ये तीनों छात्र अचानक घुसे पानी से बचकर नहीं निकल पाए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार अंदर घुसे पानी का बहाव इतना तेज था कि छात्रों को खुद को बचाना भी मुश्किल था। पुलिस ने बताया कि शाम 7 बजे सूचना मिलने के बाद एनडीआरफ को बुलाया गया। देर रात 3 स्टूडेंट के शव और 14 छात्रों को सुरक्षित निकाला गया। यह भी पता चला है कि शनिवार रात बिल्डिंग में पावर कट के कारण बेसमेंट में बनी लाइब्रेरी का बायोमेट्रिक गेट जाम हो गया। ऐसे में स्टूडेंट अंधेरे में लाइब्रेरी के अंदर फंस गए। गेट बंद होने के कारण पानी शुरुआत में बेसमेंट में नहीं घुसा था, लेकिन कुछ मिनट बाद ही पानी का प्रेशर तेज हुआ और गेट टूट गया। गेट टूटने के बाद पानी तेजी से बेसमेंट में भरने लगा। इस बीच पुलिस ने कोचिंग मालिक अभिषेक गुप्ता और कोऑर्डिनेटर देशपाल सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं, दिल्ली के एलजी वीके सक्सेना ने डिविजनल कमिश्नर से मंगलवार तक रिपोर्ट पेश करने के लिए कहा है। यहां बड़ा सवाल यह है कि बिल्डिंग के बेसमेंट में लायब्रेरी कैसे चल रही थी। अमूमन बेसमेंट पार्किंग के लिए बनाए जाते हैं। लेकिन इस बिल्डिंग में बेसमेंट में स्टोरेज की अनुमति थी। तो फिर वहां लायब्रेरी खोलने का क्या मतलब है? एमसीडी के मुताबिक यह लायब्रेरी अवैध है। यानी कि जिस कोचिंग में देश के भावी लोकसेवक तैयार हो रहे थे, वह खुद नियम कायदों की धज्जियां उड़ा रहा था। उधर मकान मालिक का कहना है कि वो लगातार कुछ दिनों से एमसीडी से ड्रेनेज सुधारने को कह रहा था, लेकिन कोई ध्यान नहीं दे रहा था। नतीजतन यह बड़ा हादसा हो गया। इस घटना के बाद जागी दिल्ली की मेयर शैली ओबेरॉय ने एमसीडी कमिश्नर को निर्देश दिया है कि उन सभी कोचिंग सेंटर के खिलाफ कार्रवाई की जाए, जो बेसमेंट में व्यावसायिक गतिविधियां चला रहे हैं। यह नियमों का उल्लंघन है। साथ ही इस त्रासदी के लिए एमसीडी के जिम्मेदार अधिकारियों की तत्काल जांच होनी चाहिए। इस मामले में भी जांच होगी, जांच रिपोर्ट भी आएगी। लेकिन ऐसे कोचिंग सेंटरों के खिलाफ कोई कठोर कार्रवाई होगी, इसकी संभावना कम ही है। जबकि इस मामले में सरकार को जिम्मेदारी तय कर दोषियो के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए तथा उनके खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज होना चाहिए।

नजरिया

रघु ठाकुर

लेखक लोहियावादी विचारक हैं।

शादियों पर दिखावा बंद हो

मुकेश अंबानी के बेटे अनंत और राधिका के लगभग 93वें दिन के विवाह पर्व का समापन हो गया और बकाया देश की तो मैं नहीं जानता, परंतु मेरे जैसे समाचार पत्रों के पाठकों को कुछ सुकून मिला। वरना तीन माह से कब मंगनी हुई, कब फलनी हुई, कहाँ इटली में प्रीवेडिंग हुई, क्रूज किराये पर लिये, कितने हवाई जहाज, कितने बम्बई के फिल्मी दुनिया के नचईये-गवईये शामिल हुए, कितने हजार करोड़ की शादी हुई, इन्हीं उबाई वाली खबरों से मीडिया भरा पड़ा था।

विवाह के खर्च के बारे में लोगों के अलग-अलग अनुमान हैं जो हजार करोड़ से लेकर 5-10 हजार करोड़ तक के खर्च बताते हैं। यह अनुमान स्वाभाविक है। क्योंकि इटली में पूरा क्रूज कई दिनों तक किराये पर लेना, विवाह के अंतिम दिन समारोह में आये मेहमानों को दो-दो करोड़ के गिफ्ट देना यह सामान्य घटना नहीं है और खर्चों के 5000 करोड़ के अनुमान को सही ठहराती है।

ऐसा लग रहा है कि जैसे अंबानी के थुलथुल बेटे की शादी कोई राष्ट्रीय पर्व बन गया हो और जिसका खर्च कहने को अंबानी कर रहे हों परंतु देश के आम नागरिक को इसमें अपना हिस्सा अदा करना पड़ रहा हो। विवाह के आयोजनों के दौर में अंबानी ने जियो फोन की दरों को बढ़ा दिया और एक प्रकार से देश के जियो के ग्राहकों के ऊपर विवाह टैक्स लगा दिया। स्वाभाविक है कि प्रधानमंत्री का दोस्त वही हो सकता है जो आपदा में अवसर खोज लेता हो। इस शादी से और उसकी चर्चा से देश में कई प्रकार की मनोविकृतियां पैदा हुई।

आम आदमी ऐसे भारी महंगी शादियों जिसमें तथाकथित वीवीआईपी या सेलिब्रिटिश् शामिल हों के प्रति लालायित आकर्षित होता है। और इसका परिणाम यह होगा कि ये और उनके बच्चे अपनी शादियों में इस दिखावे के लिये क्षमता से अधिक खर्च करेंगे। मुझे स्मरण है कि लगभग 35-36 वर्ष पहले, जब स्व. माधवराव सिंधिया की बेटी की शादी का आयोजन ग्वालियर में हुआ था तो हेलीकाप्टर से फूल बरसाये गये थे। मैं व मेरे उस समय के मित्र स्व. शरद यादव उस शादी के कुछ दिनों के बाद ग्वालियर की यात्रा पर थे तथा हमारे समाजवादी साथी स्व. विष्णुदत्त तिवारी के मकान पर बैठे थे, तब एक गाँव का किसान मिलने के लिये आया था जो अंचल की पिछड़ी जाति गुर्जर समाज से था और उसने हम लोगों से पूछा कि 'हेलीकाप्टर का किराया कितना लगता है'। हम लोगों ने बताया कि बहुत पैसा लगता है और क्यों जानना चाहते हो तो उसने बताया कि मैं मेरी बेटी की शादी में हेलीकाप्टर से फूल बरसाना चाहता हूं।' हमने उससे पूछा कि इतना पैसा तुम कहां से लाओगे? तो उसने उत्तर दिया कि 10 एकड़ जमीन बेच दूंगा पर हेलीकाप्टर से फूल बरसाऊँगा। ऐसे खर्चीले व दिखावटी आयोजन का आमजन के मानस पर कितना विपरीत प्रभाव पड़ता है यह इस घटना से समझा जा सकता है। और उसके बाद पिछले वर्षों में अनेकों ऐसे समाचार मीडिया में आये हैं जहाँ गाँव के किसान और पिछड़ी जाति के लोगों ने फूल बरसाने या वर-वधु की विदाई के लिए हेलीकाप्टर किराये पर लिये।

अंबानी के इस वैभवपूर्ण विवाह ने जहां एक तरफ आमजन के मानस में भोगविलास, दिखावा, फिजूलखर्ची के कीटाणु पैदा कर दिल व दिमाग को विकृत किया है, उसके साथ ही बाजार के लिये नये द्वार भी खोल दिये हैं। इन सब दिखावों के ऊपर जो पैसा खर्च होगा अंततः वह बाजार में ही जायेगा। और इसलिये शायद मीडिया ने इन खबरों को आकर्षक बनाकर परोसा है क्योंकि मीडिया के मालिक भी वही उद्योगपति व व्यापारी हैं। मीडिया अगर एक सामान्य व्यक्ति अपने परिवार के विवाह में 5-10 लाख रुपये खर्च करता होगा तो अपवाद छोड़ दें तो वह अब अपनी क्षमता से बाहर जाकर भले ही उसे अचल संपत्ति बेचना पड़े, कर्ज लेना पड़े, पर वह 20-30 लाख रुपये खर्च करेगा। उसके बच्चे उसे बाध्य करेंगे। उदाहरण के लिये मान लीजिये एक वर्ष में देश में 1 करोड़ शादियां होती हों और उनमें से 50-60 लाख शादियां मध्यमवर्गीय परिवारों की हों तो देश के बाजार को आसानी से 5-10 लाख करोड़ का व्यापार मिल जायेगा। मनोविकृतियों को बिगाड़कर, भोग और जलसे और दिखावे की मानसिकता को तैयार कर, पैसा कमाने के कई प्रकार के प्रयोग पिछले वर्षों से मीडिया ने शुरू कराये हैं। विवाह की वर्षगांठ, विवाह के 25 साल, 50 साल और इन्हें एक बार फिर से नये विवाह के समान बारात और जुलूस से लेकर सभी नाटकीय पुनरावृत्ति शुरू कराई गई। जिन पर 10-20 लाख का खर्च तो मामूली तौर पर होता है। याने अब ऐसा समय आयेगा जिसमें जितनी शादीयां होंगी उनसे ज्यादा शादीयों की वर्षगांठ होगी। जन्म दिवस के उत्सव, मुंडन का उत्सव और न जाने कितने प्रकार के उत्सव शुरू करा दिये गये जिनमें दिखावे व प्रचार ने मध्यमवर्ग को उलझा दिया। इस उत्सवधर्मिता ने एक और लाभ व्यापार जगत को पहुंचाया है वह यह है कि मध्यमवर्गीय व उच्च मध्यमवर्गीय वर्ग अपने सारे, सामाजिक सरोकारों को भूल जाता है व केवल इन समारोहों के विजर्सन, उनमें शिरकत करने में फँसा रहता है।

अगर उसके जीवन के कालखण्ड का सामान्य अध्ययन किया जाये तो साल के लगभग 100 दिन, समाज के उच्च व मध्यम वर्ग के लोग विवाह, विवाह की वर्षगांठ, जन्मदिन, कथा और भण्डारे, तीर्थदर्शन आदि पर खर्च करता है और बकाया समय अपने पारिवारिक दायित्व की पूर्ति के लिए ड्यूटी पर जाता है। याने वह आम समाज से शारारिक और मानसिक रूप से कट जाता है तथा अपने समाज या देश के बारे में सोचने-विचारने, उसमें सहभागिता करने का न समय उसके पास होता है और न ही उसका मन होता है।

अंबानी के इस विवाह का निमंत्रण उन्होंने राज्यों के मुख्यमंत्रियों, मंत्रियों, केंद्र सरकार के प्रधानमंत्री मंत्रियों और विरोधी दलों के नेताओं को भी दिया था, जिनकी देर सवेर सत्ता में आने की संभावनायें हैं या जिनके उनके साथ राजनीति व व्यापारिक रिश्ते हैं जो संसद या विधानसभा के माध्यम से उन्हें लाभ या हानि पहुँचा सकते हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी तो उनके समारोह में न केवल सम्मिलित हुये बल्कि मीडिया के अनुसार 2 घंटे 40 मिनिट वहाँ रहे। मैं मान सकता हूं कि चूंकि दोनों गुजरात के हैं और प्रधानमंत्री की राजनीति व धीरूभाई अंबानी के परिवार में गहरा रिश्ता होगा, परंतु एक देश का प्रधानमंत्री एक उद्योगपति के विवाह पर्व में पौने 3 घंटे रहे क्या यह देश के प्रशासन तंत्र को खुला संदेश नहीं है? और सत्ता प्रतिष्ठान व उद्योग प्रतिष्ठान के गहरे रिश्तों का खुलासा नहीं करता। फिर प्रधानमंत्री जी की इस विवाह यात्रा का खर्च किसने उठाया? प्रधानमंत्री की यात्रा पर पर खर्च, विमान, सुरक्षा आदि मिलाकर करोड़ों में होता हैं। क्या प्रधानमंत्री ने यह खर्च निजी कोष से उठाया है? क्या यह खर्च अंबानी समूह ने उठाया है? या देश की गरीब जनता को भोग और जलसों के लिये, प्रेरित करने का खर्च भी सरकारी खजाने याने जनता ने उठाया है? अगर प्रधानमंत्री जी ने यह खर्च स्वतरू उठाया हो या अभी भी इसकी राशि जमा कर दें तो कम से कम यह उनकी नैतिकता होगी परंतु यह होगा नहीं।

मुकेश अंबानी ने कांग्रेस के संसदीय दल की नेता श्रीमती सोनिया गांधी को भी निमंत्रण दिया था और मीडिया के अनुसार वह 1 घंटे उनके साथ रहे। एक निमंत्रण के देने में 1 घंटे का समय कुछ आश्चर्यजनक भी है और कुछ राजनैतिक संदेश व संभावनायें भी पैदा करता है। गुजरात के एक राजनेता श्री देवेन्द्र यादव ने तो आरोप ही लगाया है कि अंबानी ने कांग्रेस के साथ कुछ डील कर ली है और उसी का एक हिस्सा है कि श्री राहुल गांधी ने (यद्यपि वे शादी में नहीं गये थे या पता नहीं उन्हें निमंत्रित किया गया था या नहीं) गुजरात में जाकर कहा कि अब गुजरात में सरकार कांग्रेस की आयेगी। उनकी यह असामयिक घोषणा कुछ चौंकाने वाली तो है। क्योंकि उद्योग जगत ईश्वर प्रदत्त दोनों हाथों से बाँटता है। एक से सत्ता के लिये और दूसरे से सत्ता के संभावितों के लिये। यद्यपि व्यक्तिक निमंत्रण पत्र इंडिया गठबंधन के बड़े हिस्सेदार सुश्री सुश्री ममता बनर्जी, श्री अखिलेश यादव, श्री शरद पवार, श्री उद्धव ठाकरे, तो इस विवाह में शामिल हुये ही, साथ ही श्री लालू प्रसाद जी तो संपूर्ण परिवार की फौज के साथ शामिल हुये। अगर इसे गणित से तौला जाये तो इंडिया गठबंधन का बहुमत विवाह समारोह में शामिल हुआ।

मेरी राय में ऐसी शादियों पर देश में रोक लगनी चाहिये जो अमीरी व विलासिता का नग्न प्रदर्शन करती है। श्री अंबानी के ऊपर इस विलासिता के खर्च के लिये विशेष टैक्स लगाया जाना चाहिये और वह दिन सुखद दिन होगा जब मीडिया स्वतः अपने लाभ व व्यापार का मोह छोड़कर ऐसी शादियों को प्रचारित करना बंद करेगा। वर्ना अभी तो देश में एक सुनियोजित अभियान चल रहा है कि हर व्यक्ति, हर युवा के मन में अंबानी पैदा कर दिया जाये। जो संपत्ति से भले ही अंबानी नहीं हो पर दिमागी तौर पर उस सभ्यता का पिछलग्गू होगा व विषमता के लिये अपना आदर्श मानेगा।

सामाजिक संगठनों को चाहिये कि ये शादियों की इन परंपराओं, दिखावों, फिजूलखर्ची और बेहतर हो कि रात्रि की शादियों पर रोक लगायें। आजकल एक प्रीवेडिंग नाम का चलन शुरू हुआ है। यह एक प्रकार से शादी पूर्व शादी या शादी के समान ही खर्चीली परंपरा शुरू की गई है। इस प्रीवेडिंग के नाम पर 50-50 लाख रुपये खर्च किये जा रहे हैं और मानसिक तौर पर पूंजीवाद के बीज डाले जा रहे हैं। मेरे एक मित्र ने बताया कि प्रीवेडिंग की उनकी बेटी की जिद के कारण उन्हें शादी के अनुमानित खर्च में लगभग दो गुना खर्च करना पड़ा और उन्होंने अपनी एक एकड़ जमीन बेचकर उसे चुकाया। यह दुखद है कि समाजवाद व लोहिया का नाम लेने वाले कुछ लोग भी ऐसी शादियों में शामिल होकर या उनकी नकल कर समाजवादी आंदोलन को एवं समता के सघर्ष को कमजोर कर रहे हैं। राजनीति मात्र सत्ता का खेल नहीं है बल्कि समाज के मानसिक बदलाव, राजनैतिक बदलाव व सांस्कृतिक क्रांति का भी माध्यम होती है। जो गांधी, लोहिया व समाजवाद को मानते हैं अगर वह इतना भी आत्म निर्णय कर लें कि न ऐसे किसी दिखावटी आयोजन को करेंगे न उसमें शामिल होंगे तो यह भी एक अच्छी शुरूआत हो सकती है।

यह वक्त बैकअप प्लान तैयार रखने का है

चेतनादित्य आलोक

वरिष्ठ पत्रकार, साहित्यकार एवं राजनीतिक विश्लेषक

कुछ वर्ष पहले तक भारत के तमाम कार्य-कलाप मैनुअल तरीके से यानी बिना इंटरनेट की सहायता के किए जाते थे। वहां कुर्सी पर जमे बाबु लोग अपने-अपने हाथों से ही कार्यों का निष्पादन किया करते थे। तब लोगों के पास समय भी बहुत होता था। बैंक, डाकघर, कचहरी, समाहरणालय आदि स्थानों तक आराम से चलकर अपने जरूरी कार्य कराने के लिए जाते थे। यह अलग बात है कि वहां पहुंचकर बाबुओं की चिरौरी करने और कई बार तो न्यौछावर भी देने की जरूरत पड़ती थी, ताकि कार्यों का निष्पादन शीघ्र हो सके। वहीं, अब जबकि सिस्टम डिजिटलाइज्ड होता जा रहा है और लगभग सबकुछ ही ऑनलाइन होने लगा है, तब भी व्यवस्था की वे बुराइयां खत्म नहीं हुई हैं, बल्कि सच कहा जाए तो अब कई नए प्रकार की खामियां भी हमारी व्यवस्था का हिस्सा बन चुकी हैं। अब बैंकों और डाकघरों एवं अन्य कार्यालयों में कार्य कराने गए व्यक्ति को सिर्फ इसलिए घंटों प्रतीक्षा करनी पड़ती है, क्योंकि कार्यालय के कंप्यूटर कार्य नहीं कर रहे होते। पूछने पर बाबु लोग बताते हैं कि सिस्टम का सर्वर डाउन है।कई बार तो दिन-दिन भर सर्वर डाउन ही रह जाता है। वैसे यदि कुछ घंटों की भी बात हो तो आज के इस आपा-धापी वाले समय में भला किसके पास इतना समय है कि वह घंटों सर्वर के लौटने की प्रतीक्षा करता रहे।

बहरहाल, इस सर्वर के संकट को स्थानीय स्तर पर तो हम लोग अक्सर ही झेलते रहते हैं, लेकिन पिछले शुक्रवार को जब माइक्रोसॉफ्ट कंपनी का सर्वर डाउन हुआ तो पूरी दुनिया में हाहाकार मच गया। सुपर पॉवर अमेरिका से लेकर रूस, यूरोप और ऑस्ट्रेलिया तक के सारे समृद्ध और ताकतवर देश बेहद लाचार और असहाय महसूस करने लगे। निःसंदेह भारत समेत एशिया के भी कई देशों की स्थिति लगभग ऐसी ही थी। हालांकि भारत को इस आइटी संकट से उतना नुकसान नहीं हुआ, जितना यूरोप और ऑस्ट्रेलिया को नुकसान उठाना पड़ा। देखा जाए तो इस संकट से सबसे ज्यादा प्रभावित देशों की सूची में ऑस्ट्रेलिया का नाम सबसे ऊपर माना जा रहा है। ऐसा शायद इसलिए कहा जा रहा हो, क्योंकि इस आइटी संकट से प्रभावित होने की खबरें सबसे पहले ऑस्ट्रेलिया से ही आई थीं। खबरों के अनुसार ऑस्ट्रेलिया में कंप्यूटर सिस्टमों पर कामकाज बंद होने के अलावा, बैंकों, हवाई उड़ानों (एयरलाइन्स सेवाओं) और मीडिया संस्थानों से होने वाले प्रसारण आदि सभी कामकाज तक बिल्कुल ठप्प पड़ गए। स्थितियां इतनी बिगड़ गईं कि वहां के अनेक फर्म और संस्थान अपने आवश्यक कार्यों का निपटारा ऑफलाइन तरीके से करने लगे। बहरहाल, इन तथ्यों को अभी परखा जाना बाकी है। वैसे इस संदर्भ में बेहतर तो यही होगा कि इस संकट से प्रभावित सभी देश अपने-अपने स्तर पर अपने-अपने नुकसानों का सही-सही आकलन करें।

गौरतलब है कि इस आइटी संकट या आउटेजसे दुनिया भर में न केवल साइबर आधारित कामकाज प्रभावित हुआ, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हवाई समेत तमाम तरह की परिवहन सेवाएं भी बुरी तरह से बाधित हुईं। एविएशन एनालिटिक्स कंपनी सीरियम के अनुसार इस वैश्विक आइटी संकट के कारण दुनिया भर में 1390 उड़ानें तत्काल रद्द करनी पड़ीं। आंकड़ों की बात करें तो इनमें से अकेले अमेरिका में ही 512 उड़ानें रद्द करनी पड़ीं, जबकि जर्मनी में 92 और भारत में कुल 56 उड़ानें रद्द करने की नौबत आई। इसी प्रकार इटली और कनाडा में भी क्रमशः 45 और 21 हवाई उड़ानों को रद्द करना पड़ा। खबरों के अनुसार अमेरिका में तो कई हवाई जहाजों को उड़ान भरने के बाद वापस बुलाना पड़ गया। बहरहाल, इस मामले में यह जानना अभी बाकी है कि यह कोई साइबर हमले का नतीजा था अथवादिग्गज आइटी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट के ही किसी कर्मी की भूल का या किसी अन्य कारण से यह वैश्विक संकट उत्पन्न हुआ। वैसे अभी तक इस मामले में जो संकेत मिल रहे हैं, उनके अनुसार माइक्रोसॉफ्ट की सिक्योरिटी कंपनी क्राउड स्ट्राइक द्वारा सिस्टम अपडेट करने के दौरान यह वैश्विक संकट उत्पन्न हुआ। बताया जा रहा है कि सिस्टम अपडेट करने के क्रम में जिस प्रोग्राम का उपयोग किया गया, वह वैश्विक साइबर तंत्र के अनुरूप नहीं था, जिसके कारण सिस्टम हैंग हो गया और दुनिया भर में माइक्रोसॉफ्ट से जुड़े सिस्टमों में कामकाज ठप्प हो गया।

यदि इस थ्योरी को सच मान लिया जाए तो जाहिर हो जाता है कि यह कोई साइबर हमला नहीं था, बल्कि दुनिया भर में माइक्रोसॉफ्ट से जुड़े ग्राहकों को साइबर सुरक्षा प्रदान करने वाली कंपनी क्राउड स्ट्राइक की एक गलती का नतीजा था। वैसे देखा जाए तो इस आइटी संकट के कारण दुनिया भर में कितना नुकसान हुआ, इसका पता लगाने औरलेखा-जाखा तैयार करने में अभी बहुत समय लगेगा, किंतु एक अनुमान के अनुसार माइक्रोसॉफ्ट की सिक्योरिटी कंपनी क्राउड स्ट्राइक, जोदुनिया भर में 30,000 से भी अधिक कंपनियों को साइबर सुरक्षा प्रदान कराती रही है,को केवल एक घंटे के भीतर 73,000 करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। दरअसल, माइक्रोसॉफ्ट के सर्वर डाउन होने से क्राउड स्ट्राइक के शेयरों में आठ प्रतिशत की तत्काल गिरावट आ गई, जिसके परिणाम स्वरूप एक घंटे के भीतर ही उसके 73,000 करोड़ रुपये शेयर बाजार में डूब गए।जरा सोचिए कि एक घंटे के भीतर क्राउड स्ट्राइक जैसी कंपनी को जब इतना बड़ा नुकसान हो गया तो लगातार 15 घंटे तक चले इस आइटी संकट से बुरी तरह प्रभावित हुए दुनिया भर के लगभग 30 देशों को कितना अधिक आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा होगा। बहरहाल, इस घटना से इतना तो स्पष्ट हो गया कि माइक्रोसॉफ्ट से सेवाएं प्राप्त करने वाली तमाम कंपनियां ऐसे कठिन वक्त के लिए तैयार नहीं थीं।

इसके अलावा इस वैश्विक आइटी संकट ने इस बात पर भी सोचने के लिए मजबूर कर दिया है कि यदि भविष्य में फिर कभी ऐसा ही या इससे भी बड़ा कोई आइटी संकट आया, चाहे वह किसी आइटी कर्मी की गलती का नतीजा हो या साइबर अपराधियों द्वारा की गईसाजिश का परिणाम,तो दुनिया भर के देशों में फैले डिजिटल मायाजाल का क्या होगा... हम कैसे बचेंगे और बचा पाएंगे अपने डिजिटल संसाधनों और संपत्तियों को। यह चिंता इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि ऐसा होना संभव है। विशेषज्ञों का भी यही मानना है कि प्रोद्योगिकी के क्षेत्र में तकनीकी भूल-चूक की संभावनाएं हमेशा बनी रहती हैं, लेकिन इसका तात्पर्य यह कतई नहीं हो सकता कि माइक्रोसॉफ्ट जैसी भरोसेमंद और दिग्गज कंपनी ऐसी कोई गलती दोहराए। उसे यह समझना होगा कि उसके ऑपरेटिंग सिस्टम पर दुनिया भर की लाखों कंपनियों, कारोबारियों एवं करोड़ों लोगों का भरोसा टिका हुआ है। वैसे इस आइटी संकट से दुनिया भर में मची तबाही ने साइबर अपराधियों के भी कान अवश्य खड़े कर दिए होंगे, जो हमेशा इसी ताक में बैठे रहते हैं कि कब उन्हें कोई अवसर मिले और वे अपने जहरीले साजिशों को अंजाम तक पहुंचा सकें। वे इस गड़बड़ी के कारणों और होने वाले नुकसानों को जानकर यदि ऐसा ही कुछ कर दिया तो क्या होगा। इन सारे सवालों का एक ही जवाब है- 'व्यापार सातत्य योजना' यानी 'बिजनेस कॉन्टिन्यइटी प्लान' (बीसीपी)।

यह बीसीपीएक 'बैकअप प्लान' होता है, जिसके अंतर्गत यह व्यवस्था पहले से ही बनाई रहती है कि प्रतिकूल परिस्थितियों में वह कार्यों को सुचारू रख सके। इसके अतिरिक्त उस प्लान में जरूरी दिशा-निर्देश भी दिए होते हैं। आश्चर्य तो इस बात का अधिक है कि माइक्रोसॉफ्ट जैसी दिग्गज आइटी कंपनी ने संकट की घड़ी में अपनी कंपनी का बैकअप प्लान क्यों नहीं चलाया। बहरहाल, माइक्रोसॉफ्ट से जुड़ा यह आइटी संकट चिंता और दुःख का विषय तो है ही, लेकिन यह वक्त नए विकल्पों पर कार्य करने तथा बैकअप प्लान तैयार रखने का भी है, ताकि भविष्य में यदि कभी ऐसा संकट आए तो दुनिया के देशों को बड़े आर्थिक नुकसानों से बचाया जा सके।

मौन शब्द से व्यापक अभिव्यक्ति है

अनिल त्रिवेदी

लेखक अधिवक्ता हैं।

मौन का विस्तार अनन्त है या यह भी कहा जा सकता हैं कि मौन की व्यापकता सीमा से परे होकर मौन पूर्णतः असीम हैं। मौन ध्वनि विहीन होते हुए भी सार्थक होकर, एक तरह से शब्दों की निराकार अभिव्यक्ति है। जैसे प्रकाश निशब्द होकर सतत कम ज्यादा तीव्रता से कालक्रमानुसार अभिव्यक्त होता ही रहता है वैसे ही मौन भी निरन्तर निःशब्द स्वरूप में सदैव अस्तित्व में बना ही रहता है। मौन असीम हैं तो शब्द ससीम हैं ऐसा माना जा सकता है। मौन धरती और आकाश में हर कहीं व्याप्त है तो शब्द का विस्तार हमारी मौन मुद्रा भंग से ही प्रारंभ होता है। मौन का अस्तित्व, समापन या भंग होते ही हमें शब्दों को अभिव्यक्त करने का अवसर मिलता है। मौन में शब्द सुप्तावस्था या शून्य में समाधिस्थ हो जाते हैं,मौन में असंख्य शब्द सुप्तावस्था में समाये रहते हैं। शब्दों की अभिव्यक्ति मौन को शब्दों के स्वरूप अर्थात ध्वनि और अर्थ में प्रगट कर निराकार ब्रह्म यानी शब्दों को साकार स्वरूप में अस्तित्व प्रदान करते प्रतीत होते हैं। जड़ तत्व ध्वनि को उत्पन्न कर सकता है पर शब्दों की उत्पत्ति मानवीय चेतना का एकाधिकार है। जीवन और जीव दोनों ही मौन और शब्दों के स्वरूप को अपने जीवन में ऐसे एकाकार कर लेते हैं जिसे सामान्य रूप से पृथक-पृथक करना संभव नहीं है। न तो कोई आजीवन मौन हो सकता है और न ही कोई आजीवन बिना रुके या निरंतर शब्दों को ध्वनि या अभिव्यक्ति दे सकता है। शब्दों का उच्चारण नहीं करना मौन नहीं होता है। बिना बोले गुमसुम हो जाना या एकदम चुप और मौन हो जाना दोनों ही भिन्न भिन्न स्थिति है। मौन हमेशा चुप रहना ही नहीं है मौन की मुखरता मारक,तारक और उद्धारक भी हो सकती है।मौन होना याने महज़ ध्वनि का शुद्ध अभाव मात्र ही नहीं होता वरन् शब्दों के जन्म से पहले की मनःस्थिति जैसा नैसर्गिक शांत स्वरूप भी माना जा सकता है। जैसे नकारात्मक विचारों की उथल-पुथल के थम जाने को कुछ हद तक मानसिक शांति का अहसास हम मानते या समझते हैं वैसी अवधारणा मौन को लेकर नहीं बनायी जा सकती है। मौन एक प्राकृतिक अवस्था है जिसमें शून्य से लेकर आकाश तक में समायी निस्तब्ध शांति या निसर्ग में समायी नीरवता से यदि प्रत्यक्ष साक्षात्कार हुआ हो तो ही मौन की मौलिकता को समझा जा सकता है। मौन को ध्वनि के अभाव या गूंगेपन या अबोलेपन या जानबूझकर ओढ़ी चुप्पी से नहीं समझा जा सकता है। मौन को गहराई से भी नहीं समझा जा सकता क्योंकि मौन का कोई आकार प्रकार या रूप स्वरूप नहीं है फिर भी मौन से सहमति असहमति दोनों की अभिव्यक्ति हो सकती है। यदि प्रकाश के अभाव,जीव जिसमें वनस्पति भी समाहित है की जीवन्त हलचल का अभाव और व्यापक निरवता का धनधोर सन्नाटा पसरा हुआ है तो मौन या निस्तब्ध शांति भयग्रस्त मानसिक तनाव और अकारण अशांति को उत्पन्न कर सकती हैं।इसके उलट पूर्णिमा के चन्द्रमा की शीतल चांदनी और शांति पूर्ण मनःस्थितिवाला मौन मनुष्य को आनन्द की अनुभूति का अनुभव सहजता से कराती हैं।

मौन मनुष्य जीवन का अनोखा अनुभव है, जिसमें कभी भी अभिव्यक्ति में अपूर्णता नहीं है। जैसे कहा गया है कि शून्य में से शून्य को यदि दे निकाल तो भी शेष तब भी शून्य ही रहता सदा। याने शून्य या मौन एक प्राकृतिक अवस्था है जो हमारे अंदर बाहर सदा सर्वदा मौजूद हैं। शब्द और ध्वनि मनुष्य या जीव की कृति है पर मौन और शून्यता जीवन और जीव की प्रकृति है। शब्द कृति है मौन प्रकृति है। जगत में प्रकृति का अस्तित्व सदा सर्वदा से है वैसे ही जीवन में या जीव में मौन की मौजूदगी जीवन की सनातन अभिव्यक्ति है। जीवन महज़ निरन्तर हलचल मात्र ही नहीं है। अनन्त शांति या मौन की मौजूदगी प्रकृति और जीवन की व्यापकता और मौलिकता को निशब्द समझाती प्रतीत होती है। यही मौन की मौजूदगी और मौलिकता की अभिव्यक्ति है जो अनुभूत तो होती है पर शब्दों में व्यक्त नहीं की जा सकती है। मौन में शब्दों को शब्दों के माध्यम से अभिव्यक्त करने के बजाय निःशब्दता को शब्दों से परे रहकर व्यापक रूप से व्यक्त किया जाता है। मौन की अभिव्यक्ति और अनुभूति सहजता से अनन्त को समझने की सबसे अच्छी प्राकृतिक अवस्था है। मौन प्रकृति है या प्रकृति ही मौन है। जगत में मनुष्यों को जीवन के अंतहीन प्रवाह में हर क्षण सोचने, समझने और अनुभूत करने का अवसर मिलता है। पर मनुष्य शब्दों से परे रहकर निशब्द मौन की व्यापकता को जानते हुए भी शब्दों के सानिध्य से दूर नहीं हो पाता इसलिए मौन प्राकृतिक अवस्था के बजाय मनुष्यों की साधना के रूप में विकसित हुआ प्रतीत होता है। मौन आकाश, प्रकाश और समय की तरह ही जीवन और प्रकृति का अभिन्न अंग है और इस तरह से हमारे जीवन, चिंतन और मनन में रचा बसा है जिसे शब्दों से परे रहकर निशब्द होकर ही जाना समझा और मानसिक रूप से अभिव्यक्त, अनुभूत और आत्मसात भी किया जा सकता है।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

संपादक - उमेश त्रिवेदी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

शांतिलाल जैन

लेखक व्यंग्यकार हैं।

अपने महानायक के प्रति इसे कहते हैं सॉलिडेरिटी!

पिछले दिनों रिपब्लिकंस नेशनल कन्वेंशन में ट्रंप समर्थकों ने सॉलीडेरिटी दिखाने के लिए अपने अपने कानों पर ड्रेसिंग की वैसी ही पट्टी लगा रखी थी जैसी कि चोटिल हो जाने के बाद ट्रंप अपने कान पर लगाए लगाए घूम रहे थे. मैं पक्के से कह सकता हूँ अपने महानायक के प्रति सच्ची अनुयायियत के प्रदर्शन की यह प्रेरणा रिपब्लिकंस ने बनवारी से ग्रहण की है. अभी कुछ समय पहले की बात है. मैंने देखा कि बनवारी के दाएँ पैर में प्लास्टर चढ़ा हुआ था. अंगुलियों के बाद से शुरू होकर टखनों से होता हुआ पिंडलियों तक चढ़ा हुआ. सहारे के लिए हाथ में छड़ी थी. कोई दुर्घटना भी नहीं हुई, बनवारी गिरे भी नहीं, मोच भी नहीं आई. हुआ ये था कि महानायक के दाएँ पैर की हड्डी चटक गई थी. समर्थन में बनवारी ने भी पट्टा चढ़वा लिया. टूटी टांग का फोटो उसने स्टेटस पर लगाया और नाम के आगे ब्रेकेट में लिखा 'मैं भी घायल'. इसे कहते हैं सॉलिडेरिटी!! रिपब्लिकंस ने बनवारी की फेसबुक वॉल से आईडिया उठाया है.

एक बार की बात है श्रीमान, महानायक कंघी करना भूल गए. कैमरा बिखरे बालों पर फोकस कर गया. बनवारी ने अगले कई महीनों तक बालों में कंघी नहीं की. जिस दिन बनवारी ने नोटिस किया कि उनके महानायक के कुर्ते की एक बाँह आधी है. कसम से उसी दिन अपने नए-नए कोरे-कोरे कुर्ते की एक बाँह कैंची से काट डाली. अब वह वन एंड हॉफ स्लीव्स का कुर्ता पहनता है. उसने कहीं पढ़ा था महानायक को खाने में सुरजने की फली पसंद है, महीनों तक बनवारी सिर्फ सुरजने की फली खा कर जिंदगी गुजारता रहा. जिस दिन सब्जी बाज़ार में सुरजने की फली नहीं मिलती बनवारी उपवास कर लेता. डॉक्टरों ने परामर्श दिए, दोस्तों ने नसीहतें दी, बच्चों ने इसरार किए, भाभीजी ने मन्नतें मानी मगर बनवारी टस से मस नहीं हुआ. जब उसे यकीन हो गया कि महानायक ने सुरजने की फली खाना अब बंद कर दिया है तब जाकर नार्मल डाईट पर लौटा बनवारी. महानायक जोनसे काम करते बनवारी भी ओनसे काम में लग जाता. अनेक वाक़ये हैं, मगर उनकी बात फिर कभी. फ़िलवक्त जब मैंने पूछा - 'बनवारी, पट्टे में कोई तकलीफ तो नहीं है.'

'जब हम राष्ट्र के लिए कुछ करते हैं ना शांतिबाबू तो कोई तकलीफ तकलीफ नहीं होती. महानायक के कष्ट के आगे यह तो कुछ भी नहीं.' बनवारी ने बताया कि वो पाँच हफ्ते नहाएगा नहीं, डॉक्टर्स ने महानायक को भी पाँच हफ्ते तक नहाने से मना किया है.

'बनवारी, टांग गीली नहीं करनी है, नहा तो सकते हैं.'

'आप महानायक से ज्यादा जानते हो? नहीं पता है तो चुप रहिए. हमें देशसेवा करने दीजिए.' बनवारी को लगता है महानायक के हर एक्शन में देश सेवा है. उसने महंगाई के बेलगाम होने दिया तो इसमें प्रजा का ही भला है. रोज़गार की अंतहीन तलाश युवाओं के लिए फायदेमंद है. खेती का अलाभकारी होना ग्राम्यजीवन में बेहतरी लाएगा. महानायक के हर डिसीजन पर फ़िदा है बनवारी, उसके हर कदम पर कुर्बान है, उसकी अदाओं का दीवाना है. वो पहले प्रशंसक हुआ था फिर समर्थक हुआ और अब अनुयायी हो गया है. वंस ए अनुयायी आल्वेज ए अनुयायी.

ट्रंप अनुयायियों ने अब जाकर अपने कपड़ों पर लिखवाया है – MAGA, मेक अमेरिका ग्रेट अगेन. बनवारी तो कब से एक वृहत्तर आर्यावर्त के लिए सोशल मीडिया पर चलाए जानेवाले अभियान का मुख्यवाहक है. 'मेक आर्यावर्त ग्रेट अगेन'. अमेरिकंस चाहे कुछ कर लें, वे बनवारी जितनी अनुयायियत कभी नहीं दिखा पाएँगे.

विश्व बाघ दिवस पर विशेष

आरबी त्रिपाठी

लेखक स्तंभकार हैं।

25 बाघों की मौत फिक्र करने की बात है...

देश में बाघों की संख्या में इजाफ़ा होने की घोषणा हुए तकरीबन एक बरस बीत गया है। मध्यप्रदेश 785 बाघों के साथ देश भर में पुनः सिरमौर बना है। देश में बाघों की गणना में वनराज की संख्या बढ़कर 3682 हो गई है जो बड़ी कामयाबी है लेकिन अनेक कारणों के चलते बीते छह-सात महीनों में 79 बाघों की मौत की खबरें किंचित चौंकाने वाली और चिंताजनक है। नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी (एनटीसीए) के मुताबिक टाइगर स्टेट मध्यप्रदेश में इस अवधि में 25 बाघों की मौत की जानकारी फिक्र करने की बात है।

एनटीसीए की साइट पर दर्शाई गई जानकारी के मुताबिक इस दौरान देश में टाइगर की ज्यादातर मौतें मध्यप्रदेश के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में हुई है। साल 2012 से 2022 तक के दशक के बीच यहाँ 65 टाइगर की मौतें हुई हैं जो देश के किसी टाइगर रिजर्व में हुई मौतों में सर्वाधिक बताई जाती है। अकेले इस साल की छमाही में यहां दर्जन भर टाइगर की मौत और भी अधिक चिंता का विषय है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बांधवगढ़ में बाघों की सभी मौतें स्वाभाविक या टेरीटोरियल फाइट की वज़ह से नहीं हुई है बल्कि इनमें आधी मौतें यहाँ कार्यरत मैदानी अमले की कथित लापरवाही और कुछ लोगों की शिकारियों से तथाकथित मिलीभगत से होना बताई जाती है। यहाँ के शिकारियों से बाघों के अंतरराष्ट्रीय तस्करों के नेटवर्क से भी जुड़े होने की आशंका जाहिर की जा रही है। हालांकि जंगल महकमा ना तो इस बात की पुष्टि करता है ना ही इस विषय पर बात करना पसंद करता है।

उधर बाघों की संख्या बढ़ने का एक प्रभाव यह देखा जा रहा है कि उनकी मौजूदगी, दहाड़,गुर्राहट अब घने जंगलों तक सीमित नहीं है बल्कि आबादी क्षेत्र और रहवासी इलाकों के नज़दीक तक होने लगी है। राजधानी भोपाल इसका बड़ा उदाहरण है जहां कलियासोत, केरवा डेम से लेकर वाल्मी से नीलबड़, आईआईएफएम परिसर, मंडेरा आदि के समीप कभी-कभार वनराज सड़क मार्ग पर भी आ धमकते हैं। दरअसल इसमें दोष वनराज का भी नहीं है वे रहवासी इलाकों और सड़कों पर नजर आते हैं तो वजह यह भी है कि जंगलों का दायरा सिमट रहा है तथा पानी के प्राकृतिक श्रोत सूख रहे हैं। दूसरी तरफ इंसान ही बाघों के विचरण वाले इलाकों में घुसपैठ कर रहे हैं। टाइगर का इलाका तो पहले से चिंहित है लेकिन इंसानों ने जंगलों के नज़दीक मकान, होटलें, रिसॉर्ट और मैरिज गार्डन जैसे निर्माण कर लिये हैं। बगैर इस बात की परवाह किये कि वन क्षेत्र और

नेशनल पार्क, टाइगर रिजर्व, अभयारण्य के आसपास इस तरह के निर्माण प्रतिबंधित है। मध्यप्रदेश समेत कर्नाटक, पश्चिम बंगाल राजस्थान, गुजरात, उत्तराखंड आदि से बाघों के इलाकों में घुसपैठ की खबरें मीडिया की सुर्खियों में छाई रहती है।

ना केवल भोपाल और इससे सटे रातापानी बल्कि सतपुड़ा, पन्ना, पेंच, बांधवगढ़, कान्हा, देवास के खिवनी, सागर के नौरादेही तथा सुदूर सीधी के संजय दुबरी समेत अन्य अभयारण्य से कमोबेश ऐसी ही खबरें, रिपोर्ट सामने आती रहती है। इसमें क्षेत्रीय मीडिया की भूमिका निश्चित ही प्रशंसनीय है।

एक ओर जहां जंगल महकमा टाइगर की संख्या में हुई बढ़ोतरी से गदगद है तो दूसरी तरफ तेंदुओं की संख्या में भी उल्लेखनीय इजाफा हुआ है। देश में पाये गये 13 हजार 874 तेंदुओं में मध्यप्रदेश में सबसे ज्यादा 3 हजार 907 तेंदुओं की मौजूदगी पर गर्व किया जा सकता है। लेकिन जब-तब इनकी मौत की ख़बरें तथा रहवासी क्षेत्रों में इनका पाया जाना चिंता को बढ़ाता है।

उधर बहु प्रचारित कूनो पालपुर नेशनल पार्क में चीता शावकों के अठखेलियां करते मस्ती भरे वीडियो और फोटो सामने आये हैं। इनमें मादा चीता गामिनी के संग पांच शावक मस्ती के मूड में उछलकूद करते दर्शाये गये हैं। अफ्रीका से लाये गये चीतों में से 8 चीतों और शावकों की मौत के बाद इस तरह की खबरें उत्साह बढ़ाने वाली है। ताजा रिपोर्ट के अनुसार कूनो में अभी 26 चीते हैं जिनमें 13 बड़े और इतने ही शावक हैं। मौतों से सबक लेते हुए कूनो पार्क प्रबंधन ने बारिश के मौसम में बचाव के लिये सभी चीतों को एंटी डॉट लगवाया है। लेकिन कुछ समय पूर्व कुछेक चीतों के अपनी निर्धारित सीमा से बाहर निकलकर राजस्थान और उत्तर प्रदेश की सीमा सहित कूनो के बाहर अन्य जगहों पर भी प्रवेश कर लेने की खबरें मिलती रही है। यहां इस बात का जिक्र प्रासंगिक होगा कि बीते साल चीतों की मौत के मामले में तत्कालीन पीसीसीएफ को हटाकर दूसरे अधिकारी को दायित्व सौपा गया था। रेडियो कॉलर संक्रमण या फिर यहां की आबोहवा रास नहीं आने से ये मौतें हुई यह तथ्य अभी तक आशंका और अनुमान के बीच छुपे हुए हैं।

कूनो के बाद अब राजस्थान की सीमा से सटे गांधीसागर सेंचुरी में चीतों को लाकर बसाने की तैयारी है। मीडीया रिपोर्ट के अनुसार फिलहाल इस सेंचुरी को 6 चीतों के हिसाब से तैयार किया जा रहा है। गांधीसागर सेंचुरी का क्षेत्रफल बढ़ाने का प्रस्ताव भी है। भविष्य में यहां कूनो की तरह नेशनल पार्क बनाया जा सकता है। लेकिन समय रहते कूनो से मिले सबक और सीखों को ध्यान में रखकर ही इस दिशा में आगे कदम बढ़ाना उपयुक्त होगा।यहां चीतों के लिये कान्हा नेशनल पार्क से चीतलों को लाकर छोड़ दिया गया है, भोपाल के वन विहार से भी चीतलों की शिफ्टिंग की जाना है।

एपीसीसीएफ वन्य प्राणी शुभ रंजन सेन का कहना है कि गांधीसागर सेंचुरी में चीतों को लाने का मामला भारत सरकार के अंतर्गत है तथा इस संबंध में एग्रीमेंट के तहत कार्यवाही की जाती है। जहां तक बाघ संरक्षण की बात है नये टाइगर रिजर्व बनाये जा रहे हैं। बाघों की सुरक्षा में स्थानीय ग्रामीण समुदाय का सहयोग और सहभागिता ली जा रही है। बगैर उनके सहयोग के यह संभव नहीं होता है। बाघों को कैमरों से ट्रेक किया जाता है।

वक्रोक्ति

विवेक रंजन श्रीवास्तव

लेखक व्यंग्यकार हैं।

बेगानी शादी, अब्दुल्ला दीवाना

शाम का समय था, लक्जरी टू बाय टू कोच झुमरीतलैया से पटना जा रही थी। बस अपने स्टैंड से चली तो शहर से बाहर निकलते ही एक संभ्रांत से दिख रहे बुजुर्ग एकाएक खड़े हो गए और बाकी मुसाफिरों का ध्यान आकर्षित करते हुए जोर से कहने लगे भाइयों बहनों मैं कोई भिखारी नहीं हूँ, ऊपर वाले ने मुझे खूब नवाजा है, पर मेरी पत्नी एक लंबी बीमारी से भगवान को प्यारी हो गई, दुर्भाग्य से कुछ दिन पहले मेरी फैक्ट्री में आग लग गई, आप लोगों ने अखबारों में वह हादसा पढ़ा होगा, मैं इम्पोर्ट एक्सपोर्ट का कारोबार करता हूँ...मेरा माल जलकर खाक़ हो गया, इन हालात में मुझे दिल का दौरा पड़ चुका है। रिश्तेदारों ने हमसे किनारा कर लिया है। ये मेरी जवान बेटी है,मेरे बाद इसे कौन देखेगा यही ग़म मुझे खाए जा रहा है ..... और वह शख्स रोने लगा । उसकी सुन्दर गोरी युवा बेटी अपनी ओढ़नी संभालते उठी और बाप को सहारा देकर बैठा दिया । यात्री हतप्रभ थे , तभी पिछली सीट से एक आदमी खड़ा हुआ और कहने लगा.... मैं पटना में रहता हूं, खुद का घर है, ये जो मेरे बगल में बैठा हुआ है, मेरा इकलौता बेटा है, इंजिनियर है, इसके लिये मुझे अच्छी दुल्हन की तलाश है। मैं दरखूवास्त करता हूँ कि ये बुजुर्ग अपनी बेटी की शादी मेरे इस बेटे से कर दें। मैं वादा करता हूँ कि बच्ची को ताउम्र कभी बाप की कमी महसूस नहीं होने दूंगा। बाजू में बैठा लड़का भी झट से खड़ा हो गया और उसने युवती की ओर देखते हुये कहा कि यदि इन्हें यह रिश्ता मंजूर हो तो मैं इस स्वशादी के लिये तैयार हूं। लड़की ने संकोच से हामी में सिर हिला दिया। यात्री प्रसन्नता से तालियां बजाने लगे।

बस में मौजूद एक पंडित जी खड़े होकर बोले ये सफर बहुत सुहाना है। अभी मुहूर्त भी मंगलकारी है, विवाह जैसा एक शुभ कार्य हो जाए वह भी सफर में इससे अच्छी बात और क्या हो सकती है। यदि सब राजी हों तो मैं इन दोनों का विवाह करा दूँ। लड़का लड़की राजी तो,एतराज कौन करता, सब कहने लगे वाह वाह क्या बात है। कुछ उत्साही युवक और महिलायें वर पक्ष और वधू पक्ष के हिस्से बन गये। गाने गाए जाने लगे। पंडित जी ने चलती बस में ही मंत्रोच्चारण कर विवाह संपन्न कर दिया। एक और साहब खड़े होकर कहने लगे मैं छुट्टी पर अपने घर जा रहा था, घर वालों के लिये मिठाई लेकर, इस मुबारक मौके को देखकर समझता हूँ कि लड्डुओ से यहीं सबका मुँह मीठा करा दिया जाए। दुल्हन के बाप ने ड्राइवर से किनारे बस रोकने का आग्रह किया जिससे सब मिलकर मुंह मीठा कर लें। सब कुछ इतना सहज था कि बिना प्रतिरोध रात होने से पहले बस सड़क किनारे रोक दी गई शादी की खुशी मनाते सब मिलकर मिठाई खाने लगे, लड्डू खाते ही कुछ क्षण बाद सब उनींदे हो खर्राटे भरने लगे।

जब लोग नींद से जागे तो सुबह के 6 बज रहे थे। यह बताने की जरूरत नहीं कि दूल्हा दुल्हन उनके बाप, वो पंडित और लड्डू बांटने वाला शख्स नदारत थे। यात्रियों के बटुए, गहने , कीमती सामान भी गायब था । ये था किस्सा ए 'बेगानी शादी, अब्दुल्ला दीवाना'।

हाल ही देश के सेठ जी के बेटे और एक दूसरे बिज़नेस मैन की बेटी की दुनियां की बहुतई बड़ी शादी हुई है। दुनियां के अलग अलग डेस्टीनेशन पर महीनों चली रस्मों में हर कोई फेसबुक, इंस्टा, थ्रेड, ट्वीटर, ऊ टूब पर अब्दुल्ला बना बेहोशी में झूम रहा है। अब्दुल्ला ही क्यों, भोलेराम, क्रिस, नसीबा, प्रिया, एन्जेल, देशी विदेशी, पेड मेहमा , धर्माचार्य , राजनीति के पंडित, पक्ष विपक्ष, मीडिया, सब सेठ जी से अपनी निकटता साबित करते फोटू खिंचवाते नजर आये। सेठ जी के कर्मचारियों को सोहन बर्फी और चिप्स के पैकेट में ही सात सितारा खाने का मजा आ गया। साथ में मिले चांदी के सिक्के के संग सेल्फी के प्रोफाईल पिक्चर लगाकर वे निहाल हैं। जब हमारी नींद खुली तो हमारे मोबाईल का टैरिफ बढ़ चुका था। पर अभी भी बहुत कुछ लुटना बाकी है लुटेंगे आहिस्ता आहिस्ता।

क्रमशः बजट दर बजट, चुनाव दर चुनाव, जनता को अब्दुल्ला बने रहना है, नशे के लड्डू खाने हैं, कभी धर्म की चासनी में बने लड्डू तो कभी आश्वासनों में पागी शब्दों की बर्फी कभी ये तो कभी वो खिला जायेगा और अब्दुल्ला दीवाना बना नाचता रह जायेगा, उसकी अमानत लुटती रहेगी।

भारत में बैंकिंग-एक

डॉ. मयुरा केमकर डॉ. वाणिकी जोशी लोहानी

पंकज यादव

भारत में बैंकिंग प्रौद्योगिकी: पारंपरिक से फिनटेक-संचालित तक

किसी भी देश के विकास में तकनीकी उन्नति की अहम भूमिका होती है। भारत के मामले में, यह वही उन्नति है जो विकसित राष्ट्र का दर्जा हासिल करने का मार्ग प्रशस्त करती है। इस विकास में उल्लेखनीय योगदान सेवा क्षेत्र का है और बैंकिंग इस क्षेत्र में अग्रणी दिग्गजों में से एक है। बैंकिंग क्षेत्र ने लगातार सराहनीय प्रगति की है ।वर्तमान में, भारतीय बैंकिंग उद्योग में उल्लेखनीय परिवर्तन हुआ है, जो पारंपरिक, कागज़-आधारित संचालन से अत्याधुनिक वित्तीय प्रौद्योगिकी प्रणाली में विकसित हुआ है। राष्ट्रीय, आर्थिक उदारीकरण, वैश्वीकरण और आईटी क्रांति जैसे प्रमुख चरणों ने इस यात्रा को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया है। परिणामस्वरूप, बैंकिंग प्रणाली में जबरदस्त परिवर्तन और उन्नति देखी जा सकती है (रेशमी, 2018)। 1991 में भारतीय अर्थव्यवस्था के उदारीकरण ने वैश्विक इंटरनेट क्रांति के साथ मिलकर बैंकिंग क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ को चिह्नित किया। इस अवधि में निजी क्षेत्र के बैंकों का उदय हुआ, जिन्होंने नई तकनीकों को अपनाने में तेज़ी दिखाई, जिससे सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के लिए प्रतिस्पर्धी मानक स्थापित हुए। डिजिटल ग्राहक सेवाओं की ओर अभियान निजी और विदेशी बैंकों से बढ़ती प्रतिस्पर्धा से प्रेरित था, जिससे पारंपरिक से डिजिटल बैंकिंग में बदलाव की आवश्यकता हुई। वर्तमान वित्तीय प्रणाली को अक्सर 'कैशलेस और पेपरलेस बैंकिंग' के रूप में वर्णित किया जाता है। यह बदलाव इस क्षेत्र के उच्च तकनीक परिवर्तन को दर्शाता है। पिछले एक दशक में, बैंकिंग क्षेत्र, जो भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास के लिए महत्वपूर्ण है, ने महत्वपूर्ण सुधार किए हैं और विभिन्न ईबैंकिंग तकनीकों को अपनाया है।

पिछले तीन दशकों में भारत में बैंकों की गतिविधियों के आकार, विस्तार और दायरे में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। भारतीय रिजर्व बैंक का मिशन भुगतान और निपटान प्रणालियों को सुरक्षित, कुशल और सभी के लिए सुलभ बनाना है, साथ ही अंतर्राष्ट्रीय मानकों को पूरा करना है। उनका विजन कम नकदी पर निर्भर समाज की ओर बढ़ने के लिए इलेक्ट्रॉनिक भुगतान प्रणालियों को बढ़ावा देना है (शिफा फातिमा, 2020)। इसके अतिरिक्त, सरकार की 'डिजिटल इंडिया' पहल का उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिक भुगतान को बढ़ावा देना है, जो नकदी से डिजिटल लेनदेन की ओर कदम बढ़ाए। जन धन योजना जैसी योजनाओं की शुरुआत के साथ बैंकिंग क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। उदाहरण के लिए, सिर्फ एक साल में 5.37 करोड़ जन धन बैंक खातों में जमा राशि 4.74 लाख रुपये से बढ़कर 27,000 करोड़ रुपये हो गई

इंटरनेट बैंकिंग के विकास के लिए भारत सरकार द्वारा उठाए गए कदम– विभिन्न देशों में, गैर-बैंकिंग संस्थानों ने भुगतान और निधि हस्तांतरण सेवाओं में अग्रणी भूमिका निभाई है। भारत में, नकली मुद्रा और काले धन जैसे मुद्दों से निपटने के लिए कैशलेस और डिजिटल लेनदेन की महत्वपूर्ण आवश्यकता को रेखांकित किया गया है। जालसाजी को रोकने और वित्तीय पारदर्शिता बढ़ाने के लिए ये तरीके आवश्यक हैं। डिजिटल माध्यमों के माध्यम से मुद्रा प्रबंधन को सरल बनाने में भुगतान बैंक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। तेजी से तकनीकी प्रगति के साथ, भारत ने राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक फंड ट्रांसफर (NEFT), तत्काल भुगतान सेवा (IMPS) और आधार सक्षम भुगतान प्रणाली (AEPS) जैसी कई नवीन भुगतान प्रणालियों का उदय देखा है। इनमें से, यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI) अपने उपयोगकर्ता के अनुकूल दृष्टिकोण के लिए खड़ा है, जो लेनदेन को पहले से कहीं अधिक आसान और सुलभ बनाता है। विभिन्न प्लेटफ़ॉर्म पर PI के सहज एकीकरण ने देश भर में डिजिटल भुगतान को अपनाने को काफी बढ़ावा दिया है, जिससे भारत के विकास और विकास के लिए एक अधिक सुरक्षित और कुशल वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा मिला है (मेहता, एन., शाह, और एस., 2020)

- भारत सरकार ने आईटी अधिनियम, 2000 लागू किया, जो 17 अक्टूबर, 2000 को लागू हुआ। इस अधिनियम ने इलेक्ट्रॉनिक लेनदेन और कॉमर्स के अन्य रूपों को कानूनी मान्यता दी। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) बैंकिंग की कानूनी आवश्यकताओं की निरंतर निगरानी और समीक्षा करता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि किसी भी चुनौती से देश की वित्तीय स्थिरता को खतरा न हो।

- बैंकिंग क्षेत्र में आईटी के उपयोग को बढ़ाने के लिए, डॉ. केसी चक्रवर्ती ने आईआईए, आईडीआरबीटी, आईआईटी और आरबीआई के सदस्यों के साथ एक समिति का नेतृत्व किया, जिसने 2011-17 के लिए आईटी विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया। यह दस्तावेज़ बैंकिंग में आईटी के उपयोग को आगे बढ़ाने के लिए दिशा-निर्देश प्रदान करता है। आरबीआई भुगतान प्रणालियों को अधिक सुरक्षित और कुशल बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, बैंकों को इंटरनेट बैंकिंग सुरक्षा को मजबूत करने की सलाह देता है। इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग और एटीएम जैसे वैकल्पिक भुगतान चैनलों की बढ़ती लोकप्रियता बैंकों के लिए सुरक्षित लेनदेन सुनिश्चित करने की अतिरिक्त जिम्मेदारी लाती है।

- भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने आरबीआई की अनुमति से मोबाइल बैंकिंग सेवाओं का विस्तार किया है और एटीएम, इंटरनेट और मोबाइल को शामिल करने के लिए आईएमपीएस चैनलों को चौड़ा किया है। एनपीसीआई मोबाइल बैंकिंग सेवाओं के लिए अधिक मोबाइल नेटवर्क ऑपरेटरों को एक साझा मंच पर लाने के लिए भी काम कर रहा है।

- दामोदरन समिति की सिफारिशों के बाद, RBI ने यह सुनिश्चित करने के लिए दिशा-निर्देश पेश किए कि इंटरनेट बैंकिंग सुरक्षित और संरक्षित है। इन दिशा-निर्देशों में ग्राहकों के लिए नुकसान के प्रति शून्य-देयता और इंटरनेट बैंकिंग धोखाधड़ी से निपटने के लिए बैंकों के बीच बहुपक्षीय व्यवस्था शामिल है। ग्राहक बैंकिंग लोकपाल योजना 2006 के तहत बैंकिंग लोकपाल को ऑनलाइन बैंकिंग धोखाधड़ी की रिपोर्ट कर सकते हैं, जिसमें इंटरनेट बैंकिंग, क्रेडिट कार्ड और एटीएम के बारे में शिकायतें शामिल हैं।

- बैंकिंग पर्यवेक्षण पर बेसल समिति (2001) ने इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग के लिए जोखिम प्रबंधन सिद्धांतों की रूपरेखा तैयार की। ये सिद्धांत मौजूदा जोखिम प्रबंधन ढांचे को ई-बैंकिंग वातावरण के अनुकूल बनाने पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि बैंक इलेक्ट्रॉनिक लेनदेन से जुड़े अद्वितीय जोखिमों का प्रबंधन कर सकते हैं।

- डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण विधेयक, 2022।

- भुगतान और निपटान प्रणाली अधिनियम (संशोधन) विधेयक, 2023।

- डेबिट/क्रेडिट कार्ड, प्रीपेड भुगतान उपकरण,, डिजिटल ऋण आदि पर मास्टर निर्देश।

- भारतीय फिनटेक क्षेत्र को मुख्य रूप से भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई), भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी), भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) और भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) द्वारा विनियमित किया जाता है, जिसमें प्रमुख नियम भुगतान और निपटान अधिनियम, 2007, धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002, मास्टर निर्देश - एनबीएफसी - पी 2 पी ऋण मंच निर्देश, 2017, डिजिटल भुगतान सुरक्षा नियंत्रण पर मास्टर निर्देश, 2021, आईटी अधिनियम, 2000 और डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023 और कई अन्य से प्राप्त होते हैं।

भारतीय बैंकिंग प्रणाली के डिजिटल परिवर्तन में मील के पत्थर प्रक्रिया स्वचालन और कोर बैंकिंग समाधान (सीबीएस) 1990 के दशक में, इंटरनेट के व्यापक उपयोग ने बैंकिंग प्रक्रियाओं में महत्वपूर्ण स्वचालन को बढ़ावा दिया, ग्राहक सेवा में सुधार किया, लागत कम की और लाभप्रदता में वृद्धि की। स्टैंडअलोन पीसी की शुरूआत और लोकल एरिया नेटवर्क (LAN) कनेक्टिविटी की ओर माइग्रेशन ने अधिक परिष्कृत बैंकिंग तकनीकों की नींव रखी। कोर बैंकिंग सॉल्यूशंस (CBS) एक गेम-चेंजर बन गया, जिससे बैंकों को सभी शाखाओं में एक समान ग्राहक अनुभव प्रदान करने में मदद मिली। CBS ने वास्तविक समय में लेनदेन प्रसंस्करण, केंद्रीकृत डेटा प्रबंधन और बढ़ी हुई सुरक्षा सुविधाओं की सुविधा प्रदान की।

इंटरनेट बैंकिंग और कार्ड मनी– ऑटोमेटेड टेलर मशीन (एटीएम), क्रेडिट कार्ड और ऑनलाइन बैंकिंग सेवाओं के आगमन ने बैंकों के साथ ग्राहकों के संपर्क में क्रांति ला दी। एटीएम ने ग्राहकों को अपने खातों तक 24/7 पहुंच प्रदान की, जिससे शाखा में जाने की निर्भरता कम हो गई। क्रेडिट और डेबिट कार्ड के प्रसार ने भुगतान को सरल बनाया और नकदी प्रबंधन जोखिम को कम किया। इंटरनेट बैंकिंग ने खाता जानकारी, फंड ट्रांसफर, बिल भुगतान और अन्य सेवाओं तक ऑनलाइन पहुंच प्रदान करके बैंकिंग को और बदल दिया, जिससे सुविधा और सेवा दक्षता में काफी सुधार हुआ।

मोबाइल बैंकिंग– मोबाइल बैंकिंग की शुरुआत, खास तौर पर एसएमएस और बाद में स्मार्टफोन के ज़रिए, बैंकिंग सेवाओं की पहुंच का विस्तार हुआ। मोबाइल बैंकिंग ने फंड ट्रांसफर से लेकर बिल भुगतान तक कई तरह के लेन-देन की अनुमति दी, जिससे डिजिटल बैंकिंग की ओर रुझान बढ़ा। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के अनुसार, मोबाइल बैंकिंग लेन-देन में तेज़ी से वृद्धि हुई है, लेन-देन की मात्रा अरबों तक पहुँच गई है और लेन-देन का मूल्य खरबों रुपये में है। मोबाइल बैंकिंग द्वारा प्रदान की जाने वाली पहुँच और सुविधा की आसानी ने इसे कई ग्राहकों के लिए पसंदीदा तरीका बना दिया है, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में।

एकीकृत भुगतान इंटरफ़ेस (UPI)- नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) द्वारा विकसित यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI) प्लेटफॉर्म ने मोबाइल डिवाइस का उपयोग करके बैंक खातों के बीच तत्काल धन हस्तांतरण की अनुमति दी है, जिससे डिजिटल लेनदेन काफी सरल हो गया है। BHIM ऐप को 2016 में लॉन्च किया गया था जिसे भारतीय रिजर्व बैंक के मार्गदर्शन में नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) द्वारा विकसित किया गया है। सिर्फ़ 10 दिनों के भीतर, ऐप को एंड्रॉइड प्ले स्टोर से 10 मिलियन बार डाउनलोड किया गया और यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (UPI) और USSD प्लेटफ़ॉर्म के ज़रिए 2 मिलियन से ज़्यादा लेनदेन की सुविधा दी गई।

भीम अन्य यूपीआई एप्लीकेशन और बैंक खातों के साथ अंतर-संचालन योग्य है, जो एक त्वरित, सुरक्षित उपयोगकर्ता ऑनबोर्डिंग प्रक्रिया और सहज डिजिटल लेनदेन के लिए एक सहज इंटरफ़ेस प्रदान करता है। इसने व्यापारियों को सीधे उनके बैंक खातों में भुगतान स्वीकार करने में सक्षम बनाकर महत्वपूर्ण रूप से लाभान्वित किया है। प्रत्येक उपयोगकर्ता और व्यापारी को साइन-अप करने पर एक वर्चुअल पेमेंट एड्रेस (VPA) और एक रेडी-टू-प्रिंट क्यूआर कोड प्राप्त होता है, जो भुगतान प्रक्रिया को सरल बनाता है।

यूपीआई भारत के डिजिटल भुगतान पारिस्थितिकी तंत्र का आधार बन गया है, 2023 तक प्रति माह 2 बिलियन से अधिक लेनदेन होंगे। यूपीआई की अंतर-संचालनीयता और सरलता ने इसे व्यापक रूप से अपनाया है, जिससे यह वित्तीय समावेशन और डिजिटल भुगतान के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण बन गया है।

आधार-सक्षम भुगतान प्रणाली (AePS)- आधार-सक्षम भुगतान प्रणाली (AePS) बैंकिंग लेनदेन को सुविधाजनक बनाने के लिए भारत की बायोमेट्रिक पहचान प्रणाली का लाभ उठाती है। AePS ग्राहकों को उनके आधार नंबर और बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण का उपयोग करके बैंकिंग लेनदेन करने की अनुमति देता है, जिससे वित्तीय सेवाओं तक सुरक्षित और आसान पहुँच सुनिश्चित होती है। यह प्रणाली ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों के लिए विशेष रूप से लाभकारी रही है, जिसने बैंकिंग सेवाओं से वंचित आबादी तक बैंकिंग पहुँच को सक्षम करके वित्तीय समावेशन को बढ़ाया है। (जारी)

रिमझिम बरसात से बड़ी किसानों की चिंताएं

मुलताई के ताप्ती वार्ड में फिर भरा पानी, कच्चे मकान की दीवारें ढही

बैतूल / मुलताई । मुलताई क्षेत्र मे बीते एक सप्ताह से हो रही रिमझिम बरसात से जहां जनजीवन अस्त-व्यस्त है वही किसानो की चिंताएं बढ़ते जा रही है ।इधर दूसरी ओर नगर के ताप्ती वार्ड में घरों में पानी भर जाने से जहां नागरिकों का घर से निकलना और घर में रहना मुश्किल हो गया है वही ग्रामीण क्षेत्रों में भी रिमझिम वर्षा के चलते अनेक कच्चे मकान ढ़ह जाने की खबर है। किसान बताते हैं कि इस वर्ष फसल अच्छी जमी थी किंतु रिमझिम वर्षा के कारण इंल्लिया और कीटाणुओं ने फसल को भारी नुकसान पहुंचा है। बीते 8 दिन से धूप नहीं निकली जिसके कारण फसल को और भी नुकसान हो रहा है ।वर्तमान समय में फसल अच्छी हो इसके लिए यह आवश्यक है तेज रफ्तार वर्षा हो ताकि फसलों पर लगे कीड़े किटकुल गिर कर मर जाए और फिर धूप निकले तो फसल फिर लह लहाने लगे किंतु अब तक जिस तरीके से वर्षा हो रही है किसानों की चिंताएं फिर बढ़ गई है। किसान एवं समाजसेवी तकि उल हसन रिजवी बताते हैं कि कहने को एक सप्ताह से रिमझिम वर्षा हो रही है किंतु खेतों में दवाई के छिड़काव करने के लिए टैंकर से पानी डालना पढ़ रहा है वर्षा की स्थिति यही रही तो फसल पूरी तरीके से बर्बाद हो जाएगी।

वर्षा से ताप्ती वार्ड का बुरा हाल घर से निकलना हुआ मुश्किल: एक सप्ताह से निरंतर हो रही वर्षा ने ताप्ती वार्ड वासियों का जीना दूबर कर रखा है संपूर्ण वार्ड में जगह-जगह पानी भर गया है रास्ते जलमग्न हो गए हैं और लोगों के घरों में पानी घुस रहा है । ताप्ती वार्ड पार्षद निर्मला उबनारे बताती है कि

अधिकारियों से अनेक बार आग्रह के बाद भी किसी ने वार्ड की सुध नहीं ली। नगर पालिका ने एक दो स्थान पर दो-तीन ट्राली बजरी डालकर इति श्री कर दी और पुरा वार्ड जलमग्न है। रोजमर्रा के कामकाज ठप हो गए हैं बच्चों का स्कूल जाना कठिन हो गया है। ताप्ती वार्ड में नाली बनाने के लिए चुना डाल दिया गया था किंतु उसके बाद काम बंद करके दूसरे वार्ड में नाली निर्माण चालू कर दिया गया वार्ड के कामों में भी कांग्रेस भाजपा के नाम पर भेदभाव किया जा रहा है जो कि अनुचित है। उल्लेखनीय की नगर की जल भराव की समस्या को देखते हुए सिविर लाइन प्रोजेक्ट बनाया गया था 6 करोड़ के प्रोजेक्ट के लिए नगर की 25 करोड़ की सड़के तोड़ दी गई और ठेकेदार को पूरा भुगतान कर दिया गया ठेकेदार कार्य अधूरा छोड़कर लापता है। नेताओं ठेकेदारों और अधिकारियों की मिली भगत का खामियाजा जनता वर्षा काल में जल भराव की समस्या से चुका रही है।

अंम्भोरी में गिरी घर की दीवार गृहस्ती हुई बर्बाद: ग्राम अम्भोरी में ग्रामीण बाबूराव कंगाली का कच्चा मकान बना हुआ था। क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के कारण उनके घर की एक दिवाल अचानक से गिर गई। दिवाल गिरने से घर बुरी तरह से छतिग्रस्त हो गया। घर में रखा ग्रहस्ती का सामान भी बर्बाद हो गया। बाबूराव ने बताया की जैसे तैसे वे खेती मजदूरी करके अपना घर चलाते थे। घर कच्चा मिट्टी का बना हुआ था। लगातार बारिश से दिवाल गीली हो गई और भरभरा कर गिर गई। गनीमत रही की इसकी चपेट में कोई नही आया।

बारिश से गड्ढों में तब्दील हुई सड़कें आवाजाही में होती है परेशानी

बैतूल। शहर के कई प्रमुख मार्गो और वार्डो की सड़कें बारिश से गढ्डों में तब्दिल हो गई है। सड़कों में गढ्डे पड़ने से कई वाहन चालक हादसे का शिकार हो रहे है। कुछ जगह नगरपालिका ने डस्ट डालकर गढ्डे भरे है, लेकिन कुछ ही दिन में फिर सड़कों पर गढ्डे बन गए है। बारिश के पहले सड़कों का निर्माण हो जाता तो आज शहरवासियों को खराब सड़कों से परेशान नहीं होना पड़ता। नगरपालिका ने शहर की कई प्रमुख सड़कें और वार्डो की सड़कों में डामरीकरण करने के टेंडर हुए, लेकिन नगरपालिका बारिश के पहले सड़कों का निर्माण नहीं कर सकी। हालात यह है कि बारिश के समय कई सड़कों पर गढ्डे बन गए है। यह गढ्डे दुर्घटनाओं को आमंत्रण दे रहे है। बारिश के समय गढ्डों में जलभराव होने के कारण गढ्डे समझ नहीं आते और वाहन चालक हादसे का शिकार हो जाते है। शहर के कुछ वार्डो के हालात तो यह है कि पैदल आवाजाही में परेशानियों का सामना करना पड़ता है। सड़कों पर बारिश के पानी से तालतलैया जैसी स्थिति निर्मित हो रही है। कॉलेज चौक मुख्य चौराहा पर एक बड़ा गढ्ढा हो गया है, यहां कई दोपहिया वाहन चालक गढ्डे के कारण हादसा का शिकार हो गए।

नगरपालिका ने अभी तक इस गढ्डे में भराव नहीं किया है। ऐसा लग रहा है कि अधिकारी और बड़ा हादसा होने का इंतजार कर रहे है।

डस्ट डालने के कुछ दिन बाद फिर गड्ढे

नगरपालिका ने कुछ सड़कों के गढ्डे डस्ट डालकर भरे है, लेकिन कुछ ही दिन बाद फिर गढ्डे हो गए है। अभी बारिश होने के कारण नगरपालिका खराब सड़कों में डामरीकरण भी नहीं कर पा रही है। शहरवासियों को बारिश भर गढ्डों भरी सड़कों से चलना पड़ेगा। बारिश खत्म होने के बाद ही सड़कों की अच्छे से मरम्मत हो पाएगी। खराब सड़कों के कारण शहरवासी परेशान है।

बैतूल जिले में लगातार बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त

बैतूल। पूरे नर्मदापुरम संभाग में इन दिनों मानसून खासा मेहरबान है। शनिवार की रात से शुरू हुई रिमझिम बारिश की झड़ी के बाद आज रविवार को सुबह 10.30 बजे के बाद से भी जोरदार बारिश होना शुरू हो गई, जो लगभग दिनभर होती रही। लगातार बारिश से बैतूल शहर के कई प्रमुख मार्गो और वार्डो की सड़कें बारिश से तालाब में तब्दिल हो गई है। जिससे यातायात व्यवस्था के साथ-साथ जनजीवन भी अस्त-व्यस्त हो गया। आज जिला मुख्यालय में तेज बारिश के चलते रविवार के साप्ताहिक बाजार में भी अपरा-तफरी का माहौल रहा। आज बैतूल में कुल 46.02 मिमी बारिश हुई, वहीं अभी तक इस वर्ष कुल 456.02 मिमी बारिश हो चुकी है।

लगातार बारिश से गिरी मकान की दीवार, घर में सो रही महिला दबी, बच्चे बाल-बाल बचे

बैतूल। आज रविवार को दिनभर जोरदार लगातार बारिश होती रही। शनिवार को रात में भी बारिश होने से अब कच्चे मकानों के ढहने की घटनाएं भी ज्यादा होने लगी हैं। बैतूल मुख्यालय से सटे गांव भारत भारती में घर की कच्ची दीवार अचानक गिर गई। जिससे घर में सो रही महिला दब गई। उसे गंभीर चोटें आने पर फिलहाल जिला अस्पताल बैतूल में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मल्लो धुर्वे उम्र 35 वर्ष निवासी ग्राम भारत भारती महिला शनिवार अपने घर में सो रही

थी। तभी बारिश के कारण घर की कच्ची दीवार अचानक महिला के ऊपर गिर गई। जिसमें महिला के पैर में गंभीर चोट आई। इसकी जानकारी परिजनों और पड़ोसियों को लगी तो वे घटनास्थल पर पहुंचे और दीवार को हटाकर उसमें दबी महिला को बाहर निकाला गया। इसके बाद 108 एंबुलेंस को सूचना देकर मौके पर बुलाया गया और उससे महिला को गंभीर हालत में जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया है। घायल महिला मल्लो धुर्वे ने बताया है कि वह मजदूरी का काम करती है। बारिश के कारण शनिवार को वह काम पर नहीं गई थी। दोपहर में वह अपने बच्चों और अपनी मां के साथ घर पर सो रही थी इसी दौरान लगातार हो रही बारिश से मिट्टी की दीवार अचानक ही महिला के ऊपर गिर गई, जिसमें दबकर महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। इस पूरे हादसे में महिला के बच्चे और उसकी मां बाल बाल बच गए। फिलहाल घायल महिला को जिला अस्पताल के ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है जहां पर डॉक्टरों द्वारा महिला का उपचार किया जा रहा है।

नागदेव मंदिर से निकली कावड़ यात्रा तप्तेश्वर मंदिर में किया अभिषेक

- महिला मंडल द्वारा प्रतिवर्ष निकाली जाती है कावड़ यात्रा

बैतूल / मुलताई। नागदेव मंदिर समिति की शिवभक्त महिला मंडल व युवाओं मंदिर समिति तत्वावधान में क्षेत्र की खुशहाली के लिए कावड़ यात्रा निकली गई। सावन की

रिमझिम बारिश में गाजे बाजे से नागदेव मंदीर नेहरु वार्ड से निकाली गई कावड़ यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल हुई उल्लेखनीय है कि नागदेव मंदिर से प्रतिवर्ष कावड़ यात्रा निकाली जाती है ताप्ती जल से भोलेनाथ का जल अभिषेक कर खुशहाली की मनौती मानी जाती है। इस वर्ष भी ताप्ती तट पर स्थित प्रसिद्ध तप्तेश्वर मंदिर में ताप्ती जल से भोलेनाथ का अभिषेक कर. ताप्ती परिक्रमा के पश्चात नागदेव मंदीर में शिवलिंग अभिषेक व पुजन पाठ कर आरती के पश्चात समापन किया गया। जिसमें नागदेव मंदिर समिति नेहरू वार्ड, हर सावन मास सोमवार को कांवड़ यात्रा निकलेगी जावेगी जो कि प्रसिद्ध भोलेनाथ बाबा के मंदिरो में बाबा का अभिषेक किया जायेगा इस कांवड़ यात्रा को सफलता बनाने में नागदेव मंदिर समिति के शिवभक्तों महत्वपूर्ण भूमिका रही।

अमनो अमान ,खैर-बरक़त की दुआ के साथ संपन्न हुआ इज्तिमा

- जिले भर के मुस्लिम विद्वानों ने की शिरकत

बैतूल /मुलताई। नगर की जामा मस्जिद में एक दिनी इज्तिमा रखा गया,जिसमे जिले भर से आए तबलीगी जमात के लोगों ने शिरकत की। एक दिनी इज्तिमा के माध्यम से शामिल हुए मुस्लिम विद्वानों ने अपने बयान में देश में अमनो अमान और

एकता भाईचारे का पैगाम दिया।खैर-बरकत की दुआ एवं गुनाहों की माफी मांगी इस इज्तिमा में दीनी तालीम और सीखने सिखाने के साथ ही आकोला से आए मौलाना मुफ्ती मेहमूद साहब और नागपुर से आए मास्टर शरिफ साहब के बयान रखे गए। इज्तिमा को सफल बनाने अंजुमन इस्लामिया कमेटी मुलताई,जामा मस्जिद वर्किंग कमेटी सहित मदरसा फैजुल कुरान के सभी मेंबरान का सहयोग प्राप्त हुआ। जिले भर से आए तबलीगी जमात के साथियों के लिए ताम (खाने) सहित अन्य इंतजाम किए गए,एक दीनी जोड़ को सफल बनाने स्थानीय प्रशासन नगर पालिका सहित पुलिस प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। वही नगर में हो रही लगातार बारिश से जमात के साथियों के जोश में कोई कमी नहीं देखी गई,सभी अपनी अपनी जिम्मेदारियों को अंजाम देते दिखाई दिए।

पति मजदूरी करने गया, इधर पत्नी ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

बैतूल। जिले के बैतूलबाजार थाना क्षेत्र के ग्राम थावड़ी में एक महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटना स्थल का निरीक्षण किया। फांसी लगाने का कारण अभी सामने नहीं आया है। मृतिका का जिला चिकित्सालय में पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया है । पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक अनिता पिता बाबाराव (35) निवासी थावड़ी ने शनिवार शाम को घर में ही नायलोन की रस्सी से फंदा बनाकर घन की मयाल से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जब शाम को पति घर आया तो उसे घटना के बारे में जानकारी लगी । बताया जा रहा है कि महिला का पति बाबाराव मजदूरी करने के लिए बाहर गया था, पत्नि घर पर अकेली थी। महिला का एक लड़का और एक लड़की भी है। घटना के समय घर पर दोनों बच्चे भी नहीं थे। पुलिस का कहना है कि अभी तक आत्महत्या करने का कारण सामने नहीं आया है। महिला की मौत के संबंध में परिजनों से पूछताछ की जाएगी। पूछताछ करने के बाद ही आत्महत्या करने के संबंध में कोई जानकारी सामने आएगी। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

अनारक्षित वर्ग की मतगणना स्थगित

बैतूल। बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित चिचोली के चुनाव में उम्मीदवार का नाम मतपत्र पर गलत छपने के कारण लगाई गई आपत्ति के बाद अनारक्षित वर्ग की मतगणना स्थगित कर दी गई है। अनारक्षित वर्ग के 8 संचालक के लिए चुनाव हो रहा था। सोसायटी में 11 संचालकों के लिए चुनाव हुआ था जिसमें 2 संचालक अनारक्षित महिला वर्ग, 1 संचालक अनुसूचित जनजाति वर्ग का हो गया है और इनके चुनाव परिणाम की घोषणा कर दी गई है। चुनाव को लेकर रिटर्निंग अधिकारी आर बडियालकर ने बताया कि बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित चिचोली के 11 संचालक के लिए कल मतदान हुआ था। और रात में मतगणना की गई। इस दौरान अनारक्षित महिला वर्ग के 2 संचालक और अनुसूचित जाति वर्ग के 1 संचालक की मतगणना हो गई और चुनाव परिणाम भी घोषित कर दिए गए। इसके अलावा रात ही में अनारक्षित वर्ग के 8 संचालकों के पद के लिए हुए मतदान की मतगणना की जा रही थी। मतगणना के अंतिम चरण में आपत्ति लगाई गई कि क्र. 1 के उम्मीदवार आर्य आकाश पिता प्रमोद के स्थान पर मतपत्र में आर्य प्रकाश पिता प्रमोद प्रकाशित हो गया है जो कि गलत है। श्री बडियालकर ने कहा कि यह मुद्रण त्रुटि है जिसके कारण संज्ञान में आने के बाद अनारक्षित वर्ग की मतगणना स्थगित कर दी गई है। श्री बडियालकर का कहना है कि आम सभा में अनारक्षित वर्ग के 8 पदों का मतदान एवं आगामी कार्यक्रम हेतु पुनरू निर्वाचन कार्यक्रम नियत कर सूचित किया जाएगा। मतगणना स्थगित की जानकारी उच्चाधिकारियों को भी भेजी गई है।

एमपीपीएससी चयनित संदीप धुर्वे का सेवा भारती परिवार द्वारा राज्यपाल के हाथों किया सम्मानित

भौरा। ब्लॉक के ग्राम कामठी के युवा संदीप धुर्वे ने मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (MPPSC) की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। संदीप धुर्वे की इस सफलता पर उन्हें संकल्प परिवार सेवा भारती के द्वारा महामहिम राज्यपाल श्री मंगूभाई पटेल के हाथों सम्मानित किया गया। यह सम्मान समारोह जिले व क्षेत्र के लिए गर्व का क्षण था, जिसमें संदीप धुर्वे की कड़ी मेहनत और समर्पण को सराहा गया। संदीप धुर्वे ने अपनी शिक्षा और तैयारी के दौरान अनेक चुनौतियों का सामना किया, लेकिन अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति और मेहनत से उन्होंने MPPSC परीक्षा में सफलता प्राप्त की। उनका यह सफर अन्य युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बना है, जो कठिन परिस्थितियों के बावजूद अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने की चाह रखते हैं। संकल्प परिवार सेवा भारती ने संदीप धुर्वे को सम्मानित कर न केवल उनकी मेहनत को सराहा, बल्कि युवाओं को समाज सेवा और शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता की ओर प्रेरित करने का प्रयास किया है। इस अवसर पर महामहिम राज्यपाल मंगूभाई पटेल ने भी संदीप धुर्वे को बधाई देते हुए कहा संदीप धुर्वे ने अपनी लगन और परिश्रम से यह सिद्ध कर दिया है कि संकल्प और समर्पण से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। उनकी यह उपलब्धि न केवल उनके

परिवार बल्कि पूरे राज्य के लिए गर्व का विषय है। संदीप धुर्वे ने इस सम्मान को पाकर अपनी खुशी और आभार व्यक्त करते हुए कहा, यह सम्मान मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण है और मुझे आगे भी समाज सेवा और शिक्षा के क्षेत्र में काम करने के लिए प्रेरित करेगा। मैं अपने माता-पिता, गुरुओं और दोस्तों का आभार व्यक्त करता हूं, जिनकी सहायता और समर्थन से मैं इस मुकाम तक पहुंच पाया। संदीप धुर्वे की इस उपलब्धि पर उनके परिवार, मित्रों और क्षेत्र के नागरिकों ने भी हर्ष व्यक्त किया है। उनके इस सफलता की कहानी ने युवाओं में नई ऊर्जा और प्रेरणा का संचार किया है, जिससे वे भी अपने सपनों को साकार करने की दिशा में कदम बढ़ा सकें।

आटो की किराए सूची नहीं बनी तो कार्रवाई के लिए रहे तैयार यातायात पुलिस

बैतूल। रेलवे स्टेशन, बसस्टैंड सहित शहर में चलने वाले ऑटो चालकों पर नकेल कसने के लिए एसपी निश्चल झारिया के निर्देश के बाद यातायात पुलिस ने ऑटो चालकों की बैठक ली है। बैठक में यह साफ कर दिया है कि किसी भी स्थिति में परिवहन नियमों के खिलाफ ऑटो का संचालन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यातायात प्रभारी गजेंद्र केन के मुताबिक पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित बैठक में ऑटो यूनियन के पदाधिकारियों समेत बड़ी संख्या में ऑटो चालक शामिल हुए थे। परिवहन नियमों की चर्चा करते हुए ऑटो चालकों को निर्देशित किया है कि अपने ऑटो से संबंधित सभी दस्तावेज दुरुस्त रखे जाएं। दस्तावेज दुरुस्त ना होने की दशा में ऑटो चालकों को 10 अगस्त तक कि डेडलाइन भी दी गई है। 10 अगस्त के बाद यदि किसी भी ऑटो चालक के पास दस्तावेज दुरुस्त नहीं पाए जाते हैं तो उसके खिलाफ नियमों के तहत कार्यवाही की जाएगी। इसके लिए खुद आटो चालक ही जिम्मेदार होंगे।

बैठक में स्पष्ट निर्देश: बैठक में शहर में दूरियों के हिसाब से ऑटो किराया तय किए जाने पर भी चर्चा की गई है। केन ने बताया कि कई बार यह शिकायतें मिलती रही हैं कि कुछ ऑटो चालक सवारियों की मजबूरी का बेजा फायदा उठाते अधिक किराया वसूल करते हैं। बैठक में ऑटो चालकों को निर्देशित किया गया है कि जल्द ही दूरी के हिसाब से किराए की सूची बनाई जाकर परिवहन और यातायात पुलिस को दी जाए। इस सूची का अध्ययन कर किराया सुनिश्चित किया जाएगा। तय की गई सूची के आधार पर ही ऑटो चालक सवारियों से किराया वसूल कर सकते हैं। यदि कोई ऑटो चालक सूची से अधिक किराया वसूल करता है तो ऑटो सवारी ऑटो का नंबर नोट कर इसकी शिकायत यातायात थाने में दर्ज करवा सकते हैं। केन ने बताया कि बैठक के दौरान ऑटो चालकों को दस्तावेज दुरुस्त करने के साथ साथ किराये का निर्धारण अविलम्ब किए जाने के लिए निर्देशित किया गया है साथ ही यह भी चेतावनी दी गई है कि समय सीमा खत्म होने के बाद कि जाने वाली कार्यवाही के लिए ऑटो चालक स्वयं जिम्मेदार होंगे।

भौरा नगर में आधार कार्ड सेंटर पड़ा है बंद, ग्रामवासियों की हो रही परेशानी

भौरा। नगर में आधार कार्ड सेंटर की कमी ने स्थानीय लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। पहले यहां एक आधार कार्ड सेंटर था, लेकिन पिछले तीन महीनों से वह बंद पड़ा है। सेंटर की आईडी भी बंद कर दी गई है, जिससे अब यहां कोई भी आधार कार्ड संबंधित सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं। इस सेंटर के बंद होने से नगरवासियों को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। आधार कार्ड में संशोधन या नए कार्ड बनवाने के लिए उन्हें 10 किलोमीटर दूर शाहपुर जाना पड़ता है। यह दूरी बुजुर्गों, विकलांगों, महिलाओं और बच्चों के लिए विशेष रूप से कठिन साबित हो रही है। इसके अलावा जिनके पास परिवहन साधन नहीं हैं, उनके लिए यह समस्या और भी विकट हो जाती है। नगर के अश्वनी दुबे, सुमित तिवारी , आनंद गुप्ता, राजेश कहार, हीरालाल, दिवेश तोमर, निक्की मिश्रा, मनोज राठौर, विक्की दुबे, जावेद खान का कहना है कि शाहपुर तक पहुंचने के लिए उन्हें अतिरिक्त समय और धन खर्च करना पड़ता है। यह न केवल आर्थिक बोझ बढ़ाता है बल्कि समय की भी बर्बादी होती है। कई बार शाहपुर के सेंटर पर भी भीड़ ज्यादा होती है, जिससे लोगों को लंबी कतारों में खड़ा रहना पड़ता है। इससे उनका पूरा दिन बर्बाद हो जाता है। नगर के नागरिकों ने इस समस्या को हल करने के लिए प्रशासन से गुहार लगाई है। उनका कहना है कि आधार कार्ड सेंटर की तत्काल बहाली की जानी चाहिए, ताकि लोगों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। आधार कार्ड सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने और पहचान पत्र के रूप में महत्वपूर्ण होता है, इसलिए इसकी उपलब्धता सभी के लिए जरूरी है। प्रशासन को इस दिशा में शीघ्र कदम उठाने की आवश्यकता है। आधार कार्ड सेंटर की पुनः स्थापना से नगरवासियों की समस्याएं कम होंगी और उन्हें बेहतर सेवाएं मिलेंगी। ग्रामवासी उम्मीद करते हैं कि उनकी समस्याओं को गंभीरता से लिया जाएगा और जल्द ही इसका समाधान निकाला जाएगा।

ग्रामीणों को हो रहा आर्थिक नुकसान-- नगर में एकमात्र आधार सेंटर के बंद होने से ग्रामीणों को आर्थिक नुकसान का भी सामना करना पड़ रहा है ग्रामीण क्षेत्र के लोग 10 से 20 किलोमीटर का सफर तय कर शाहपुर पहुँचते है लेकिन आधार सेंटर बंद होने के चलते उनका काम नही हो पा रहा है जिससे उनको बार बार शाहपुर पहुँचना पड़ रहा है जिससे ग्रामीण क्षेत्र के लोगो को आर्थिक नुकसान हो रहा है।

ब्लॉक मुख्यालय के चक्कर लगा रहे लोग-- नगर का आधार सेंटर बंद होने से जिन लोगों को आधार सुधरवाना है उनको नगर से ब्लॉक मुख्यालय शाहपुर या फिर बेतुल जाना पड़ रहा है क्योंकि आसपास ओर कही भी आधार सेंटर चालू नही है जिससे लोगो को आर्थिक नुकसान के साथ कई कई दिन चक्कर लगाने पड़ रहे है क्योंकि वहाँ पर भी सैकड़ो लोग आधार बनवाने, सुधरवाने पहुँच रहे है। लेकिन प्रतिदिन एक तय सीमा में ही आधार कार्ड सुधार के साथ नए बनाने का कार्य हो पा रहा है जिससे लोग परेशान है।

इनका कहना-

भौरा आधार केंद्र विगत तीन माह से बंद है। आधार केंद्र का सुपरवाइजर ब्लैकलिस्टेड हुआ था, इसलिए सेंटर बंद हो गया है। हमने यहां से पूरा फॉर्म भेज दिया है। जो एमपी एसीडीसी को जैसे ही प्रूडेंशियल आएगी, यहां पर केंद्र चालू हो जाएगा।

--कमलेश रघुवंशी, प्रबंधक सी ए सी बैतूल

अंतर्राराष्ट्रीय बाघ दिवस 29 जुलाई पर शेर खान का विशेष साक्षात्कार (व्यंग्य)

खास कार्यक्रम 'जंगल की बात' में शेर खान के जवाब

अवनीश सोमकंवर

आप सभी को सादर नमस्कार,

हमारे चैनल के खास कार्यक्रम 'जंगल की बात' में आपका स्वागत है। दर्शकों, आज हम आपको एक ऐसे व्यक्तित्व से मिलवाने जा रहे हैं जो हमेशा चर्चा में रहते हैं। वैसे आप अपने निवास से बाहर कम ही निकलते हैं लेकिन इन दिनों ये राजधानी दिल्ली में आये हैं। हम खुशनसीब हैं कि इतनी बड़ी शख्सियत ने सिर्फ हमारे चैनल को ही विशेष साक्षात्कार देने के सहमति दी है। इनसे मिलना और बात करना हमारे लिये गर्व की बात है। आप ऐसे भव्य व्यक्तित्व हैं जिन्हें कोई अकेले में देख ले तो सिट्टी-पिट्टी गुम हो जाती है। तो आइये हम बात करते हैं शेर खान 'शेर' से और पूछते हैं उनसे मौजूदा हालात पर कुछ सवाल।

सवाल - सर, आप हमेशा चर्चा में रहते हैं। इन दिनों आप राजधानी दिल्ली में हैं। आप कब से हैं यहां और क्या भाभीजी और बच्चे भी साथ हैं ?

जवाब - फिलहाल अकेला आया हूं। जंगल में बेदखली की मार झेल रहा हूं। पढ़ने में आया कि संसद में जोर-शोर से मुझे बचाने को लेकर चिंता हो रही है। इसलिए चला आया।

सवाल - आपको किससे खतरा है ?

जवाब - देखिए सबसे बड़ा खतरा तो मुझे कमबख्त चीन से है। यदि मैं इनके हाथ लग जाऊं तो मेरी एक एक चीज नोच लेंगे। दवाई बना डालेंगे। ये लोग सोचते हैं कमबख्त कि मुझे मारकर मेरी तरह बन जाएंगे। अब इनकी निगाह गधों पर भी पड़ गई है। सांप-बिच्छू, केकड़े, ऑक्टोपस से डरना तो इन्होंने कभी का छोड़ दिया था।

सवाल - इनके अलावा और किससे खतरा महसूस करते हैं ?

जवाब - देखिए, बुरा मत मानना। तुम लोग भी कम खतरनाक नहीं हो। वो एक चैनल है तुम्हारा जात भाई। तुम तो सिर्फ न्यूज़ दिखा के रह जाते हो और वह कमबख्त डिस्कवरी चुप-चुप के हमारे पीछे पड़ा रहता है। सोना-उठना, बैठना मुश्किल हो गया है। रात भर जागता हूं कि कैमरा लगा दिया होगा। तुम्हारी भाभी कहती है कि कितने साल हो गए। सिर्फ दो ही बच्चे हैं। कौन नाम लेगा तुम्हारा। यह मेरा दुश्मन है। उठते-बैठते शिकार करते, आराम करते, सोते हर वक्त इस चैनल के आदमी आस-पास रहते हैं। मैं पूछता हूं कि और कितना दिखाओगे हमें ?

सवाल - ये लोग आप से डरते नहीं क्या ?

जवाब- अरे साहब बहुत बदतमीज हैं। दर्जनों चड्डियाँ लेकर चलते हैं। कैमरे से नहीं हटते कमबख्त। कहते हैं कि एक-एक शॉट के लिए जान दे देंगे। अब चैनल की नौकरी करते हैं बेचारे। रहम भी आता है इन पर। पहले तो हम दहाड़ लगा देते थे। इनकी टट्टी-पेशाब निकल आती थी। फिर महीनों नहीं फटकते थे। अब तो दहाड़ लगाने के लिए मुंह खोलने की देर है पूरा कैमरा लगा देते हैं। दांत-जीभए जबड़ेए गला सब देखने की कोशिश करते हैं।

सवाल - अच्छा छोड़िये। हमारे दर्शकों को यह बताइए कि आपके जीवन में सबसे सुखद, दुखद और आश्चर्यजनक समय कौन सा रहा ?

जवाब - देखिए मुझे सबसे ज्यादा दुख तब हुआ जब कमबख्त इंसान ने बीड़ी जैसी चीज पर मेरा फोटो लगा दिया और बड़ी बेशर्मी से कहना शुरू किया है कि शेर छाप बीड़ी पियो। शेर जैसा बन जाओगे। मुझे बहुत शर्मिंदगी होती है शेर बीड़ी को देखकर। जहाँ तक खुशी का सवाल है मुझे सबसे ज्यादा खुशी तब हुई जब सरकार ने कहा कि शेरों को बचाने की मुहिम चलेगी। हालांकि कई दिनों तक नहीं बताया किससे बचाना है। सबसे आश्चर्यजनक दिन मेरे लिए वह था जब पिछले साल आपकी तरह के बड़े चैनल पर बड़े-बड़े विशेषज्ञ जोर- जोर से मेरे बारे में चर्चा कर रहे थे। मैं भी कुछ कहना चाहता था इसलिए दो मिनट के लिए स्टूडियो में आ गया था।

सवाल - अच्छा फिर क्या हुआ था ? आप अपनी बात कह पाए या नहीं ?

जवाब - अरे कहां की बात करते हैं। हमें मौका ही नहीं मिला। पूरा स्टूडियो खाली हो गया। अफरातफरी मच गई। कोई टेबल के नीचे, कोई बाथरूम में घुस गया। कैमरामैन सामने पड़ गया। कह रहा था उसकी कोई गलती नहीं है। छोटे.छोटे बच्चे हैं। जाने दो। फिर वो एंकर लड़की जोर-जोर से रोने लगी। कह रही थी अभी-अभी मंगनी हुई है। पूरा कैरियर है सामने। अब तो सरकार भी कह रही है बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ। जब बचूंगी तभी तो पढूंगी प्लीज। मेरी समझ नहीं आया। बाजू मुड़ा तो कांच के केबिन में एक्सपर्ट घुसा था। कांपते हए एक टक मुझे देख रहा था। मैंने मिर्ज़ा शौक का अपना पसंदीदा शेर पढ़ दिया - 'देख लो आज हमको जी भर के, कोई आता नहीं फिर मर के।' शेर सुनते ही बेहोश हो गया। फिर मैं घबराकर लौट गया। बाद में एक दिन और दूसरे चैनल पर वैसी ही बहसबाजी चल रही थी। फिर पुराना वाकया याद करते मैंने अनसुना कर दिया। मन की बात मन में ही है। जैसे तुम लोगो की रह जाती है। एक और बड़ी अजीब बात सुनता हूं तो और ज्यादा आश्चर्य होने लगता है। मां दुर्गा से प्रार्थना करता हूं कि ऐसा काम मुझसे न करवाए कभी।

सवाल - ऐसी कौन सी बात सुन ली आपने?

जवाब - अरे तुम नहीं सुने क्या आपके पंजाब से आई है। बात बात में कहते है तू शेर दा पुत्तर है। मालूम कई घर बर्बाद हो गए।

सवाल - आखिर आपकी परेशानी क्या है ?

जवाब - अरे हमारी कोई परेशानी नहीं है यार। सब परेशानी है इंसान की है। जब देखो जंगल की तरफ भटकता रहता है। अरे साहब 'इंसान की ख्वाहिशों की कोई इंतहा नहीं, दो गज जमीन चाहिए दो गज कफन के बाद।' बरसों पहले कैफी आज़मी कह गये। सरकारों ने इतनी आवास योजनाएं बना दी है फिर भी जंगल में घुसना नहीं छोड़ता। तुम भी अपने चैनल के जरिए समझाओ इसे और सरकार को भी।

सवाल - अच्छा आगे बढ़ते हैं अगले सवाल पर। आज-कल क्या लिख-पढ़ रहे हैं ?

जवाब - अरे बड़ा अजीब सवाल किया आपने। देखिए आपका पूरा इंटरव्यू बिगड़ जाएगा। दहाड़ मारने का मन कर रहा है लेकिन मन मार कर हम जवाब दे रहे हैं।

सवाल - हां आप तो अपनी बात जारी रखें।

जवाब - मैं सिर्फ यह कह रहा था कि हम पढ़े-लिखे नहीं हैं लेकिन हर पढ़ा-लिखा आदमी हमारा नाम लेता है। हमारे ऊपर करोड़ों लोग किताबें लिख चुके हैं और करोड़ों लोग लखपति बन गए हैं। हजारों लोगों ने फिल्में बनाई। हमने कुछ नहीं कहा। एक आदमी ने तो हमको आदमखोर भी घोषित कर दिया और किताब लिख दी 'मैन ईटर्स ऑफ कुमाऊं'। मुझे लगता है इसे ज्यादा लोगों ने नहीं पढ़ा नहीं तो हमारे इतने करीब नहीं आ पाते। एक और जमात है पढ़े-लिखो की। उर्दू शायरों की जमात। एक जगह पर इकट्ठा हो जाते हैं। एक माइक पकड़ लेता है कई लोग सामने बैठे रहते हैं। फिर एक शायर आता है। कहता है एक शेर अर्ज करता हूं। कभी कहता है ताजा शेर है सुन लें। सोच रहा हूँ होने दो मुशायरा इस बार मैं खुद ही पेश हो जाता हूं और फिर कहूँगा हूं कि अब सुनाओ ताजा ग़ज़ल।

सवाल - अरे आप गुस्सा मत हो जाने दो। इनसे आपको कोई खतरा नहीं है।

जवाब - अच्छा। चलो ठीक है। लेकिन ये भी तो आखिर इंसान ही है। इनसे भी किसी को खतरा तो जरूर होगा। चलो छोड़ो अगला सवाल पूछो।

सवाल - आपने सुना होगा कि शेरों की संख्या अपने भारत में बढ़ गई है। कर्नाटका पहले टाइगर स्टेट था अब मध्य प्रदेश फिर से टाइगर स्टेट हो गया है। इस बारे में क्या कहना है?

जवाब - देखो भाई सीधी बात है। कौन हमारी गिनती करता है? कैसे करता है? कौन रिपोर्ट बनाता है? किसके लिए बनाता है? क्यों बनाता है? इसके पैसे कहां से आते हैं? हम तो एक ही बात जानते हैं कि यदि हम को ? जंगल में चैन से रहने दोगे तो हमारी इतनी संतानें हो जाएंगी कि इंसान को भी उनसे साथ मिलकर रहना पड़ेगा। अब तुम सोच लो। मैं हूं इसलिये तुम हो। इससे ज्यादा कुछ नहीं कहूंगा।

प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय में अध्ययन मंडल सदस्य नियुक्त

नरसिंहपुर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के मानविकी एवं समाज विज्ञान अध्ययन शाला के अधिष्ठाता और समाज शास्त्र व समाज कार्य विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर दिवाकर सिंह राजपूत नरसिंहपुर निवासी को कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय रायपुर छत्तीसगढ़ के अध्ययन मंडल में सदस्य मनोनीत किया गया है. प्रो राजपूत की नियुक्ति तीन वर्ष के लिए की गई है. प्रो राजपूत छत्तीसगढ़ के संत गहिरा गुरु सरगुजा विश्वविद्यालय अंबिकापुर, पंडित रविशंकर विश्वविद्यालय रायपुर, शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय रायगढ़ आदि विश्वविद्यालयों में भी अध्ययन मंडल के सदस्य हैं. छत्तीसगढ़ के अलावा मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड आदि प्रदेशों के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में विभिन्न समितियों के सदस्य हैं।

प्राणी मित्र समिति द्वारा पौधारोपण

एक पेड़ मां के नाम पर पौधारोपण

नरसिंहपुर। एक पौंधा मां के नाम पर गुरूपूर्णिमा के अवसर पर प्राणी मित्र समिति द्वारा द्वारा मुक्ति धाम में पौधारोपण किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुन्ना लाल जैन पंचायत पंच सुरेन्द्र सक्सेयना समिति प्रमुख डॉ विनय पटेलए चन्द्र भान मेहरा, विनोद सेन, पुष्पयराज दिवेदी,मनीष नामदेव, राजीव दुबे द्वारा आम, नीम, पीपल, गुलमोहर, अशोक एवं अन्यस पौंधो का रोपण किया गया। इस अवसर पर पौंधो को लगाकर संरक्षित किया गया। इस अवसर पर मुन्नुलाल जैन ने कहा की आज पर्यावरण के असंतुलित होने से अत्यमधिक पेड़ो के कटने से कही बाढ़ कही सूखा की स्थिति निर्मित हो रही है अत्येधिक गर्मी से ग्लेशियर पिघल रहे है। अब हमें अधिक से अधिक पौधारोपण कर पर्यावरण का संरक्षित करने की आवश्कयता पर बल दिया। समाजसेवी पंच सुरेनद्र सक्सेना ने कहा कि प्रतिवर्ष प्रत्येक व्यक्ति को 5 पौधो का संरक्षण किया जाये तो धरती को हराभरा किया जा सकता है आज पर्यावरण प्रदूषण के कारण जीव जंतुओ की अनेको प्रजातिया विलुप्त होने के कगार पर पहुंच गयी है अतरू उनका संरक्षण किये बिना विकास की कल्पना अधूरी है। डॉ विनय पटेल ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण जल संरक्षण के बिना विकास की कल्पधना नही की जा सकती वर्षा जल संरक्षण कर वाटर लेवल बढ़ाया जा सकता है यह एक कार्य सामूहिक रूप से करने की आवश्यटकता है। आज संपूर्ण विश्वक जलवायु परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। पर्यावरण को संतुलित करने में पेड़ पौंधो की अहम भूमिका है अतः पौधारोपण एवं संरक्षण सामूहिक रूप से करने की आवश्यकता पर बल दिया।

जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक 31 जुलाई को

नरसिंहपुर। जिले में चल रहे जलजीवन मिशन के अंतर्गत निर्माणाधीन कार्यों की समीक्षा के लिए जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में 31 जुलाई को प्रातः 11 बजे से आयोजित की जायेगी।

नर्मदापुरम में बह रही है रोज शिव भक्ति की बयार

नर्मदापुरम- संजीव डे राय

बाबा और बाबुओं के नगर में श्रावण मास नर्मदापुरम? वासियों के लिए भक्ति का वरदान लेकर आया है। इस समय नगर में जहां देखो वहीं भक्ति की बयार बह रही पूरा नगर इन दिनों भगवत आराधना में तल्लीन है। शिवालयों में भगवान शिव की आराधना इसमें प्रमुख हैं।

शिवालयों में भगवान शिव की आराधना सुबह से ही आरंभ हो जाती। भक्त सुबह स्नान कर शिव आराधना के लिए मंदिर पहुंच जाते और विधि-विधान से भगवान शिव की पूजा-अर्चना कर आध्यात्मिक प्रगति कर रहे। नर्मदा घाट स्थित विध्यांचल यात्री शेड में आचार्य सोमेश परसाई के सानिध्य में पूरे श्रावण मास चलने वाले शिव आराधना का एक अलग ही स्वरुप दिखाई देता है। एक तरफ धीर गंभीर अथाह जल राशि अपने आंचल में समेटे मां नर्मदा का विकराल रूप बिल्कुल शांत दिखाई देता तो दूसरी तरफ औघड़ दानी कहलाते भगवान शिव के होने वाले अभिषेक में

शामिल स्त्री पुरुषों का मंत्रों के मध्य शिव अभिषेक करने का कोलाहल मां नर्मदा के बहते कल-कल शब्द ध्वनि को पूरी करते महसूस होता हैं, आचार्य सोमेश परसाई के सानिध्य में शिव अभिषेक करने के लिए भक्त सुबह छह बजे से एकत्रित होना शुरू हो जाते।

जो शिव अभिषेक में उपयोग होने वाली सभी पूजा सामग्री के साथ एकत्रित होते और आचार्य श्री के आगमन होते ही ठीक साढ़े छह बजे से भगवान शिव की आराधना के साथ अभिषेक आरंभ कर देते, नर्मदा की मिट्टी से बनाए जाते करीब देढ़ फुट ऊंचे शिव लिंग की जिस भक्ति भाव से पूजा-अर्चना और अभिषेक किया जा रहा उसका वर्णन करना बस में नहीं, उसका आलौकिक आंनद अभिषेक में शामिल होकर ही लिया जा सकता है। भक्तों का तांता आचार्य श्री के मार्गदर्शन में यहां आध्यात्म उर्जा संग्रहित कर जीवन को धन्य कर रहे। भगवान शिवाषेक के पश्चात् प्रतिदिन सामाजिक उत्थान के आचार्य श्री के प्रवचनों का मनन और ग्रहण कर जीवन का उद्देश्य बना लिया आचार्य श्री की वाणी का रसास्वादन और भक्ति रस में प्रगाढ़ता पाने के लिए के लिए एकत्रित होने वाली भीड़ को देखकर समझ आता है कि आचार्य का मुख्यालय पर शिव भक्ति को लेकर लोगों का उन पर अटूट विश्वास आजकल का नहीं लंबे समय की पूंजी है जो जनसाधारण तक को धार्मिक आयोजनों से जोड़े रखने में समर्थ हैं।

अतिथि शिक्षकों के साथ शासन का छलावा जारी

नरसिंहपुर। वर्षों से शासकीय विद्यालयों की नैया पार लगा रहे अतिथि शिक्षक आज न सिर्फ़ अपने भविष्य को लेकर चिन्तित हैं अपितु शासन की बेरुखी से त्रस्त भी।अतिथि शिक्षक यूँ तो अपने नियमितिकरण को लेकर समय-समय पर शासन-प्रशासन के समक्ष अपनी गुहार लगाते रहे हैं किन्तु अब तक उन्हें कोई सफलता हाथ नहीं लगी है।लोकसभा चुनाव के पूर्व मध्यप्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने बड़ी लोक लुभावन घोषणायें की थीं जिनमें वेतन वृद्धि के साथ शिक्षक भर्ती में 25 प्रतिशत की बजाय 50 प्रतिशत आरक्षण दिये जाने, प्रतिवर्ष चार व अधिकतम 20 बोनस अंक दिये जाने,शिक्षक पात्रता परीक्षा पास अतिथि शिक्षकों को शिक्षक भर्ती में अवसर दिये जाने,अतिथि शिक्षकों के एक वर्षीय अनुबंध के अलावा ऐसे अतिथि शिक्षक जो पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण नहीं हुए को विभागीय परीक्षा के माध्यम से शिक्षक भर्ती में लाभ दिये जाने की बात की गयी थी।उक्त सभी घोषणाओं में से यदि वेतन वृद्धि को छोड़ दिया जाये,तो शेष सभी घोषणायें महज़ छलावा ही सिद्ध हुई हैं।और तो और लोकसभा चुनाव के आसपास अतिथि शिक्षक पोर्टल पर अतिथि शिक्षकों के अनुभव तथा टीईटी उत्तीर्ण की जानकारी अपलोड करवायी गयी थी,जिससे अतिथि भर्ती से बाहर हो चुके पूर्व अतिथि शिक्षकों को यह आशा बँधी थी कि शायद इस बार उन्हें रोज़गार मिल सकेगा।

परन्तु उनके स्कोर कार्ड में न तो कहीं टीईटी उत्तीर्ण का उल्लेख किया गया एवं न ही अनुभव को वरीयता दी गयी अपितु वर्ष 2023-24 के स्कोरकार्ड पर ही भर्ती किये जाने के आदेश जारी कर दिये गये,जिसके चलते बेरोजगारी को प्राप्त हुए अतिथि शिक्षकों में निराशा का माहौल है। जिला अतिथि शिक्षक संघर्ष समिति से जुड़े अतिथि शिक्षकों ने माँग की है कि जब तक स्कोरकार्ड में अनुभव व टीईटी उत्तीर्ण होने की जानकारी शामिल न की जाये तब तक नयी भर्ती न की जाये।

जिला पर्यटन क्विज प्रतियोगिता का आयोजन

नरसिंहपुर। जिला पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद की अध्यक्ष तथा कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देशन व सीईओ जिला पंचायत श्री दलीप कुमार के मार्गदर्शन में जिला स्तरीय मप्र पर्यटन क्विज प्रतियोगिता- 2024 का आयोजन शनिवार 27 जुलाई को आयोजित किया गया। यह प्रतियोगिता मप्र पर्यटन बोर्ड, जिला पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद नरसिंहपुर तथा स्कूल शिक्षा विभाग के सहयोग से किया गया। पर्यटन प्रतियोगिता में जिले के कुल 170 शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के कक्षा 9 वीं से 12 वीं के मध्य पढ़ने वाले छात्र प्रतिभागियों की 03 सदस्यीय टीम का पंजीयन किया गया था। प्रतियोगिता में पंजीयन कराने वाले विद्यालयों के प्रतिभागियों ने अच्छी संख्या में अपने मार्गदर्शी शिक्षक के साथ प्रतियोगिता में सहभागिता की।

सर्वप्रथम प्रतियोगिता में सहभागिता करने वाली संस्थाओं/ विद्यालयों के प्रतिभागियों के मध्य लिखित परीक्षा का आयोजन प्रातः 10 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर में किया गया। लिखित परीक्षा में 100 प्रश्नों में पर्यटन, कलां, संस्कृति, सांस्कृतिक, कला संवर्धन, आध्यात्म परिवेश आदि से संबंधित थे। लिखित परीक्षा के परिणाम के आधार पर सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली प्रथम 06 टीमों में पहला पीएम श्री शासकीय उमावि

करकबेल, दूसरा शासकीय कन्या उमावि आमगांवबड़ा, तीसरा न्यू ऐज पब्लिक स्कूल गाडरवारा, चौथा पीएम श्री उमावि मुंगवानी, पांचवा शासकीय उमावि सर्रा और छठवां क्राइस्टचर्च कान्वेंट उमावि गाडरवारा का चयन मल्टी मीडिया क्विज हेतु किया गया। द्वितीय सत्र मल्टीमीडिया क्विज जो इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा। यह क्विज प्रतियोगिता का आयोजन प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नरसिंहपुर के ऑडिटोरियम में दोपहर 02.30 बजे से सायं 04.30 बजे तक किया गया। पीजी कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य श्री आरबी सिंह एवं प्रतियोगिता के प्रभारी अधिकारी एवं प्राचार्य उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर श्री जीएस पटेल, मप्र टूरिज्म बोर्ड जबलपुर से उपस्थित हुए श्री देवेन्द्र शर्मा एवं अन्य की उपस्थिति में सरस्वती पूजन किया गया। मल्टीमीडिया क्विज के लिये चयनित 06 टीमों के मध्य ऑडियो विजुअल तकनीक तथा मल्टीमीडिया के माध्यम से कौन बनेगा करोड़पति की तर्ज पर क्विज प्रश्न पूछे गये। मल्टीमीडिया क्विज प्रतियोगिता कुल 10 राउण्ड तक चली। इस दौरान दर्शकों से भी प्रश्न पूछे गये। प्रश्नों के उत्तर देने के लिए दर्शकों में भरपूर उत्साह देखा गया एवं प्रश्नों के सही जवाब देने पर उपहार देकर पुरस्कृत किया गया। प्रतिभागियों तथा दर्शकों ने प्रतियोगिता का उत्साहित होकर आंनद लिया। मल्टीमीडिया क्विज प्रतियोगिता में 03 विजेता दलों में प्रथम न्यू ऐज पब्लिक स्कूल गाडरवारा, द्वितीय शासकीय कन्या उमावि आमगांवबड़ा व तृतीय पीएम श्री शासकीय उमावि करकबेल और 03 उपविजेता दलों में प्रथम क्राइस्टचर्च कान्वेंट उमावि गाडरवारा, द्वितीय पीएम श्री उमावि मुंगवानी और तृतीय शासकीय उमावि सर्रा की टीम शामिल थी।

सभी विजेता एवं उपविजेता टीमों के प्रतिभागियों को मप्र टूरिज्म बोर्ड जबलपुर से आये श्री देवेन्द्र शर्मा एवं श्री जीए पटेल द्वारा मेडल, प्रमाण पत्र एवं कूपन देकर पुरस्कृत किया गया। अतिथियों ने विजयी प्रतिभागियों एवं भाग लेने वाले छात्र- छात्राओं से व्यक्तिगत बातचीत की और उनका उत्साहवर्धन कर उन्हें अच्छे भविष्य की शुभकामनायें दीं। प्रथम तीन विजेता टीमों को मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम के होटलों में आवास, भोजन की सुविधायुक्त दो रात्रि व तीन एवं तीन उपविजेता टीमों को एक रात्रि व दो दिन ठहरने के लिए उपहार कूपन प्रदान किये गये। साथ ही प्रतियोगिता में सहभागिता करने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किये गये। प्रतियोगिता की विजेता न्यू ऐज पब्लिक स्कूल गाडरवारा की टीम राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करेगी। प्रतियोगिता का मंच संचालन डॉ. अशोक उदेनिया व क्विज मास्टर और आभार श्री विवेक सिंह ने किया।

शहडोल में वनकर्मियों पर ट्रैक्टर चढ़ाने की कोशिश, वनभूमि पर कब्जा रोकने के लिए गए थे

एक वन कर्मचारी का मोबाइल भी छीन लिया

शहडोल (नप्र)। शहडोल जिले में सरकारी अधिकारी-कर्माचारी के ऊपर गाड़ी चढ़ाना, मारपीट कर छीना-झपटी करना आम बात हो गई। ताजा मामला शहर के अमझोर वन परिक्षेत्र से सामने आया है। यहां वन विभाग की जमीन पर कब्जा कर खेती की तैयारी करने गए एक दबंग को वन कर्मियों ने रोका तो नाराज दबंग दो वनकर्मियों पर ट्रैक्टर चढ़ाने का प्रयास करते हुए भाग निकला। कुछ देर बाद मौके पर पहुंचे दबंग के भाई ने भी वन अमले के साथ अभद्रता की और एक वनकर्मी का मोबाइल छीनकर भाग गया। इस घटना की लिखित शिकायत वन अमले की ओर से पुलिस में की गई, लेकिन पांच दिन बाद भी पुलिस ने आरोपितों पर कोई कार्रवाई नहीं की। वनकर्मी से मोबाइल छीने जाने का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बताया जाता है कि इस मामले में आरोपित दबंग और उसके स्वजन भाजपा विधायक व संगठन के पदाधिकारियों से दबाव डलवाने का प्रयास कर रहा है।

जुताई करने से मना किया

जानकारी के अनुसार अमझोर वन परिक्षेत्र के ग्राम महुआ टोला (पीएफ) कक्ष क्रमांक 450 के फारेस्ट लैंड में क्षेत्र के संजय जायसवाल अपने भाई के साथ मिलकर कब्जा कर जुताई कर रहे था। तभी मामले की जानकारी मिलते ही डिप्टी रेंजर रमजान मोहम्मद, परिक्षेत्र सहायक दिलीप पयासी, फॉरेस्ट गार्ड नारायण यादव, पोंडी चौकी बीट गार्ड असीम मिश्रा सहित अन्य वन कर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे और जुताई करने से मना किया।

ट्रैक्टर चढ़ाने की कोशिश की

इस पर दबंग ने डिप्टी रेंजर और परिक्षेत्र सहायक के ऊपर ट्रैक्टर चढ़ाने का प्रयास किया। इस दौरान दोनों ने किसी तरह से अपनी जान बचाई। इसके बाद दबंग मौके से ट्रैक्टर लेकर घर भाग निकला। इसी बीच संजय का भाई भी मौके पर पहुंच गया। उसने भी वन अमले के साथ अभद्रता की और एक वन कर्मी का मोबाइल छीनकर भाग खड़ा हुआ।

पुलिस ने दर्ज नहीं किया केस

इस मामले में वन विभाग की ओर से सीधी पुलिस में लिखित शिकायत भी दी जा चुकी है, लेकिन पुलिस ने अब तक केस दर्ज नहीं किया है। इधर, सीधी थाना प्रभारी राज कुमार मिश्रा का कहना है कि इस घटना को लेकर एक शिकायत मिली है, जिसकी जांच कराई जा रही है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार पिता-पुत्र की मौत, एक बेटा गंभीर

विदिशा(नप्र)। जिले के ग्यारसपुर थाना क्षेत्र में स्थित ग्राम मणिपुर के निकट नेशनल हाईवे 146 पर एक दर्दनाक हादसा हो गया। यहां एक बाइक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार पिता और उसके छोटे पुत्र की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं एक बड़ा बेटा गंभीर घायल हो गया। उसे इलाज के लिए विदिशा जिला चिकित्सालय में रेफर किया गया है। पुलिस ने मर्ग कायमी के बाद छानबीन शुरू कर दी है।

घर लौटते वक्त हुआ हादसा

मृतक के रिश्तेदार दिघोरा सरपंच महाराज सिंह अहिरवार ने बताया कि विजय अहिरवार (35 वर्ष) अपने दोनों बच्चों के साथ दोपहिया वाहन से गांव दिघोरा से विदिशा अपने घर जा रहे थे। रास्ते में किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आने से विजय और उनके पुत्र 6 वर्षीय जितेंद्र की मौत हो गई। मृतक विजय का बड़ा बेटा भूपेंद्र अहिरवार उम्र 9 वर्ष को गंभीर चोट आई है। उसका जिला चिकित्सालय में उपचार चल रहा है। हंड्रेड डायल ग्यारसपुर के आरक्षक संतोष मिश्रा और पायलट सोनू यादव के द्वारा पिता-पुत्र को ग्यारसपुर के समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां पर डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम के बाद दोनों के शव स्वजन के सुपुर्द कर दिए गए हैं। पुलिस टक्कर मारने वाले अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी है।

तेंदुए के हमले में 19 बकरियों की मौत

प्लांट में बंधी थी 30 बकरियां, 24 पर किया हमला

बुरहानपुर (नप्र)। जिला मुख्यालय से महज 5 किमी दूर ग्राम हतनूर में एक बकरी पालन प्लांट में देर रात करीब 11 बजे के आसपास वन्यप्राणी तेंदुए ने प्लांट के अंदर घुसकर बकरियों पर हमला कर दिया। हसमें 19 बकरियों की मौत हो गई। जबकि कुछ घायल भी हो गई। सूचना पर रविवार दोपहर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची मामले की जांच की जा रही है। बकरी पालन केंद्र संचालक मोहम्मद मोहसिन ने बताया प्लांट में 30 बकरियां बंधी थी। रात करीब 10.30 बजे से 11 बजे के बीच तेंदुए ने प्लांट के अंदर घुसकर बकरियों पर हमला कर दिया। उसने 24 बकरियों को हमले का शिकार बनाया जिसमें से 19 की मौत हो गई जबकि अन्य घायल है और कुछ सेफ है। यहां तैनात चौकीदार ने तेंदुए को देखा है।

एसडीओ बोले- पुष्टि होती है तो नियमानुसार मुआवजा मिलेगा

इसे लेकर बुरहानपुर वन विभाग एसडीओ अजय सागर ने कहा रात में सूचना मिली थी कि हतनूर क्षेत्र में तेंदुआ देखा गया फिर सुबह सूचना मिली कि बकरियों के एक बाड़े में वन्य प्राणी की ओर से हमला किया गया है। 16 बकरियां हताहत होने की जानकारी हमारे पास आई थी। मौके पर तेंदुए के पगमार्क भी मिले हैं। अगर जांच में यह पुष्टि होती है कि वन्य प्राणी से ही पशु हताहत हुए हैं। तो नियम के मुताबिक मुआवजा दिया जाएगा। एसडीओ ने कहा इस तरह के बाड़े जहां भी हैं वहां संचालकों को सुरक्षा के उपाय अपनाना चाहिए ताकि वन्यप्राणी अंदर न घुस सकें।

खुद को मरा साबित करने सहेली को रेलवे-ट्रैक पर फेंका

पत्थर से चेहरा बिगाड़ा, कॉलेज में अपने कपड़े पहनाए, ऐसी है धोखे की डरावनी कहानी

विदिशा (नप्र)। डेढ़ महीने पहले विदिशा में रेलवे ट्रैक पर बुरी तरह जख्मी मिली छात्रा अस्पताल से घर आ गई, लेकिन चहकने और उछलकूद करने वाली यह बेटी अब बिस्तर पर लेटी रहती है। 19 साल की गुनगुन मालवीय उर्फ नेहा को यह जख्म उसकी सहेली मुस्कान राजपूत ने दिए। उसकी प्लानिंग गुनगुन को मारकर खुद को मरा साबित करने की थी। घटना वाले दिन से मुस्कान फरार है। एसपी दीपक शुक्ला ने उस पर 10 हजार रुपए का इनाम घोषित किया है। जब गुनगुन घायल मिली, उसके बदन पर मुस्कान के कपड़े थे। पर्स, आई कार्ड और पासपोर्ट साइज फोटो भी मुस्कान का था। एक सुसाइड नोट भी मिला था। नोट में नाम मुस्कान और खुद की मर्जी से जाने की बात लिखी थी। गुनगुन का कहना है, मुस्कान ने कॉलेज में मेरे कपड़े पहने और अपने मुझे पहना दिए थे। मेरी बेस्ट फ्रेंड ने मुझे इस हाल में पहुंचा दिया...। विदिशा के तलैया मोहल्ला में पप्पू रजक रहते हैं। घर पर ही एक दुकान है, जहां वे लॉन्ड्री का काम करते हैं। चार बच्चे हैं। एक बेटा और तीन बेटियां। इनमें गुनगुन सबसे छोटी है, इसलिए सबकी चहेती भी है। पप्पू की यही लाड़ली बिटिया मौत के मुंह से बाहर निकलकर घर लौटी है।

शिनाख्त नहीं होने पर गुनगुन के परिवार को बुलाया

गुनगुन के परिवारवालों को भी लड़की को दिखाया गया, चेहरे के अलावा शरीर का ज्यादातर हिस्सा सफेद पट्टी से कवर था, इसलिए पहचान पाना थोड़ा मुश्किल हो रहा था। काफी देर तक देखने के बाद बहन की नजर पैर पर पड़ी। उसने पैर पर बंधे काले धागे और उस दिन उसके द्वारा लगाई गई नेल पॉलिश से उसकी पहचान हुई। लड़की की पहचान तो हो चुकी थी, लेकिन अब पुलिस के सामने सवाल खड़ा था कि आखिर ये गुनगुन है तो फिर मुस्कान कहां है। मुस्कान की सारी चीजें गुनगुन के पास कैसे आईं। इस सवाल का जवाब गुनगुन दे सकती थी, लेकिन वह जिंदगी के लिए जंग लड़ रही थी। पुलिस के सवालों के जवाब मिलते, इसके पहले ही गंभीर हालत होने से गुनगुन को भोपाल के एम्स अस्पताल रेफर कर दिया गया। 8 दिन इंतजार के बाद गुनगुन को कुछ देर के लिए होश आया। गुनगुन ने भी मुस्कान के बारे में पूछा और फिर बेसुध हो गई। 18 दिन तक गुनगुन का भोपाल में ही इलाज चलता रहा। इसके बाद डॉक्टरों ने उसे घर लेकर जाने की परमिशन दे दी। गुनगुन घर तो आ गई, लेकिन यहां भी उसे बिस्तर पर ही रहना पड़ रहा है। घटना के डेढ़ महीने बाद भी गुनगुन की हालत में ज्यादा सुधार नहीं है। उसे हर काम के लिए सहारे की जरूरत पड़ रही है। वह तो खुद से उठकर बैठ तक नहीं सकती है। परिवार वाले भी बस इसी बात की दुआ कर रहे हैं कि बेटी जल्दी से पुरानी वाली गुनगुन हो जाए।

बैग में मिले नंबर पर पुलिस ने मुस्कान के भाई को कॉल किया

10 जून 2024। समय- सुबह 11.30 बजे। रेलवे ट्रैक पर पुलिस को गंभीर हालत में एक लड़की मिली। चेहरे, सिर और शरीर का कोई ऐसा हिस्सा नहीं छूटा जहां चोट के निशान नहीं थे। रेलवे ट्रैक पर ही बैग और कुछ कपड़े पड़े मिले। बैग में एक सुसाइड नोट था। चेहरा बुरी तरह डैमेज किया गया था। आरोपी लड़की की पहचान मुस्कान के रूप में कराना चाहते थे। हुआ भी यही, लड़की की पहचान मुस्कान राजपूत के रूप में हुई। बैग में नंबर मिला। डायल करने पर मुस्कान के भाई ने फोन उठाया। वह परिजन के साथ मेडिकल कॉलेज पहुंचा। भाई ने लड़की को मेडिकल कॉलेज पहुंचकर गंभीर हालत में मिली लड़की को यह कहते हुए पहचानने से इनकार कर दिया कि यह तो उसकी बहन मुस्कान है ही नहीं। आपको उसका बैग, कपड़े और सुसाइड नोट कैसे और कहां से मिला। पुलिस के लिए भी यह बात हैरान करने वाली थी। सवाल उठा, आखिर इतनी गंभीर हालत में मिली लड़की मुस्कान नहीं है, तो फिर कौन है लड़की के पास मुस्कान का बैग, कपड़े और सुसाइड नोट कहां से आया? पुलिस ने पड़ताल की तो गुनगुन रजक का नाम सामने आया। पता चला गुनगुन और मुस्कान के बीच गहरी दोस्ती है। पुलिस ने गुनगुन के परिजनों तक सूचना पहुंचाई और उन्हें मेडिकल कॉलेज आने को कहा। घटना के बाद से आरोपी मुस्कान का भी कुछ अता-पता नहीं है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। पता बताने वाले को 10 हजार रुपए इनाम देने की घोषणा भी की गई है।

ऐप बताएगा, आप सरकारी योजना के लिए पात्र या नहीं

- 10 आसान सवालों के जवाब देने होंगे, सीधे आवेदन कर सकेंगे

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश सरकार की योजनाओं का लाभ पाने के लिए आप पात्र हैं या नहीं? ये अब किसी दफ्तर, अधिकारी या बिचौलिए के पास जाकर पूछने की जरूरत नहीं है। मोबाइल एप्लिकेशन से आप पूरी जानकारी पा सकते हैं। पात्रता ऐप नाम से गूगल प्ले स्टोर पर यह ऐप है। अब तक 10 विभागों की योजनाएं इसमें शामिल की जा चुकी हैं। जल्द ही सभी विभागों की योजनाओं की जानकारी इसमें अपलोड हो जाएंगी। पात्रता ऐप से आसानी से पता लग जाएगा कि कौन किस योजना के लिए पात्र है। इतना ही नहीं, आवेदन कैसे और कहां करना पड़ेगा, कौन से जरूरी दस्तावेज लगेंगे, यह जानकारी भी इस ऐप में मौजूद है। मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा, इस ऐप के उपयोग से अब सरकारी दफ्तरों में योजनाओं से संबंधित सामान्य जानकारी के लिए चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। योजनाओं का लाभ दिलाने का झांसा देने वाले लोगों से भी छुटकारा मिल जाएगा।

36 हजार ने किया उपयोग, 15 हजार डाउनलोड

पात्रता ऐप का उपयोग करने वालों की संख्या गांवों में लगातार बढ़ रही है। अब तक 36 हजार नागरिकों ने इसका उपयोग किया है। 15 हजार से ज्यादा लोगों ने इसे डाउनलोड किया है।

ग्वालियर जिला प्रशासन की पहल है ऐप

पात्रता ऐप ग्वालियर जिला प्रशासन की पहल है। वहां के प्रशासन ने आम नागरिकों के लिए इसे तैयार कराया है। यह एक एंड्रॉयड आधारित एप्लिकेशन है।

बाबा महाकाल की सवारी में नहीं बजेगा डीजे, ढोल-मंजीरे, डमरू जैसे वाद्ययंत्रों का होगा उपयोग

दूसरी सवारी में 350 जवानों का पुलिस बैंड देगा प्रस्तुति

उज्जैन (नप्र)। इस वर्ष भगवान महाकाल की सवारियों में धर्म व संस्कृति का अनूठा समागम देखने को मिल रहा है। 22 जुलाई को निकली पहली सवारी में आदिवासी कलाकारों के दल ने मनोरम प्रस्तुति दी। इसी प्रकार 29 जुलाई को निकलने वाली भगवान महाकाल की दूसरी सवारी में

350 जवानों का पुलिस बैंड प्रस्तुति देगा। श्रावण-भादौ मास में निकलने वाली भगवान महाकाल की सवारियों में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने निर्देश दिए हैं। सीएम के निर्देश के अनुरूप बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए बुधवार को कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक की।

नासिक व काशी से आए कलाकार प्रस्तुति देंगे-बताया गया कि दूसरी सवारी में प्रस्तुति देने के लिए भोपाल पीएचक्यू से 350 जवानों का विशेष पुलिस बैंड उज्जैन आएगा।

कही-सुनी

रवि भोई

(लेखक पत्रिका समवेत सृजन के प्रबंध संपादक और स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

अगले हफ्ते साय मंत्रिमंडल का विस्तार संभव

छत्तीसगढ़ के विष्णुदेव साय मंत्रिमंडल में मंत्री के दो पद रिक्त हैं। एक पद सांसद चुने जाने के बाद बृजमोहन अग्रवाल के मंत्री पद से इस्तीफे के बाद खाली हुआ और एक पद पहले से ही भरा नहीं गया था। माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का दिल्ली यात्रा के दौरान मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर हाईकमान से चर्चा हो सकती है। मंत्रिमंडल विस्तार के साथ कुछ मंत्रियों के विभागों में हेरफेर की भी चर्चा हो रही है। कुछ मंत्रियों के पत्ता कटने के भी कयास लगाए जा रहे हैं। मंत्रिमंडल के विस्तार में पुराने और नए विधायकों के मिश्रण की उम्मीद की जा रही है। वैसे भी 3-4 पुराने विधायकों के साथ कुछ नए विधायक भी मंत्री बनने के लिए लाबिंग में लगे हैं। मंत्रिमंडल के विस्तार के साथ कुछ विधायकों को संसदीय सचिव तो कुछ नेताओं को निगम-मंडल अध्यक्ष का पद दिया जा सकता है। कहा जा रहा है कि रायपुर दक्षिण से टिकट की दावेदारी कर रहे एक-दो नेता को निगम-मंडल अध्यक्ष का पद मिल सकता है।

बिना नाखून और दांत का शेर

छत्तीसगढ़ के लोक आयोग को बिना नाखून और दांत का शेर कहा जा रहा है। छत्तीसगढ़ के लोक आयोग केवल एक सिफारिशी संस्था बनकर रह गई है। इसकी रिपोर्ट पर कार्रवाई करे या न करे सरकार की मर्जी। कहते हैं छत्तीसगढ़ लोक आयोग को मजबूत संस्था बनाने के लिए डॉ रमन सिंह की सरकार ने 2013 में लोकपाल-लोकायुक्त बिल पास किया था, लेकिन विधेयक को लागू करने की जगह ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। राज्य वित्त आयोग के पूर्व अध्यक्ष वीरेंद्र पांडे ने पिछले दिनों मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मिलकर छत्तीसगढ़ लोक आयोग को सशक्त संस्था बनाने की मांग की और लोकपाल-लोकायुक्त बिल 2013 को लागू करने का सुझाव दिया। अब देखते हैं वीरेंद्र पांडे की मांग पर सरकार क्या कदम उठाती है। फिलहाल तो छत्तीसगढ़ लोक आयोग सरकार की प्राथमिकता में नहीं लग रहा है। प्रमुख लोकायुक्त न्यायमूर्ति टी पी शर्मा कार्यकाल खत्म होने के बाद भी नई नियुक्ति नहीं होने के कारण करीब 11 महीने से पद पर बने हैं। वहां नई नियुक्ति के लिए अब तक सरकार का एक्शन नजर नहीं आ रहा है। नए प्रमुख लोकायुक्त ही नहीं, मुख्य सूचना आयुक्त का पद भी महीनों से खाली है। वीरेंद्र पांडे ने किसी प्रशासनिक अधिकारी की जगह रिटायर्ड जज या किसी प्रतिष्ठित वकील को मुख्य सूचना आयुक्त बनाने की सलाह मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को दी है।

छत्तीसगढ़ में पांडियन की चर्चा

2024 के लोकसभा चुनाव में छत्तीसगढ़ के पड़ोसी राज्य ओड़िशा में पांडियन की खूब चर्चा रही। माना जाता है कि पांडियन के सुर्खियों में आने से नवीन पटनायक का साम्राज्य ध्वस्त हो गया। कहते हैं नौकरशाही से वीआरएस लेकर सस्त्रि5य राजनीति में कदम रखे वी के पांडियन का नवीन पटनायक की सरकार में बड़ा जलवा था और पांडियन को नवीन पटनायक का उत्तराधिकारी माना जाने लगा था। कहा जाता है पांडियन की अनुमति के बिना पटनायक की सरकार में पत्ता भी नहीं खड़कता था , यहां तक की उनकी परमिशन के बिना मुख्यमंत्री से कोई मिल भी नहीं सकता था। अब भाजपा राज में छत्तीसगढ़ में पांडियन की चर्चा होने लगी है। कहा जाने लगा है छत्तीसगढ़ में पांडियन ने अवतार ले लिया है। गौरतलब है कि ओड़िशा में 2024 के चुनाव में पांडियन को लेकर भाजपा बड़े हमलावर थी। अब भाजपा ओड़िशा में सत्तासीन है। ओड़िशा में भाजपा को लोकसभा की सीटें भी छप्पर फाड़ कर मिलीं।

जुनेजा पांच अगस्त तक तो रहेंगे ही डीजीपी

कहते हैं राज्य पुलिस सेवा के कुछ अफसरों को आईपीएस अवार्ड करने के लिए संघ लोक सेवा आयोग में पांच अगस्त को बैठक है। इस बैठक में मुख्य सचिव अमिताभ जैन और अपर मुख्य सचिव गृह मनोज पिंगुआ के साथ डीजीपी अशोक जुनेजा भी मौजूद रहेंगे। ऐसे में माना जा रहा है कि नए डीजीपी के नाम का ऐलान पांच अगस्त की देर रात या फिर अगले दिन ही होगी। अशोक जुनेजा का कार्यकाल पांच अगस्त तक ही है। नए डीजीपी की दौड़ में अभी 1992 बैच के आईपीएस अरुण देव गौतम और 1994 बैच के आईपीएस हिमांशु गुप्ता हैं। 1992 बैच के आईपीएस पवनदेव का नाम भी चर्चा में है। डीजी के लिए पवनदेव के नाम का बंद लिफाफा तो खुल गया है, लेकिन अभी तक पदोन्नति आदेश जारी नहीं हुआ है। कहा जा रहा है कि शीर्ष स्तर पर मामला लटक गया है। खबर है कि एक जाँच रिपोर्ट पवनदेव के पदोन्नति आदेश में रोड़ा बना हुआ है।

बदल सकते हैं कई जिलों के एसपी

कहा जा रहा है कि अगस्त के पहले हफ्ते में कई जिलों के एसपी बदल सकते हैं। साय सरकार ने सत्ता में आने के कुछ दिनों बाद कुछ जिलों के एसपी बदले थे। इस बार पुलिस में व्यापक फेरबदल की संभावना व्यक्त की जा रही है। कहा जा रहा है कि सरकार के लिए कानून-व्यवस्था बड़ा मुद्दा बनता जा रहा है। कई जिलों में आपराधिक घटनाएं बढ़ गई हैं। इस मुद्दे पर सरकार विपक्ष के निशाने पर भी है। कांग्रेस ने कानून-व्यवस्था को लेकर 24 जुलाई को विधानसभा का घेराव भी किया था। कहा जा रहा है कुछ बड़े जिलों के साथ ट्राइबल जिलों के कुछ एसपी बदले जा सकते हैं। एसपी के साथ आधे दर्जन जिलों के कलेक्टर भी इधर से उधर हो सकते हैं।

सचिवों पर हाईकोर्ट की टेढ़ी नजर

कहते हैं छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट कई मामलों में राज्य के सचिवों को व्यक्तिगत उपस्थित होने का फरमान जारी करने लगा है। आमतौर पर विभागीय कोर्ट केस में कोई जिम्मेदार अधिकारी अदालत में उपस्थित होकर सरकार का पक्ष रख देता था। कहा जा रहा है कि पिछले कुछ महीनों में हाईकोर्ट ने विभागीय सचिवों को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर पक्ष रखने का नोटिस दिया है। कई विभाग के सचिव बिलासपुर जाकर कोर्ट में हाजिर भी हुए। हाईकोर्ट के नए रुख के बाद सचिव अदालती मामलों और नोटिस को गंभीरता से लेने लगे हैं।

कलेक्टर और भाजपा नेता का आडियो चर्चा में एक कलेक्टर साहब और भाजपा नेता का आडियो राज्य में चर्चा का विषय है। भाजपा नेता आडियो में कलेक्टर साहब को हटाने की धमकी दे रहे हैं तो कलेक्टर साहब भी भाजपा नेता को खरी-खरी सुनाने में नहीं चूक रहे हैं। अब यह आडियो कितना सही है या गलत, यह अलग बात है। कलेक्टर साहब अगले महीने रिटायर होने वाले हैं, तो डर किस बात की, फिर ठहरे खांटी भाजपाई परिवार से।